कार्यालय, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी
समग्र शिक्षा, ब्लॉक–भीण्डर (उदयपुर)

# संकल्प-2022

## (एक अभिनव पहल)

# प्रश्न बैंक

# भूगोल

## कक्षा –12

बोर्ड परीक्षा परिणाम में गुणात्मक एवं संख्यात्मक उन्नयन
हेतु अभिनव कार्ययोजना के तहत् निर्मित

## मुख्य सरक्षक

**कानाराम**
निदेशक माध्यमिक शिक्षा
राजस्थान, बीकानेर

**एन्जिलिका पलात**
संयुक्त निदेशक
स्कूल शिक्षा, उदयपुर

**ओम प्रकाश आमेटा**
मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी
उदयपुर

**रमेश सीरवी पुनाडिया**
उपखण्ड अधिकारी
भीण्डर, उदयपुर

**श्रवणसिंह राठौड**
उपखण्ड अधिकारी
वल्लभनगर, उदयपुर

## मार्गदर्शन

**महेन्द्र कुमार जैन**
मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, ब्लॉक भीण्डर, उदयपुर

**भेरूलाल सालवी**
अति. मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी

**रमेश खटीक**
अति. मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी

**गिरिश चोबीसा**
सन्दर्भ व्यक्ति

**महेन्द्र कोठारी**
सन्दर्भ व्यक्ति

## संयोजक

**योगेश चन्द्र रावल**, व्याख्याता, रा.रा.मा.वि. खरसाण, उदयपुर

## कार्यकारी दल (व्याख्यातागण)

**मनोज कुमावत** – राउमावि टूस डांगीयान

ओंकार लाल गोपावत – चतुर राउमावि कानोड
गोपाल मेनारिया – राउमावि मेनार
मुकेश चन्द्र – राउमावि नीमडी
प्रतिमा सिन्हा – राउमावि दरोली
विद्या यादव – राबाउमावि खेरोदा
पंकज चौबीसा – राउमावि सालेडा
हर्षवर्धन – राउमावि सिंहाड
रामावतार मीणा – राउमावि वाना
ईश्वर लाल पोमावत – राउमावि बार्ठडा खुर्द
प्रकाश चन्द्र मेनारिया – राउमावि वल्लभनगर
विनिता योहान – राउमावि भटेवर
विनोद कुमार जैन – राउमावि गोटीपा
सुशील कुमार यादव – राउमावि माल की टूस
अक्षय राज – राउमावि भीण्डर
दीपक कुमार – राउमावि तारावट
भँवर लाल जणवा – राउमावि नवानियाँ

CEO BHINDER UDAIPUR

# माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान अजमेर परीक्षा 2022 के लिए संक्षिप्तिकृत पाठ्यक्रम
# भूगोल कक्षा–12

## पाठ्यपुस्तक :– मानव भूगोल के सिद्धान्त

| | | |
|---|---|---|
| इकाई – 1 | अध्याय :– 1. | मानव भूगोल प्रकृति एवं विषय क्षेत्र |
| इकाई – 2 | अध्याय :– 2. | विश्व जनसंख्या वितरण, धनत्व और वृद्धि |
| | अध्याय :– 3. | जनसंख्या संघटन |
| इकाई – 3 | अध्याय :– 5. | प्राथमिक क्रियाऐं |
| | अध्याय :– 6. | द्वितीय क्रियाऐं |
| | अध्याय :– 7. | तृतीयक और चतर्थ क्रियाकलाप |
| इकाई – 4 | अध्याय :– 10 | मानव बस्ती मानचित्र कार्य (विश्व) |

## पाठ्यपुस्तक :– भारत लोग और अर्थव्यवस्था

| | | |
|---|---|---|
| इकाई – 1 | अध्याय :– 1. | जनसख्याः वितरण, धनत्व, वृद्धि और संघटन |
| | अध्याय :– 2. | प्रवासः प्रकार, कारण और परिणाम |
| इकाई – 2 | अध्याय :– 4. | मानव बस्तिया |
| इकाई – 3 | अध्याय :– 5. | भूसंसाधन एवं कृषि |
| | अध्याय :– 6. | जल स साधन |
| | अध्याय :– 7. | खनिज तथा ऊर्जा संसाधन |
| | अध्याय :– 8. | निर्माण उद्योग |
| इकाई – 4 | अध्याय :– 10 | परिवहन तथा संचार मानचित्र कार्य (भारत) |

## पाठ्यपुस्तक :– भूगोल में प्रयोगात्मक अर्थ भाग– 2

अध्याय :– 1. आकडे : स्त्रोत एवं संकलन

अध्याय :– 2. आंकडों का प्रक्रमण

अध्याय :– 3. आंकडों का आलेखी निरूपण

अध्याय :– 4. आंकडों का प्रक्रमण एवं मानचित्र में कम्प्यूटर का उपयोग

अध्याय :– 1,2,3,4, में से कुल 5 प्रश्न और प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का सभी प्रश्न अनिवार्य है।

क्षेत्रिय सर्वेक्षण अभिलेख (अभिलेख–4 अंक मौखिक 1 अंक)

क्षेत्रिय सर्वेक्षण अभिलेख अध्याय – 5 के अनुसार तैयार करना है।

प्रयोगिक अभिलेख एवं मौखिक (अभिलेख – 8 अंक मौखिक 2 अंक)

CBEO BHINDER UDAIPUR

# अनुक्रमणिका

## पाठ्यपुस्तक :– मानव भूगोल के सिद्धान्त


| | | | |
|---|---|---|---|
| इकाई – 1 | अध्याय :– 1. | मानव भूगोल प्रकृति एवं विषय क्षेत्र | 5 |
| इकाई – 2 | अध्याय :– 2. | विश्व जनसंख्या वितरण, धनत्व और वृद्धि | 7 |
| | अध्याय :– 3. | जनसंख्या संघटन | 11 |
| इकाई – 3 | अध्याय :– 5. | प्राथमिक क्रियाऐं | 13 |
| | अध्याय :– 6. | द्वितीय क्रियाऐं | 17 |
| | अध्याय :– 7. | तृतीयक और चतर्थ क्रियाकलाप | 21 |
| इकाई – 4 | अध्याय :– 10 | मानव बस्ती मानचित्र कार्य (विश्व) | 23 |


## पाठ्यपुस्तक :– भारत लोग और अर्थव्यवस्था


| | | | |
|---|---|---|---|
| इकाई – 1 | अध्याय :– 1. | जनसख्याः वितरण, धनत्व, वृद्धि और संघटन | 26 |
| | अध्याय :– 2. | प्रवासः प्रकार, कारण और परिणाम | 33 |
| इकाई – 2 | अध्याय :– 4. | मानव बस्तियां | 35 |
| इकाई – 3 | अध्याय :– 5. | भू संसाधन एवं कृषि | 39 |
| | अध्याय :– 6. | जल संसाधन | 45 |
| | अध्याय :– 7. | खनिज तथा ऊर्जा संसाधन | 49 |
| | अध्याय :– 8. | निर्माण उद्योग | 52 |
| इकाई – 4 | अध्याय :– 10 | परिवहन तथा संचार मानचित्र कार्य (भारत) | 58 |


CBEO BHINDER UDAIPUR

## पाठ–1 : मानव भूगोल : प्रकृति व विषय क्षेत्र

**अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न**

प्र. 1 निम्नलिखित में कौन–सा एक लोगों और पर्यावरण के बीच अन्योन्यक्रिया का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण कारक है?
(अ) मानव बुद्धिमता (ब) प्रौद्योगिकी
(स) लोगों के अनुभव (द) मानवीय भाईचारा (अ)

प्र. 2 निम्नलिखित में से कौन–सा एक भौगोलिक सूचना का स्रोत नहीं है?
(अ) यात्रियों के विवरण (ब) प्राचीन मानचित्र
(स) चंद्रमा से चट्टानी पदार्थों के नमूने (द) प्राचीन महाकाव्य (स)

प्र. 3 1970 के दशक में किस विचारधारा का उदय हुआ–
(अ) मानवतावादी (ब) आमुलवादी
(स) व्यवहारवादी (द) उपरोक्त सभी (द)

प्र. 4 एक प्रदेश अन्य प्रदेशों से किस प्रकार और क्यों भिन्न है यह समझने के लिए तथा किसी प्रदेश की विलक्षणता की पहचान करना किस उपागम का लक्षण है–
(अ) स्थानिक संगठन (ब) क्षैत्रिय विभेदन
(स) प्रादेशिक विश्लेषण (द) अन्वेशण (ब)

प्र. 5 पर्यटन भूगोल मानव भूगोल के किस क्षेत्र का उपक्षेत्र है–
(अ) सामाजिक भूगोल (ब) राजनैतिक भूगोल
(स) नगरिय भूगोल (द) आर्थिक भूगोल (द)

प्र. 6 सैन्य भूगोल मानव भूगोल के किस क्षेत्र का उपक्षेत्र है–
(अ) सामाजिक भूगोल (ब) राजनैतिक भूगोल
(स) नगरिय भूगोल (द) आर्थिक भूगोल (ब)

प्र. 7 ऐतिहासिक भूगोल मानव भूगोल के किस क्षेत्र का उपक्षेत्र है–
(अ) सामाजिक भूगोल (ब) राजनैतिक भूगोल
(स) नगरिय भूगोल (द) आर्थिक भूगोल (अ)

प्र. 8 मानव भूगोल के जनक है–
(अ) फैडरिक रैटजैल (ब) एलन सेम्पल
(स) ब्लाश (द) ग्रिफ्रिक टेलर (अ)

प्र. 9 भूगोल का पिता किसे कहा जाता है–
(अ) फैडरिक रैटजैल (ब) ब्लाश
(स) हिकेटियस (द) रिटर (स)

प्र. 10 रूको और जाओं की संकल्पना किसने प्रस्तुत की–
(अ) हिकेटियस (ब) ग्रिफिक टेलर (स) रेटजेल (द) हटिगंटन (ब)

प्र. 11 **'मानव भूगोल अस्थिर पृथ्वी और क्रियाशील मानव के बीच परिवर्तनशील संबंधो का अध्ययन है'** उक्त परिभाषा है–.
(अ) हिकेटियस (ब) ग्रिफिक टेलर
(स) रेटजेल (द) एलन सेम्पल (द)

प्र. 12 **एन्थ्रोपोज्योग्राफी** पुस्तक के रचियता है–
(अ) हिकेटियस (ब) ग्रिफिक टेलर
(स) रेटजेल (द) एलन सेम्पल (स)

**अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न**

प्र. 1 आधुनिक मानव भूगोल के जन्मदाता कौन थे?
उत्तर फ्रेडरिक रेटजेल।

प्र. 2. नवनियतिवाद के प्रवर्तक कौन है?
उत्तर ग्रिफिथ टेलर।

प्र. 3. रेटजेल की पुस्तक का नाम बताइए?
उत्तर एन्थ्रोपो ज्योग्राफी।

प्र. 4. संभववाद की विचारधारा किसने दी?
उत्तर विडाल–डी–ला–ब्लाश।

प्र. 5. फ्रेडरिक रेटजेल की शिष्या का नाम बताइए?
उत्तर एलन सैम्पल।

प्र. 6. भूगोल की दो मुख्य शाखाएँ कौनसी है?
उत्तर (1) भोतिक भूगोल (2) मानव भूगोल

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र. 7. रेटजेल के अनुसार मानव भूगोल को परिभाषित कीजिए।
उत्तर ''मानव भूगोल मानव समाजों और धरातल के बीच सम्बन्धों का संष्लेषित अध्ययन है।''
प्र. 8. ''मानव और उसके कार्यो को समाविष्ट किया है।'' परिभाषा किसने दी?
उत्तर डिकेन और पिट्स ने।
प्र. 9. प्रसिद्ध अमेरिकन भूगोलवेत्ता एलन सेम्पल के अनुसार मानव भूगोल को परिभाषित कीजिए।
उत्तर ''मानव भूगोल चंचल मानव और अस्थायी पृथ्वी के पारस्परिक परिवर्तनषील सम्बन्धों का अध्ययन है।''
प्र. 10. हटिंगटन ने मानव भूगोल के अध्ययन क्षेत्र को कितने वर्गो में बाँटा है?
उत्तर दो वर्गो में बाँटा है –
(1) भौतिक दशाएँ (2) मानवीय अनुक्रिया
प्र. 11. प्रसिद्ध जर्मन भूगोलवेत्ताओं के नाम बताइए?
उत्तर हम्बोल्ट, रिटर, फ्रोबेल, पैशेल, रिचथोफेन व रेटजेल
प्र. 12. अमेरिका के भूगोलवेत्ताओं के नाम बताइए।
उत्तर एलन सेम्पल, हटिंगटन, बौमेन, कार्ल सांवर, ग्रिफिथ टेलर।
प्र.13. प्रसिद्ध फ्रांसिसी भूगोलवेत्ताओं के नाम बताइए।
उत्तर बिडाल–डी–ला–ब्लाश, ब्रूंस, दी मार्तोन, डिमांजियाँ व फ्रेब्रे।
प्र.15. मानव का प्रकृतिकरण भूगोल की किस विचारधारा के अन्तर्गत आता है ?
उत्तर नियतिवाद
प्र.16. प्रकृति का मानवीकरण भूगोल की किस विचारधारा के अन्तर्गत आता है ?
उत्तर संभववाद
प्र.17. भूगोल मे मानवतावादी, आमूलवादी और व्यवहारवादी विचारधराओं का उदय कब हुआ।
उत्तर 70 के दशक में
प्र.18. भूगोल मे आमूलवादी के बारे मे बताइये ?
उत्तर आमूलवादी रेडिकल विचारधारा ने निर्धनता के कारण, बंधन और सामाजिक असमानता की व्याख्या के लिए मार्क्स के सिद्धांत का उपयोग किया। समकालीन सामाजिक समस्याओं का संबंध पूँजीवाद के विकास से था।

**लघुत्तरात्मक प्रश्न**

प्र. 1. मानव भूगोल के पाँच उप–क्षेत्रों के नाम बताइए।
उत्तर मानव भूगोल के पाँच उप–क्षेत्र निम्नलिखित है –
(1) सांस्कृतिक भूगोल (2) संसाधन भूगोल (3) ऐतिहासिक भूगोल
(4) सैन्य भूगोल (अ) चिकित्सा भूगोल, व्यवहारवादी भूगोल, कृषि भूगोल इत्यादि।
प्र. 2. मानव भूगोल के प्रमुख क्षेत्र कौनसे है?
उत्तर मानव भूगोल के विषय क्षेत्र के अंतर्गत निम्न तथ्यों को शामिल किया जाता है –
(1) सामाजिक भूगोल (2) नगरिय भूगोल
(3) राजनैतिक भूगोल (4) जनसंख्या भूगोल
(अ) आवास भूगोल (6) आर्थिक भूगोल
प्र. 3. मानव भूगोल की प्रकृति को समझाइए।
उत्तर पृथ्वी पर जो भी मानव निर्मित दृष्य दिखाई देते है। उन सबका अध्ययन मानव भूगोल के अंतर्गत आता है अतः विषय की प्रकृति में मानवीय क्रियाकलाप केन्द्रीय बिन्दु है। मानवीय क्रियाकलापों का विकास कहाँ, कब व कैसे हुआ आदि प्रश्नों का भौगोलिक दृष्टिकोण से प्रस्तुत करना ही मानव भूगोल की प्रकृति को प्रकट करता है।
प्र. 4. मध्यकाल में मानव भूगोल के विकास को समझाइये।
उत्तर मध्यकाल में नौ चालन सम्बन्धी कुशलताओं व अन्वेषणों तथा तकनीकी ज्ञान व दक्षता के कारण देशों तथा लोगों के विषय में मिथक व रहस्य खुलने लगे। उपनिवेशीकरण तथा व्यापारिक रूचियों के नये क्षेत्रों में खोजे व अन्वेषणों का विश्व ज्ञानकोशीय विवरण प्रकाष में आया। इस काल में अन्वेषण, विवरण व प्रादेशिक विश्लेषण पर विशेष जोर रहा। प्रादेशिक विश्लेषण में प्रदेश के सभी पक्षों का विस्तृत वर्णन किया गया। यह स्पष्ट हुआ कि सभी प्रदेश पूर्ण इकाई व पृथ्वी के भाग है। इन प्रदेशों की समझ पृथ्वी को पूर्ण रूप में समझने में सहायता करेगी।

CBEO BHINDER UDAIPUR

# अध्याय–2 : विश्व जनसंख्या–वितरण, घनत्व और वृद्धि

प्रश्न 1 विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला देश है ?

(अ) चीन (ब) भारत

(स) सिंगापुर (द) अमेरिका (स)

प्रश्न 2 कटंगा जाम्बिया क्षेत्र किसके लिए प्रसिद्ध है ?

(अ) लौहा (ब) तांबा

(स) जिंक (द) एल्युमिनियम (ब)

प्रश्न 3 किसने कहा था कि लोगों की संख्या खाद्य आपूर्ति की अपेक्षा अधिक तेजी से बढ़ेगी

(अ) माल्थस (ब) ट्रिवार्था

(स) फिंच (द) इनमें से कोई नहीं (अ)

प्रश्न 4 जापान का कोबे–ओसाका क्षेत्र जिस कारण से सांन बसा हुआ है, वह है–

(अ) उत्तम जलवायु (ब) भू आकृति

(स) औद्योगिकरण (द) खनिज (स)

प्रश्न 5 जननांकिकीय सक्रमण की प्रथम अवस्था संबंधित है–

(अ) उच्च जन्म दर एवं उच्च मृत्यु दर (ब) जन्म दर घटना

(स) मृत्यु दर का बढ़ना (द) निम्न मृत्यु दर कम (अ)

प्रश्न 6 विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश कौनसा है?

उत्तर चीन

प्रश्न 7 एशिया में विश्व की कितने प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है?

उत्तर 60%

प्रश्न 8 जनघनत्व को परिभाषित करो।

उत्तर प्रति वर्ग किलोमीटर में रहने वाले व्यक्तियों की संख्या उस क्षेत्र का जनघनत्व कहलाता है।

प्रश्न 9 जनघनत्व का सूत्र लिखिए।

उत्तर जनघनत्व = कुल जनसंख्या / कुल क्षेत्रफल

प्रश्न10 भूमध्यसागरीय प्रदेश में अधिक जनसंख्या का क्या कारण है?

उत्तर सुखद व उत्तम जलवायु

प्रश्न11 अशोधित जन्म दर क्या है?

उत्तर प्रति हजार स्त्रियों द्वारा जन्म दिये जिवित बच्चों की संख्या।

प्रश्न12 उत्प्रवास क्या है ?

उत्तर प्रवासी जो एक स्थान से बाहर चले जाते हैं उत्प्रवासी कहलाते हैं।

प्रश्न13 जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले कोई दो कारक बताओ।

उत्तर जलवायु और मृदा।

प्रश्न14 प्रवास किसे कहते हैं ?

उत्तर किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह का अपने निवास स्थान का स्थाई परिवर्तन प्रवास कहलाता है। यह स्थायी, अस्थाई या मौसमी हो सकता है।

प्रश्न15 विश्व में जनसंख्या वितरण की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर विश्व में जनसंख्या वितरण की प्रमुख विशेषताए–

1. विश्व में जनसंख्या वितरण असमान है चीन में सर्वाधिक जनसंख्या जबकि ओशेनियां में न्यूनतम है।
2. विश्व में जनसंख्या घनत्व भी असमान है।
3. नदी घाटी व मैदानों में जनसंख्या अधिक निवास करती है।
4. ठण्डे व गर्म मरूस्थलों में जनसंख्या वितरण कम है।
5. कृषि व औद्योगिक क्षेत्रों में अधिक जनसंख्या मिलती है।

प्रश्न16 विश्व में जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले कारकों का वर्णन करो ?

उत्तर विश्व में जनसंख्या वितरण असमान है जिसके निम्न कारण हैं–

1. **उच्चावच**– पर्वत पठार तथा उबड़–खाबड़ क्षेत्रों में जनसंख्या कम मिलती है जबकि मैदानी क्षेत्रों में जनसंख्या अधिक मिलता है, जैसे– गंगा यमुना के मैदान
2. **जलवायु**– अधिक ठण्डे व गर्म स्थानों पर कम जनसंख्या मिलती है, जबकि मानसूनी प्रदेशों में जहां ऋतु, मिलती है, अधिक जनसंख्या पाई जाती है।
3. **मृदा**– उपजाऊ मृदा क्षेत्रों में अधिक जनसंख्या जबकि ऊसर क्षेत्रों में कृषि नहीं होने के कारण जनसंख्या कम मिलती है।
4. **खनिज**– खनिज उत्पादक क्षेत्रों में रोजगार की अधिकता के कारण जनसंख्या अधिक मिलती है।

CBEO BHINDER UDAIPUR

5. **वनस्पति**– अधिक सांन वनों में जनसंख्या कम जबकि कौणधारी व आर्थिक महत्व वाले खुले वनों में जनसंख्या अधिक मिलती है।

प्रश्न17 जनसंख्या वृद्धि व ह्रास के परिणामों को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर किसी देश की जनसंख्या वृद्धि उस देश के आर्थिक विकास का धनात्मक और ऋणात्मक दोनों प्रभाव डालती है।

**जनसंख्या वृद्धि के परिणाम–**

1. संसाधनों की लगातार कमीं जैसे– भूमि, मृदा, पेयजल आदि।
2. लगातार वन विनाश।
3. जलवायु परिवर्तन व प्रदूषण की समस्या।
4. नगरों में मलीन व गंदी बस्तियों का विस्तार।
5. भोजन व आवास की कमीं।
6. महामारियों का बढ़ना व चिकित्सा की कमीं।
7. रोजगार की कमीं

**जनसंख्या ह्रास के परिणाम–**

1. देश के संसाधनों का पूर्ण उपयोग नहीं हो पाता।
2. देश की आधारभूत संरचना स्वयं ही अस्थिर हो जाती है।
3. देश के संसाधनों का विकास कम होता है।

प्रश्न18 प्रवास किसे कहते है? इसके प्रकारों का वर्णन करो।

उत्तर किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह का अपने निवास स्थान का स्थाई परिवर्तन प्रवास कहलाता है। यह स्थायी, अस्थाई या मौसमी हो सकता है।

प्रवास के निम्न प्रकार हैं–

1. **अन्तः राज्यीय प्रवास**– जब व्यक्ति द्वारा एक ही राज्य के विभिन्न स्थानों पर प्रवास होता है तो इसे अन्तः राज्यीय प्रवास कहते हैं जैसे– एक राज्य में एक जिले से दूसरे जिले में।
2. **अन्तर्राज्यीय प्रवास** – जब व्यक्ति एक राज्य से दूसरे राज्य में रोजगार के कारण प्रवास करता तो इसे अन्तर्राज्यीय प्रवास कहते हैं। जैसे– राजस्थान से महाराष्ट्र
3. **अन्तर्राष्ट्रीय प्रवास** – जब व्यक्ति द्वारा एक देश से दूसरे देश में प्रवास किया जाता है तो इसे अन्तर्राष्ट्रीय प्रवास कहते हैं। जैसे– भारत से अरब देशों में प्रवास।

प्र. 19 विश्व की जनसंख्या समस्या के समाधान हेतु कोई दो उपाय सुझाइये।

उत्तर 1. प्राकृतिक संसाधनों का अनुकूलतम प्रयोग किया जाए।
2. कोयला, पेट्रोल, बिजली के अधिकतम उपयोग पर नियंत्रण।

प्र. 20 जनसंख्या वितरण और जनसंख्या घनत्व में 2 अन्तर लिखिए –

उत्तर

| | जनसंख्या वितरण | जनसंख्या घनत्व |
|---|---|---|
| 1. | जनसंख्या वितरण से आशय जनसमूह के स्थानिक वितरण से है। | जनसंख्या घनत्व से आशय जनसंख्या एवं धरातल के अनुपात से है। |
| 2. | जनसंख्या वितरण में स्थानिक वितरण पर अधिक बल दिया जाता है। | जनसंख्या घनत्व में जनसंख्या आकार एवं क्षेत्र के अनुपातिक संबंधों पर बल दिया जाता है। |

प्र. 21 प्रायः जनविहीन क्षेत्र को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर विश्व के वे क्षेत्र जहाँ जनसंख्या घनत्व 1 व्यक्ति प्रति वर्ग कि. मी.से भी कम पाया जाता है, जनविहीन क्षेत्र कहलाता है। पृथ्वी के स्थल भाग का लगभग 70 प्रतिशत क्षेत्र आवास्य है जिसे इस वर्ग में रखा जाताहै।

प्र. 22 जनसंख्या वृद्धि के दुष्परिणामों के चार बिन्दु लिखें।

उत्तर 1. जनसंख्या वृद्धि के फलस्वरूप खाद्यान्न आपूर्ति व आवास की समस्या उत्पन्न हो रही है।
2. जनसंख्या वृद्धि से लोग मूलभूत सुविधाओं से वंचित हो रहे हैं।
3. इससे बेरोजगारी व निर्धनता में वृद्धि हो रही है।
4. जनसंख्या वृद्धि से कृषि भूमि क्षेत्र निरन्तर कम होता जा रहा है और वनों का विनाश हो रहा है।

प्र. 23 भारत में जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने के तीन उपाय सुझाइए।

उत्तर 1. परिवार नियोजन कार्यक्रम को अपनाकर बच्चों के जन्म को रोका जा सकता है।
2. छोटा परिवार रखने के लिए जन जागृति लाना।
3. स्त्रियों की प्रतिष्ठा में वृद्धि की जाये।

प्र. 24 जनसंख्या वृद्धि के लिए उत्तरदायी घटकों को लिखिए –

उत्तर जनसंख्या वृद्धि के लिए उत्तरदायी मूलभूत घटक :–

CBEO BHINDER UDAIPUR

1. जन्म दर – जनसंख्या में प्रति हजार व्यक्तियों पर किसी देश में जन्में बच्चों की संख्या को जन्म दर कहते हैं।
2. मृत्यु दर – जनसंख्या में प्रति हजार व्यक्तियों पर किसी देश में मरने वाले लोगों की संख्या को मृत्यु दर कहते हैं।
3. प्रवास– एक स्थान से दूसरे स्थान पर जनसंख्या के स्थानान्तरण को प्रवास कहते हैं।

प्र. 25 जननांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त क्या है?

उत्तर जननांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त – इस सिद्धान्त का प्रयोग किसी भी क्षेत्र की जनसंख्या का वर्णन एवं भावी जनसंख्या के पूर्वानुमान के लिए किया जाता है। जनसंख्या परिवर्तन का यह सिद्धान्त हमें यह जानकारी देता है कि जैसे ही किसी समाज, ग्रामीण, खेतीहर अशिक्षित अवस्था से उन्नति करते हुए साक्षर, नगरीय और औद्योगिक अवस्था की ओर बढ़ता है। किसी प्रदेश की जनसंख्याउच्च जन्म दर और उच्च मृत्यु दर से परिवर्तित होने लगती है।

प्र. 27 जननांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त की अवस्थाओं को लिखिए।

उत्तर जननांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त की अवस्थाऐं :–

1. उच्च जन्म दर, उच्च मृत्यु दर
2. उच्च जन्म दर, मृत्यु दर उच्च लेकिन गिरती हुई
3. उच्च जन्म दर, मध्यम मृत्यु दर
4. मध्यम जन्म दर, निम्न मृत्यु दर
5. निम्न जन्म दर, निम्न मृत्यु दर

प्र. 28 जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले कारकों को लिखिये

**उत्तर** **जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले कारक**

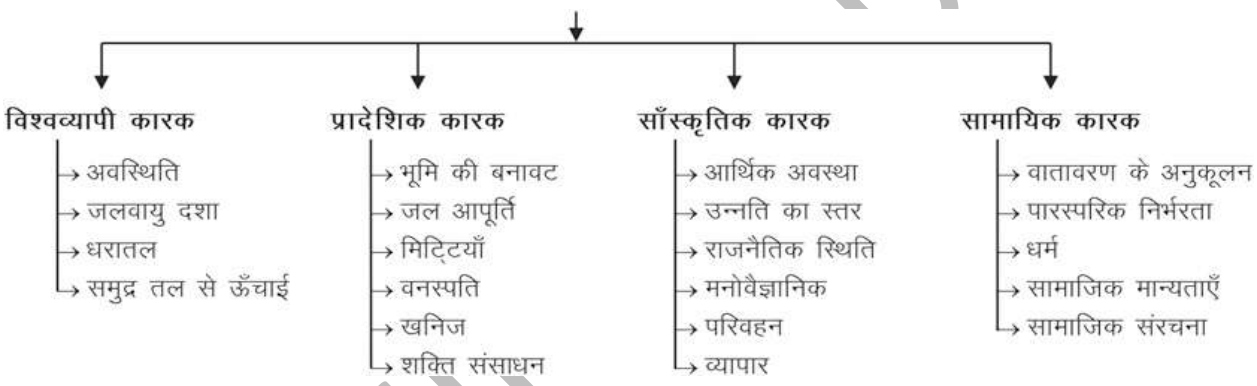


प्र. 27 जनसंख्या वृद्वि के उतरदायी कारको का वर्णन किजिये।

उत्तर जनसंख्या वृद्धि के लिए उत्तरदायी कारक निम्नलिखित है।

(1) **मृत्युदर में गिरावट** : विश्व में जनसंख्या वृद्धि का सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारण मृत्युदर पर नियन्त्रण है। विगत पचास वर्षों में वैज्ञानिक उपलब्धियों तथा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के कारण संक्रामक रोगों तथा महामारियों पर सफलतापूर्वक नियन्त्रण से मृत्युदर में भारी गिरावट आई है।

(2) **खाद्य पदार्थों की निश्चित आपूर्ति** : विश्व में खाद्यान्नों तथा अन्य खाद्य पदार्थों की निश्चित एवं नियमित आपूर्ति से जनसंख्या की वृद्धि दर प्रभावित हुई है। यांन्त्रिक एवं गहन कृषि, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, उन्नत खाद–बीज के उपयोग आदि में कृषि उत्पादन में अत्यधिक वृद्धि हुई है। अकालों की संख्या भी अत्यन्त कम हुई है।

(3) **औद्योगिक विकास** : औद्योगिक क्रान्ति के कारण खनन ऊर्जा, उत्पादन, उद्योग, परिवहन, व्यापार, तकनीक, आदि सभी क्षेत्रों का बहुमुखी विकास हुआ है, जिसमें रोजगार के माध्यम बढ़े हैं। मनुष्य के सामान्य जीवन स्तर में सुधार आया है।

(4) **वैज्ञानिक तथा प्राविधिक प्रगति** : नवीन आविष्कारों ने मानव जीवन को आरामदायक तथा सुविधाओं से परिपूर्ण बनाने से जनसंख्या में वृद्धि हुई है।

(5) **शान्ति और सुरक्षा** : शान्ति और सुरक्षा की स्थापना से विश्व में सामान्य प्रगति का विस्तार हुआ है तथा जनसंख्या में वृद्धि होती रही है।

प्र. 28 जनसंख्या घनत्व को प्रभावित करने वाले कारकों को लिखिये।

उत्तर जनसंख्या घनत्व को प्रभावित करने वाले कारक निम्न है –

CBEO BHILWARA UDAIPUR

### (अ) भौतिक कारक

(1) **स्थिति** : जनसंख्या वितरण पर विश्व के विभिन्न क्षेत्र की स्थिति का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। विश्व की अधिकाँश जनसंख्या शीतोष्ण कटिबन्धीय प्रदेशों में निवास करती है। लोग समतल मैदानों और मंद ढालों पर बसने को वरीयता देते हैं। पर्वतीय और पहाड़ी क्षेत्र परिवहन के विकास में बाधक होते हैं इसलिए प्रारम्भ से कृषि और औद्योगिक विकास के लिए अनुकूल नहीं होते हैं। अतः इन क्षेत्रों में कम जनसंख्या पायी जाती है।

(2) **जल की उपलब्धता** : लोग उन क्षेत्रों में बसना चाहते है, जहाँ जल आसानी से उपलब्ध होता है, यहीं कारण है कि विश्व की महान नदी–घाटियाँ विश्व के सबसे सघन बसे हुए क्षेत्र है।

(3) **जलवायु** : अति ऊष्ण अथवा ठण्डे मरूस्थलों की विषम जलवायु मानव बसाव के लिए असुविधाजनक होती है। अधिक वर्षा अथवा विषम जलवायु क्षेत्रों में कम जनसंख्या पाई जाती है।भूमध्य सागरीय प्रदेश सुखद जलवायु के कारण ही प्रारम्भिक काल से बसे हुए क्षेत्र हैं।

(4) **मृदाएँ** : उपजाऊ मृदाएँ कृषि तथा इससे सम्बन्धित क्रियाओं के लिए महत्वपूर्ण है। इसलिए उपजाऊ दोमट मिट्टी वाले प्रदेशों में अधिक लोग निवास करते है क्योंकि ये मृदाएँ गहन कृषि का आधार बनती है।

### (ब) आर्थिक कारक

(1) **खनिज** : खनिज निक्षेपों से युक्त क्षेत्र उद्योगों को आकृष्ट करते हैं। खनन और औद्योगिक गतिविधियाँ रोजगार उत्पन्न करती है। अतः अकुशल तथा कुशल कर्मी इन क्षेत्रों में पहुँचते हैं और जनसंख्या को सघन बना देते हैं। अफ्रिका की कटंगा, ताम्बा पेटी इसका एक अच्छा उदाहरण है।

(2) **नगरीकरण** : नगर रोजगार के बेहतर अवसर, शैक्षणिक व चिकित्सा सुविधाएँ तथा परिवहन और संचार के बेहतर साधन प्रस्तुत करते हैं। अच्छी नगरीय सुविधाएँ तथा नगरीय जीवन का आकर्षण लोगों को नगरों की ओर खींचते हैं।

(3) **औद्योगीकरण** : औद्योगीकरण, बड़ी संख्या में लोगों को आकर्षित करता है। इनमें केवल कारखानों के श्रमिक ही नहीं होते बल्कि परिवहक परिचालक, दुकानदार, बैंककर्मी, डॉक्टर, अध्यापक तथा अन्य सेवाएं उपलब्ध कराने वाले भी होते हैं। जापान का कोबे–ओसाका प्रदेश अनेक उद्योगों की उपस्थिति के कारण सघन बसा हुआ है।

(4) **सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारक** : कुछ स्थान धार्मिक अथवा सांस्कृतिक महत्व के कारण अधिक लोगों को आकर्षित करते हैं। ठीक इसी प्रकार लोग उन क्षेत्रों को छोड़कर चले जाते हैं जहाँ सामाजिक और राजनैतिक अशान्ति होती है। कई बार सरकारें लोगों को विरल जनसंख्या वाले क्षेत्र में बसने अथवा भीड़–भाड़ वाले स्थानों में चले जाने के लिए प्रोत्साहन देती है।

प्र. 29 जनसंख्या वृद्धि रोकने के लिए अपने सुझाव लिखिए।

अथवा

जनसंख्या समस्या समाधान के लिए पर अपने विचार लिखिए।

(1) भौगोलिक संसाधनों का अनुकूलतम प्रयोग करके आर्थिक उत्पादन में वृद्धि करना।
(2) औद्योगीकरण, परिवहन, संचार–साधनों, खनन– उद्योगों और निर्माण–उद्योगों की उन्नति, यंत्रीकरण, कोयला, पेट्रोल–बिजली के अधिकतम उत्पादन पर नियन्त्रण आवश्यक।
(3) शिक्षा का प्रसार और विज्ञान एवं तकनीकी प्रशिक्षण के अधिक से अधिक प्रसार से जागरूकता लाना।
(4) कृषि का नवीनीकरण
(5) सागरीय संसाधनों का उपयोग
(6) जनसंख्या का अल्प बसे क्षेत्रों में प्रवास
(7) देरी से विवाह, परिवार नियोजन और सन्तति निग्रह।

CBEO BHINDER UDAIPUR

# अध्याय–3 : विश्व जनसंख्या संघटन

## वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. निम्नलिखित में से किसने संयुक्त अरब अमीरात के लिंग अनुपात को निम्न किया है
(अ) पुरूष कार्यशील जनसंख्या का चयनीत प्रवास (ब) पुरूषों की उच्च जन्म दर
(स) स्त्रियों की निम्न जन्म दर (द) स्त्रियों का उच्च जन्म दर (अ)

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से कौनसी संख्या जनसंख्या के कार्यशील आयु वर्ग का प्रतिनिधित्व करती हैं?
(अ) 15 से 65 (ब) 15 से 66
(स) 15 से 64 (द) 15 से 59 (द)

प्रश्न 3. निम्नलिखित में से किस देश का लिंग अनुपात विश्व में सर्वाधित हैं?
(अ) जापान (ब) फ्रांस
(स) लैटविया (द) संयुक्त अरब अमीरात (स)

प्रश्न 4. किस देश का लिंग अनुपात विश्व में निम्नतम पाया जाता हैं?
(अ) अमेरिका (ब) संयुक्त अरब अमीरात
(स) रूस (द) जापान (ब)

प्रश्न 5. विश्व की जनसंख्या का औसत लिंग अनुपात प्रति 100 स्त्रियों पर पुरूषों की संख्या हैं?
(अ) 190 (ब) 98
(स) 102 (द) 80 (स)

## अतिलघुतरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1 जनसंख्या संघटन से आप क्या समझते है

उत्तर जनसंख्या की उन सभी विशषताओं से हैं जिनके द्वारा लोगों को एक–दूसरे से अलग किया जाता है जैसे आयु, लिंगानुपात, निवास–स्थान, साक्षरता, जीवन–प्रत्याशा और व्यवसाय आदि।

प्रश्न 2 व्यावसायिक संरचना क्या हैं?

उत्तर– कुल कार्यशील जनसंख्या में विभिन्न व्यवसायों में संलग्न जनसंख्या का अनुपात व्यावसायिक संरचना कहलाती हैं।

प्रश्नः 3 जनसंख्या पिरामिड का प्रयोग क्यों किया जाता हैं?

उत्तर– जनसंख्या पिरामिड का प्रयोग जनसंख्या की आयु, लिंग संरचना को दर्शाने के लिए किया जाता है।

प्रश्न 4. त्रिभुजाकार आकार का पिरामिड किस प्रकार के देशों का प्रतिरूपी हैं?

उत्तर– विस्तृत आधार वाला त्रिभुजाकार पिरामिड अल्पविकसित देशों का प्रतिरूपी हैं।

प्रश्न 5 जनसंख्या संघटन के किन्हीं दो महत्वपूर्ण सूचकों के नाम बताइ,?

उत्तर– 1. लिंग सघंटन 2. आयु संरचना

प्रश्न 6 विनिर्माण क्या हैं?

उत्तर– विनिर्माण से आशय किसी भी वस्तु के उत्पादन से है।

प्रश्न 7 कार्यशील जनसंख्या क्या होती हैं?

उत्तर– 15–59 वर्ष की आयु वर्ग के स्त्री व पुरूष कार्यशील जनसंख्या कहलाती हैं।

प्रश्न 8 साक्षरता दर से क्या अभिप्राय है?

उत्तर– साक्षरता दर कुल जनसंख्या का वह प्रतिशत है जिसमें 7 वर्ष या अधिक आयु के लोग दैनिक जीवन में पढ लिखकर एक दुसरे को समझ व समझा सकें।

प्रश्न 9 साक्षरता दर को प्रभावित करने वाले कोई चार कारण लिखिए?

उत्तर– 1. आर्थिक विकास का स्तर 2. नगरीकरण
3. जीवन स्तर

## लघुतरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1. आयु संरचना का क्या महत्व है?

उत्तर आयु संरचना विभिन्न आयु वर्गों में लोगों की संख्या को प्रदर्शित करती है। जनसंख्या संघटन का यह एक महत्वपूर्ण सूचक हैं जैसे–

(1) **0–14 आयु** – यह जनसंख्या आश्रित जनसंख्या होती है। इसमें ज्यादातर बच्चे शामिल होते हैं जिनकी वजह से आर्थिक विकास धीमा होता हैं

(2.) **15–59 आयु** – यह जनसंख्या कार्यशील जनसंख्या कहलाती हैं। किसी भी/देश की आर्थिक विकास की रीढ़ कहलाती है क्योंकि इस वर्ग में युवा लोग ज्यादा होते हैं और यही लोग संसाधनों का दोहन करते है।

(3.) **60+ आयु** – इस वर्ग में बुजुर्ग जनसंख्या होती है एवं यह आश्रित जनसंख्या होती है और सरकार का अधिक धन इनकी देख रेख पर ही खर्च होता है।

इसी प्रकार युवा जनसंख्या के उच्च अनुपात का अर्थ है कि प्रदेश में जन्म दर ऊँची व जनसंख्या युवा हैं।

CEO BHINDER UDAIPUR

प्रश्न 2. लिंगानुपात कैसे मापा जाता है?

उत्तर लिंग अनुपात की परीभाषा – किसी भी देश की जनसंख्या में स्त्रियों और पुरूषों की संख्या के बीच के अनुपात को लिंगानुपात कहा जाता हैं।

सूत्र = पुरूषों की संख्या/स्त्रियों की संख्या ×1000 यह सूत्र विदेशों में प्रयोग किया जाता है।

सूत्र = स्त्रियों की संख्या/पुरूषों की संख्या ×1000 यह सूत्र भारत में प्रयोग किया जाता हैं।

सर्वाधिक लिंग अनुपात वाला राज्य – केरल

सबसे कम लिंग अनुपात वाला राज्य – हरियाणा

प्रश्न 3. साक्षरता क्या हैं?

उत्तर किसी देश में साक्षर जनसंख्या का अनुपात उसके सामाजिक एवं आर्थिक विकास का सूचक होता हैं। साक्षरता की परिभाषा– वह व्यक्ति जो अपने रोजमर्रा के जीवन में एक साधारण और सरल वाक्य समझ, लिख और पढ़ सके, उसे हम साक्षर कहते हैं।

1. भारत में सर्वाधिक साक्षरता वाला राज्य – केरल
2. भारत में निम्नतम साक्षरता वाला राज्य – बिहार

प्रश्न 4. प्रतिकूल लिंग अनुपात तथा अनुकूल लिंग अनुपात में अन्तर स्पष्ट कीजिए?

उत्तर **(अ) प्रतिकूल लिंग अनुपात**– जिन देशों में पुरूषों की तुलना में स्त्रियों की संख्या कम होता है। वहां स्त्रियों के लिए निश्चित रूप से प्रतिकूल परिस्थितियां होती हैं।

1 स्त्री भ्रूण हत्या। 2 शिशु हत्या।
3 घरेलू हिंसा। 4 समाजिक स्तर निम्न होना।
5 स्त्री शिक्षा को महत्व न देना।

विश्व के 72 देश इस श्रेणी में आते हैं।

**(ब) अनुकूल लिंग अनुपात**– जिन देशों में पुरूषों की तुलना में स्त्रियों की संख्या अधिक होती हैं वहां स्त्रियों निश्चित रूप से अनुकूल स्थिति में हैं।

1 स्त्री शिक्षा। 2 रोजगार।
3 स्त्री–पुरूष में भेदभाव ना होना। 4 जीवन की विकास की अनुकूल दशाएं
5 सरकारी नीतियां स्त्रियों के अनुकूल होना।

विश्व के 139 देश इस श्रेणी में आते हैं

प्रश्न 5. जनसंख्या के ग्रामीण–नगरीय सांटन का वर्णन कीजिए?

उत्तर जनसंख्या के ग्रामीण और नगरीय में विभाजन निवास के आधार पर होता है। यह विभाजन आवश्यक है क्योंकि ग्रामीण और नगरीय जीवन आजीविका और सामाजिक दशाओं में एक–दूसरे से भिन्न होते हैं जैसे– आयु, लिंग, व्यवसाय एवं जनसंख्या घनत्व।

**ग्रामीण संघटन–**

1. ग्रामीण क्षेत्र वे होते हैं। जिनमें लोग प्राथमिक क्रियाओं में संलग्न होते हैं
2. ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंख्या घनत्व कम होता हैं।
3. ग्रामीण क्षेत्रों में काम–रोजगार का अभाव पाया जाता हैं।
4. ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंख्या कम पायी जाती हैं।
5. ग्रामीण क्षेत्रों में उत्प्रवास अधिक होता हैं।
6. ग्रामीण क्षेत्रों में निवास के आधार पर विभाजन होता हैं।

**नगरीय संघटन–**

1. नगरीय क्षेत्र वे होते हैं जिनमें लोग द्वितीयक तृतीयक क्रियाओं में संलग्न होते हैं।
2. नगरीय संघटन क्षेत्रों में जनसंख्या घनत्व अधिक पाया जाता हैं।
3. नगरीय संघटन में काम रोजगार शिक्षा के अवसर अधिक होते हैं।
4. नगरों में जनसंख्या अधिक पायी जाती हैं।
5. नगरीय क्षेत्रों में आप्रवास अधिक होता हैं।

प्रश्न 6. विश्व के विभिन्न भागों में आयु–लिंग में असंतुलन के उत्तरदायी कारण बतायें?

उत्तर 1 जन्मदर तथा मृत्यु दर 2 निम्न आयु वर्ग के लोगों की संख्या
3 प्रवास 4 ग्रामीण एवं नगरीय जीवन
5 लिंग भेदभाव 6 पुरूष जन्म – स्त्री जन्म से अधिक

CBEO BHINDER UDAIPUR

# अध्याय–5 : प्राथमिक व्यवसाय

प्र. 1 निम्न मे से कौनसा एक प्राथमिक व्यवसाय नही है–

(अ) आखेट (ब) भोजन संग्रह

(स) परिवहन (द) कृषि (स)

प्र. 2 एक्सिमो जनजाति द्वारा निम्न मे से कौनसा व्यवसाय किया जाता है–

(अ) आखेट (ब) खनन

(स) पशुपालन (द) कृषि (अ)

प्र. 3 स्थानांतरित कृषि को मैक्सिको में किस नाम से जाना जाता है–

(अ) मिल्पा (ब) झुमिंग

(स) लादांग (द) इनमे से काई नही (अ)

प्र. 4 अंगुर की कृषि किस कृषि की प्रमुख विशेषता है–

(अ) मिश्रित कृषि (ब) रोपण कृषि

(स) भूमध्य सागरिय कृषि (द) सामुहिक कृषि (स)

प्र. 5 निम्न मे से एकल कृषि नही है–

(अ) डेरी कृषि (ब) निर्वान कृषि

(स) रोपण कृषि (द) मिश्रित कृषि (द)

प्र. 6 किस प्रकार की कृषि मे केवल सब्जी कि खेती की जाती है–

(अ) डेरी कृषि (ब) ट्रक कृषि

(स) रोपण कृषि (द) मिश्रित कृषि (ब)

प्र. 7 निम्न मे से कौनसी फसल रोपण कृषि के अन्तर्गत आती है–

(अ) चाय (ब) कॉफी

(स) केला (द) सभी (द)

प्र. 8 विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि की मुख्य फसल क्या है–

(अ) बाजरा (ब) चावल

(स) मक्का (द) गेहूँ (द)

प्र. 9 कॉफी के बागानों को फेंजेण्डा किस देश मे कहते है–

(अ) ब्राजील (ब) कनाडा

(स) भारत (द) चीन (अ)

प्र. 10 सहकारी कृषि को सबसे अधिक सफलता किस देश मे मिली –

(अ) ब्राजील (ब) डेनर्माक

(स) स्वीडन (द) नीदरलैण्ड (ब)

प्र. 11 सामुहिक कृषि का प्रारम्भ किस देश से हुआ–

(अ) ब्राजील (ब) डेनर्माक

(स) स्वीडन (द) सोवियत संघ (द)

प्र. 12 किस व्यवसाय मे मनुष्य प्रकृति प्रदत वस्तुओं का सीधा प्रयोग कर अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करता है?

उत्तर प्राथमिक व्यवसाय में।

प्र. 13 आर्थिक क्रियाएं किसे कहते है ?

उत्तर मानव के वो क्रिया कलाप जिनसे आय प्राप्त होती है आर्थिक क्रिया कहलाती हैं ।

प्र. 14 आदिम कालीन मानव अपने जीवन निर्वाह के लिए किस पर निर्भर था ?

उत्तर आखेट व भोजन संग्रह

प्र.15 सामूहिक कृषि को सोवियत संघ में किस नाम से जाना जाता है

उत्तर सामूहिक कृषि को सोवियत संघ में **कोलखहोज** नाम से जाना जाता है

प्र. 16 चलवासी पशुचारण से आप क्या समझत`है ?

उत्तर पशुओं के लिए पानी व चारागाह की उपलब्धता के आधार पर एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानान्तरित होते रह कर पशुपालन करना चलवासी पशुचारण कहलाता है।

प्र. 17 ऋतुप्रवास किसे कहते हैं?

उत्तर नये चारागाहों की खोज में पशुचारक समतल भागों एंव पर्वतीय क्षेत्रों में लम्बी दुरिया तय करते हुए गर्मियों में मैदानी भागो ंसे पर्वतीय चारागाहों की और एवं शीत ऋतु मे पर्वतीय भागों से मैदानी भागो ंकी और प्रवास करते हैं। इसे ही ऋतुप्रवास कहते है।

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र. 18 प्राथमिक व्यवसाय किसे कहते हैं? उदाहरण दो।

उत्तर जिन व्यवसायो मे मनुष्य प्रकृति प्रदत संसाधनो भूमि, जल, वनस्पति एवं खनिज प्रदार्थो आदि का सीधा उपयोग करके अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करता है, उन्हें प्राथमिक व्यवसाय कहतें है।

उदाहरण– 1 आखेट या शिकार 2 भोजन व वनोत्पाद एकत्रिकरण 3 लकडी काटना
4 मछली पकडना 5 पशुपालन 6 कृषि 7 खनन आदि

प्र.19 वर्तमान मे किन क्षेत्रों में आखेट का उद्यम किया जाता है?

उत्तर (1) कनाड़ा के ट्रूण्ड़ा और टैगा प्रदेशों में एस्किमो जनजाति।
(2) उत्तरी साईबेरिया में सेमोयेड़, तुंग, याकुत, माइत, चकची आदि।
(3) कालाहारी मरूस्थल में बुशमैन जनजाति।
(4) कांगो बेसिन में पिग्मी जनजाति।
(अ) मलाया में सेमाँग व सकाई जनजाति

प्र. 20 पशुचारण व्यवसाय मुख्यतः किन क्षेत्रों में किया जाता है?

उत्तर पशुचारण व्यवसाय मुख्यतः उन क्षेत्रों में किया जाता है, जहां जलवायु उष्ण व शुष्क अथवा शीतोष्ण व शुष्क होती है।

प्र. 21 पशुचारण के मुख्य क्षेत्र कौन–कौन से है?

उत्तर (1) उष्णकटिबन्धीय घास के मैदान – $5^0$ से $30^0$ अक्षांशों के बीच फैले है।
(2) शीतोष्ण कटिबन्धीय घास के मैदान – $30^0$ से $45^0$ अक्षांशों के मध्य।
(3) मरूस्थलीय क्षेत्र – थार मरूस्थल, कालाहारी, अरब मरूस्थल।
(4) पर्वतीय क्षेत्र – विश्व के सभी पर्वतीय क्षेत्र।

प्र. 22 सुमेलित कीजिए –

| | |
|---|---|
| (1) ब्राजील | डाउन्स |
| (2) दक्षिण अफ्रिका | स्टेपीज |
| (3) सूडान | पार्कलैण्ड |
| (4) रूस | सवाना |
| (5) स.रा.अमेरिका | कम्पाज |
| (6) आस्ट्रेलिया | पम्पाज |

उत्तर (1) कम्पाज (2) पार्कलैण्ड (3) सवाना (4) स्टेपीज (5) पम्पाज (6) डाउन्स।

प्र. 23 **लाल कॉलर** श्रमिक कौन से होते हैं।

उत्तर प्राथमिक कार्यकलाप करने वाले लोग उनका कार्य क्षेत्र घर से बाहर होने के कारण लाल कॉलर श्रमिक कहलाते हैं।

प्र. 24 आखेट कौनसी जलवायु प्रदेश के निवासी करते है?

उत्तर आखेट अति शीत एवम् अति गर्म कठोर जलवायु प्रदेश के निवासी करते है।

प्र. 25 कृषि मुख्यतः कितने प्रकार की जाती है?

उत्तर (1) स्थानान्तरित कृषि (2) आदिम स्थायी कृषि (3) जीवन–निर्वाहन कृषि
(4) विस्तृत वाणिज्यिक अनाज कृषि (5) बागाती कृषि (6) मिश्रित कृषि
(7) दुग्ध कृषि (8) ट्रक कृषि (9) फलोद्यान कृषि।

प्र. 26 स्थानान्तरित कृषि किसे कहते है?

उत्तर स्थानान्तरित कृषि में आदिम जनजाति द्वारा वनों को जला कर भूमि को साफ कर उस पर कृषि की जाती है।

प्र. 27 जीवन निर्वाहन कृषि किसे कहते है?

उत्तर भोजन की आवश्यकताओं के साथ–साथ अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाली कृषि को जीवन निर्वाहन कृषि कहते है।

प्र. 28 जीवन निर्वाहन कृषि के प्रकार?

उत्तर (1) चावल प्रधान निर्वाहन कृषि। (2) चावल रहित गहन निर्वाहन कृषि।

प्र. 29 बागाती कृषि की विशेषताएं लिखिए।

उत्तर (1) इमसे भारी पूंजी निवेश, उच्च प्रबंध, तकनीकी आधार एवं वैज्ञानिक विधियों का प्रयोग किया जाता है। (2) यह एक फसली नक कृषि है।

प्र. 30 ट्रक कृषि किसे कहते है?

उत्तर बाजार से कृषि क्षेत्र की दूरी इस बात पर निर्भर करती है कि ट्रक द्वारा रात भर चलने में कितनी दूरी तय होती है। इसलिए इस कृषि का नाम ट्रक कृषि रखा गया है।

प्र. 31 खनन का क्या अर्थ है?

उत्तर खनिजों को भूगर्भ से खोद कर बाहर निकालना खनन कहलाता है।

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र. 32 खनन कार्य को प्रभावित करने वाले कारक लिखिये।

उत्तर **भौतिक कारक** – जिनमें खनिज निक्षेपों के आकार, श्रेणी एवं उपस्थिति की अवस्था को सम्मिलित करते है। **आर्थिक कारक** – जिनमें खनिज की माँग, विद्यमान तकनीकी ज्ञान एवं उसका उपयोग, अवसंरचना के विकास के लिए उपलब्ध पूँजी एवं यातायात व श्रम पर होने वाला व्यय आता हैं।

प्र. 33 खनन कितने प्रकार का होता है?

उत्तर 1 धरातलीय

2 भूमिगत खनन अथवा कुपकी खनन

प्र. 34 बागाती कृषि की विशेषताएं लिखिए।

उत्तर इस प्रकार की वाणिज्य ककृषि का विकास उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में उपनिवेशकाल में यूरोपीय लोगों के द्वारा किया गया था। इनका मुख्य उद्देश्य यूरोपीय देशों को वे जरूरी उपजें उपलब्ध कराना था जो उष्ण कटिबंधीय जलवायु मे ंही पैदा हो सकती है। इसकी विशेषताएं निम्न है–

(1) इसमें भारी पूँजी निवेश, उच्च प्रबंध एवं तकनीकी आधार एवं वैज्ञानिक विधियों का प्रयोग किया जाता है।

(2) इसमे बहुत बड़ी संख्या में श्रमिकों की आवश्यकता होती है।

(3) यह एक फसली कृषि है।

(4) इनसे उद्योगों को कच्चा माल मिलता है।

(अ) इलायची, कालीमिर्च, गन्ना, रबर, चाय, कहवा, नारियल, केला प्रमुख बागाती फसलें है।

प्र. 35 जीवन निर्वाह कृषि क्या है, वर्णन कीजिए।

उत्तर यद्यपि कृषि की शुरूआत जीवन यापन के रूप में हुई थी। लेकिन यह कृषक के लिए रोजगार का प्रमुख साधन बन गई। उसकी भोजन की आवश्यकताओं के साथ–साथ अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति करने लगी, तो कृषि का यह प्रकार जीवन–निर्वाहन कृषि कहलाने लगा। विगत 100 वर्षो ंमे ंइस प्रकार की कृषि का तेजी से विस्तार हुआ। इस प्रकार की कृषि की मुख्य विशेषताएँ है

(1) यह कृषि का स्थायी रूप है तथा अनुकूल प्राकृतिक दशाओं वाले क्षेत्रों में की जाती है।

(2) कृषि भूमि पर जनसंख्या के दबाव के कारण भूमि का गहनतम उपयोग होता है।

(3) कृषि की गहनता इतनी है कि वर्ष में दो या तीन फसलें ली जाती है।

(4) भू–जोत छोटे आकार के व छितरे हुए होते हैं।

(5) मानवीय श्रम के भरपूर उपयोग के साथ–साथ कृषि यंत्रों का प्रयोग भी किया जाता है।

(6) उन्नत बीजों, रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशक दवाओं के प्रयोग द्वारा उत्पादकता बढा जाता है।

प्र.36 वणिज्य पशुचारण की विशेषताए बताइये?

उत्तर इसकी विशेषताएँ निम्नलिखित हैं –

(1) यह अधिक व्यवस्थित तथा पूँजी प्रधान व्यवसाय है।

(2) पशुओं के लिए बड़े–बड़े फार्म बनाये जाते हैं, जिन्हें **एरेंच**' कहतें हैं।

(3) पशु उत्पादों को वैज्ञानिक ढंग से संशोधित एवं डिब्बा बन्द कर विश्व बाजार में निर्यात कर दिया जाता है।

(4) इन उत्पादों को सड़ने से बचाने के लिए रेफ्रिजरेटर का प्रयोग किया जाता है।

(5) इसमें मुख्य ध्यान पशुओं के प्रजनन, जननिक सुधार, बीमारियों पर नियंत्रण व उनके स्वास्थ्य पर रहता है।

(6) व्यापारिक पशुपालन मुख्यतः शीतोष्ण घास के मैदानों में किया जाता है।

प्र. 37 स्थानान्तरित कृषि की विशेषताएं लिखिएं?

उत्तर स्थानान्तरित कृषि की विशेषताएँ हैं –

(1) इसमें बोयें गये खेतों का आकार बहुत ही छोटा होता है।

(2) कृषि पुराने औजारों जैसे लकड़ी, कुदाली, फावड़े आदि से की जाती है।

(3) दो–तीन वर्षों में भूमि में उर्वरता समाप्त होने पर अन्यत्र नये सिरे से खेत तैयार कर खेती की जाती है।

(4) इस प्रकार की कृषि को भारत के पूर्वी राज्यों में झूमिंग, मध्य अमेरिका एवं मैक्सिको में मिल्पा, मलेशिया व इण्डोनेशिया में लदांग तथा वियतनाम में 'रे' कहा जाता है।

(5) यह कृषि अमेजन नदी बेसिन, काँगो बेसिन, व पूर्वी द्वीप समूह में की भी जाती है।

(6) वर्तमान में इसमें धान, स्थानीय मोटे अनाज मक्का, ज्वार, बाजरा, दालें, तिलहन आदि फसलें पैदा की जाती है।

प्र. 38 सहकारी कृषि किसे कहते है?

उत्तर जब कृषकों का एक समूह अपनी कृषि से अधिक लाभ कमाने के लिए स्वेच्छा से एक सहकारी संस्था बनाकर कृषि कार्य संपन्न करे उसे सहकारी कृषि कहते हैं। इसमें व्यक्तिगत फार्म अक्षुण्ण रहते हुए सहकारी

CBEO BHINDER UDAIPUR

रूप में कृषि की जाती है। सहकारी संस्था कृषकों को सभी रूप में सहायता करती है। यह सहायता कृषि कार्य में आने वाली सभी चीजों की खरीद करने, कृषि उत्पाद को उचित मूल्य पर बेचने एवं सस्ती दरों पर प्रसंस्वृफत साधनों को जुटाने के लिए होती है

प्र. 39 भूमध्यसागरिय कृषि की विशेषताएँ बताते हुए इसके क्षेत्रों को बताइये –

उत्तर भूमध्यसागरीय कृषि अति विशिष्ट प्रकार की कृषि है। इसका विस्तार भूमध्यसागर के समीपवर्ती क्षेत्र जो दक्षिणी यूरोप से उत्तर अफ्रीका में ट्यूनीशिया से एटलांटिक तट तक फैला है दक्षिणी कैलीफोर्निया, मध्यवर्ती चिली, दक्षिणी अफ्रीका का दक्षिणी पश्चिमी भाग एवं आस्ट्रेलिया के दक्षिण व दक्षिण पश्चिम भाग में है। खट्टे फलों की आपूर्ति करने में यह क्षेत्र महत्त्वपूर्ण है। अंगूर की कृषि भूमध्यसागरीय क्षेत्रों की विशेषता है। इस क्षेत्र के कई देशों में अच्छे किस्म के अंगूरों से उच्च गुणवत्ता वाली मदिरा का उत्पादन किया जाता है। निम्न श्रेणी के अंगूरों को सुखाकर मुनक्का एवं किशमिश बनाई जाती है। अंजीर एवं जैतून भी यहाँ उत्पन्न होता है। शीत ऋतु में जब यूरोप एवं संयुक्त राज्य अमेरिका में फलों एवं सब्जियों की माँग होती है तब इसी क्षेत्र से पूर्ति की जाती है।

प्र. 40 मित्रित कृषि की विशेषताएँ बताइये ?

उत्तर मित्रित कृषि की विशेषताएँ निम्नलिखित है–

(1) फसल उत्पादन एवं पशुपालन दोनों को इसमें समान महत्त्व दिया जाता है।
(2) इस कृषि में खेतों का आकार मध्यम होता है।
(3) गेहूँ, जो, राई, जई, मक्का, सोयाबीन एवं चारे की फसल आदि प्रमुख बोई जाने वाली फसलें हैं।
(4) फसलों के साथ पशुओं जैसे – भेड़–बकरी, सुअर, मवेशी, मुर्गी आदि को पाला जाता है।
(5) शस्यावर्त्तन एवं अंतः फसली कृषि मृदा की उर्वरता को बनाये रखती है।
(6) इस प्रकार की कृषि में भारी पूंजी निवेश होता है।
(7) कुशल व योग्य कृषक इस प्रकार की खेती को करते हैं।
(8) यह कृषि महानगरों के समीप की जाती है।
(9) उत्तम कृषि विधियाँ, उत्तम परिवहन व विश्वसनीय वर्षा से इस कृषि को बड़ी सहायता मिलती है।

प्र. 41 चलवासी पशुचारण व व्यापारिक पशुचारण में अंतर लिखिये।

उत्तर

| | **चलवासी पशुचारण** | **व्यापारिक पशुचारण** |
|---|---|---|
| 1. | ये चारे व पानी की खोज में एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमते है। | इस प्रकार का पशुपालन एक निश्चित स्थान पर बाडों में किया जाता है। |
| 2. | पशु प्राकृतिक रूप से पाले जाते है और उनकी विशेष देखभाल नहीं जाती है। | पशुओं को वैज्ञानिक रीति से पाला जाता और उनकी विशेष देखभाल की जाती है। |
| 3. | चलवासी पशुपालन जीवन निर्वाहकी एक आर्थिक क्रिया ही है। | यह व्यापार पर आधारित आर्थिक क्रिया है। |
| 4. | यह पुरानी दुनिया तक सीमित है। | यह मुख्यतः नई दुनिया के देशों में प्रचलित है। |

CBEO BHINDER UDAIPUR

# पाठ–6 : द्वितीयक क्रियाएँ

**वस्तुनिष्ठ प्रश्न**

प्र.1 विनिर्माण निम्न में से किससे संबंधित है ?
(अ) प्राथमिक क्रियाओं से (ब) द्वितीयक क्रियाओं से
(स) तृतीयक क्रियाओं से (द) पंचम क्रियाओं (ब)

प्र. 2 "**जंग का कटोरा**" नाम से कौनसा क्षैत्र प्रसिद्ध है ?
(अ) रूहर (ब) महान झील
(स) पिट्सबर्ग (द) बेल्जियम (स)

प्र. 3 यंत्रीकरण से तात्पर्य है ———— प्रयोग करना।
(अ) श्रमिकों का (ब) मशीनों का
(स) केवल कम्प्यूटर का (द) इसमें से कोई नहीं (ब)

प्र. 4 निम्नलिखित में से कौनसा कारक उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करता है ?
(अ) कच्चा माल (ब) बाजार तक अभिगम्यता
(स) श्रम आपूर्ति (द) उपरोक्त सभी (द)

प्र. 5 निम्नलिखित में से कौनसी निर्माण की सबसे छोटी इकाई है ?
(अ) लघु उद्योग (ब) बड़े पैमाने के उद्योग
(स) कुटीर उद्योग (द) स्वछन्द उद्योग (स)

प्र. 6 रूहर कोयला क्षेत्र निम्न में से किससे संबंधित है ?
(अ) भारत (ब) रूस
(स) कनाड़ा (द) जर्मनी (द)

प्र. 1 कौनसा व्यवसाय द्वितीयक श्रेणी में आता है –
(अ) कृषि (ब) विनिर्माण उद्योग
(स) व्यापार (द) परिवहन (ब)

प्र. 2 विश्व का सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक देश है –
(अ) भारत (ब) संयुक्त राज्य अमेरिका
(स) जर्मनी (द) चीन (द)

प्र. 3 रूस का प्रमुख लौह इस्पात क्षेत्र है?
(अ) कोवे–ओसावा (ब) यूराल
(स) होनेत्सक (द) ग्लासगो (ब)

प्र. 4 विनिर्माण उद्योग की स्थापना और विकास के अनुकूल कारक है–
(अ) भौगोलिक कारक (ब) आर्थिक कारक
(स) तकनीकी कारक (द) उपर्युक्त सभी (द)

प्र. 5 विनिर्माण उघोग द्वारा जिस प्रकार की वस्तुओं का उत्पादन होता है,वह है –
(अ) उपभोक्ता एवं उत्पादक वस्तुएं (ब) केवल उपभोक्ता वस्तुएं
(स) केवल उत्वादक वस्तुएं (द) उपर्युक्त में से कोई नही (अ)

प्र. 6 उद्योगों को आकार के आधार पर जिन वर्गो में बॉटा गया है, वह है –
(अ) पॉच (ब) चार (स) दो (द) तीन (द)

प्र. 7 औद्योगिक क्रान्ति के द्वारा जिस स्तर के अद्योगों का सूत्रपात हुआ, वह है –
(अ) कुटीर उद्योग (ब) लघु उद्योग
(स) वृहत् उद्योग (द) कृषि आधारित उद्योग (स)

प्र. 8 उद्योगों के स्थानीयकरण का कारक है –
(अ) कुशल श्रमिक (ब) कच्चा माल
(स) पूंजी (द) उपर्युक्त सभी (द)

प्र. 9 निम्न में बडे पैमाने का उद्योग है –
(अ) मिट्टी के बर्तन बनाना (ब) कागज का सामान बनाना
(स) सीमेन्ट (द) पत्तल बनाना (स)

प्र. 10 अधात्विक खनिज का उपयोग किया जाता है –
(अ) सीमेन्ट उद्याोग में (ब) लौह इस्पात उद्योग में
(स) एल्यूमिनियम उद्योग में (द) ताँबा उद्योग में (अ)

प्र. 11 निम्न में से कौनसा कृषि आधारित उद्योग नही है –
(अ) सूती वस्त उद्योग (ब) रबर उद्योग
(स) सीमेन्ट उद्योग (द) वनस्पति तेल उद्योग (स)

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र. 12 निम्न में से कौनसा शक्ति का साधन नही है –

(अ) कोयला (ब) पेट्रोलियम

(स) जल विघुत (द) तॉबा (द)

प्र. 13 भारत का लौह इस्पात केन्द्र नही है–

(अ) जमशेदपुर (ब) दुर्गापुर

(स) राऊरकेला (द) पिट्सबर्ग (द)

प्र. 14 वनोत्पाद आधारित उद्योग है –

(अ) चमडा उद्योग (ब) चीनी उद्योग

(स) कागज अद्योग (द) एल्यूमिनियम उद्योग (स)

प्र. 15 निम्न में से कौनसा चीन का प्रमुख लौह इस्पात उत्पादन क्षेत्र है –

(अ) मंचूरिया (ब) नागासाकी–यवाता

(स) पिट्सबर्ग–यंगस्टन (द) यूराल क्षेत्र (अ)

**अति लघुत्तरात्मक प्रश्न**

प्र. 1 स्वछन्द उ़द्योग से क्या तात्पर्य है?

उत्तर ये वे उद्योग हैं जो किसी कच्चे माल पर निर्भर नहीं होते हैं। ये उद्योग व्यापक विविधता वाले स्थानों में मिलते हैं।

प्र. 2 कुटीर उद्योग के अन्तर्गत किन्हीं दो कार्यों के नाम लिखिए?

उत्तर दैनिक उपयोग में आने वाले पदार्थ
जैसे– अचार, पापड़, नमकीन आदि।

प्र. 3 किस उद्योग को आधारभूत उ़द्योग की संज्ञा दी जाती है और क्यों?

उत्तर लौह इस्पात उद्योग को क्योंकि यह अन्य उद्योगों में आने वाली मशीनों तथा औजारों के निर्माण के लिए भी कच्चा माल प्रदान करता है।

प्र. 4 परम्परागत रूप से बड़े इस्पात उद्योग के लिए कच्चे माल के रूप में किन खनिजों की आवश्यकता होती है?

उत्तर लौह अयस्क, कोयला, मैंगनीज, चूना पत्थर।

प्र. 5 हाथीदांत उद्योग किस प्रकार के उद्योग का एक उदाहरण है?

उत्तर पशु आधारित उद्योग।

प्र. 6 कौनसी अर्थव्यवस्था में उत्पादन का स्वामित्व व्यक्तिगत होता है?

उत्तर पूंजीवाद अर्थव्यवस्था।

प्र. 7 द्वितीयक क्रियाकलाप किसे कहते हैं?

उत्तर जब प्राथमिक उत्पादों का प्रसंस्करण करके नई, उपयोगी और मूल्यवान वस्तुओं की रचना की जाती है तो इन्हें द्वितीयक क्रियाकलाप कहते हैं।

प्र. 8 बड़े पैमाने के उद्योग की कोई दो विशेषताएं बताइए।

उत्तर 1. उत्पादन ऊर्जा चालित बड़ी–बड़ी मशीनों से होता हें
2. एक ही इकाई में बहुत बड़ी संख्या में श्रमिक कार्य करते हैं।

प्र. 9 विश्व में द्वितीयक क्रियाओं का क्या महत्व है?

उत्तर द्वितीयक क्रियाओं से प्राकृतिक संसाधनों का मूल्य बढ़ जाता है। वे अधिक मूल्यवान हो जाते हैं।

प्र. 10 धातु उद्योग से क्या तात्पर्य है?

उत्तर जिन उद्योगों में विभिन्न प्रकार की धातुओं को कच्चे माल के रूप में प्रयोग किया जाता है, धातु उद्योग कहलाते हैं।
ये दो प्रकार के हाते हैं– लोह धातु व अलौह धातु उद्योग।

प्र. 11 रसायन आधारित उद्योग के उदाहरण बताइए?

उत्तर पेट्रो रसायन उद्योग, प्लास्टिक, कृत्रिम रेशा उद्योग, नमक गंधक एवं पोटाश उद्योग आदि।

प्र. 12 उत्पादक वस्तुओं से क्या आशय है?

उत्तर जिन वस्तुओं का उपयोग दूसरी वस्तुओं के उत्पादन में किया जाता है। उन्हे उत्पादक वस्तुएँ कहते है।

प्र. 13 उपभोक्ता वस्तुओं से क्या आशय है।

उत्तर मनुष्य जिन औधोगिक उत्पादों का सीधा उपयोग अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये करता है, उन्हे उपभोक्ता वस्तुएँ कहते है।

प्र. 14 विश्व प्रमुख व आधारभूत उधोग कौनसा है

उत्तर लौह इसपात उधोग विश्व का प्रमुख व आधारभूत उधोग है।

प्र. 15 पशु आधारित उधोग किसे कहते है

उत्तर पशुओं से प्राप्त कच्चे माल पर आधारित उधोग पशु आधारित उधोग कहलाते है जैसे–चमड़ा उधोग, ऊनी वस्त्र उधोग,डेयरी उधोग आदि।

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र. 16 विश्व के अधिकांश औधोगिक प्रदेश कोयला क्षेत्रो के निकट अवस्थित क्यों है?

उत्तर कोयला शक्ति का प्रमुख संस्थान है अतः कोयला की अबाध व सस्ती आपूर्ति हेतू विश्व के अधिकांश औधोगिक प्रदेश कोयला क्षेत्र के निकट अवस्थित है।

प्र. 17 लौह इस्पात निर्माण की विधियों के नाम बताइयें।

उत्तर लौह इस्पात की निर्माण विधियां तीन है–

1. बेसीमर विधि 2. उन्मुक्त विधि 3. विधुत विधि भट्टी

प्र. 18 भारत के प्रमुख लौह इस्पात केन्द्र कोनसे कोयला क्षेत्र के समीप अवस्थित है?

उत्तर भारत के प्रमुख लौह इस्पात केन्द्र दामोदर घारी में झरिया व रानीगंज कोयला क्षेत्र के समीप अवस्थित है।

**लघुत्तरात्मक प्रश्न**

प्र. 1 छोटे पैमाने के उद्योगों की तीन विशेषताओं बताइये।

उत्तर 1. इनमें कुटीर उद्योग से भिन्न निर्माण स्थल घर से बाहर होता हें
2. इसमें स्थानीय कच्चे माल का उपयोग होता हें
3. रोजगार के अवसर अधिक प्राप्त होते हैं।

प्र. 2 उत्पाद आधारित उद्योग किसे कहते हैं? उदाहरण सहित स्पष्ट करें?

उत्तर कुछ उद्योगों के उत्पाद अन्य उद्योगों के लिए कच्चे माल के रूप में प्रयुक्त होते हैं जैसे– रोटी (ब्रेड) एवं बिस्कुट, चाय, साबुन, कागज उद्योग आदि। लकड़ी की लुगदी बनाने का उद्योग कागज उद्योग के लिए कच्चा माल प्रदान करता है।

प्र. 3 स्वामित्व के आधार पर उद्योगों को वर्गीकृत कीजिए।

उत्तर स्वामित्व के आधार पर उद्योगों को तीन भागों में वर्गीकृत किया जाता है–

1. सार्वजनिक क्षेत्र – वे उद्योग जो सरकार के अधीन हो।
2. निजी क्षेत्र – वे उद्योग जिनका स्वामित्व व्यक्तिगत निवेशकों के पास होता है।
3. संयुक्त क्षेत्र – वे उद्योग जिनको निजी व सरकारी क्षेत्र मिलकर चलाते हैं।

प्र. 4 विश्व के कुछ क्षेत्रों में प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता के बावजूद औद्योगिक विकास नहीं हुआ है? कारण बताइए।

उत्तर विश्व के कुछ क्षेत्र जैसे अफ्रीका में प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता है परन्तु औद्योगिक प्रगति आशा के अनुरूप नहीं हो पायी है। इसका कारण इन क्षेत्रों में आधारभूत अवसंरचनाओं में कमी, राजनैतिक अस्थिरता, आवश्यक तकनीक का अभाव एवं आर्थिक कमजोरी हैं।

प्र. 5 परम्परागत रूप से चल आ रहे बड़े पैमाने वाले औद्योगिक प्रदेशों की किन्हीं तीन विशेषताओं को लिखिए।

उत्तर 1. औद्योगिक इकाई के आसपास का वातावरण आकर्षक नहीं होता है।
2. स्वच्छता एवं सफाई की विशेष व्यवस्था नहीं की जाती।
3. प्रदूषण की समस्या बनी रहती है।

प्र. 6 निम्नलिखित उद्योगों एवं उनके वर्गीकरण का मिलान कीजिए–

| **उद्योग** | **वर्गीकरण** |
|---|---|
| **1.** माचिस | अ. रसायन उद्योग |
| **2.** शक्कर | ब. पशु आधारित |
| **3.** सीमेन्ट | स. खनिज आधारित |
| **4.** प्लास्टिक | द. कृषि आधारित |
| **5.** उनी वस्त्र | य. वन उद्योग |

**उ. 1–य, 2–द, 3–स, 4–अ, 5–ब**

प्र. 7 कुटीर एवं लधु उधोगो में अन्तर कीजिए अथवा कुटीर उधोगो की तुलना लधु उधोगो से कीजिए।

| | कुटीर उधोग | लधु उधोग |
|---|---|---|
| 1. | कुटीर उद्योगों में एक दस्तकार अपने परिवार के सहयोग से अपनी दक्षता के आधार पर घर में ही वस्तुओं का निर्माण करता हे। | लधु उद्योगों में एक दस्तकार छोटी छोटी मशीनों की सहायता से उत्पादन करता हे। |
| 2 | ये उद्योग स्थानीय मांग को पूरा करते हे। | इस उद्योग में निर्मित उत्पादन बाजार में व्यापारियों के द्वारा बेचे जाते है<br>इन उधोगो में बाहर से कच्चा माल मंगवाकर बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जाता हे। |

CBEO BHINDER UDAIPUR

| | | |
|---|---|---|
| 3 | इन उद्योगों में स्थानीय कच्चे माल का प्रयोग करके छोटे स्तर पर उत्पादन किया जाता है। ग्रामीण क्षेत्र में रस्सी बनाना सूत का तना चटाई बनाना आदि कुटीर उधोग है। | विकासशील देशों में खिलौने व बर्तन बनाना चमडे का समाना बनाना आदि लधु उघोग है। |

प्र. 8 द्वितीयक व्यवसायों को निर्धारित करने वाले कारकों के नाम बताइये।

उत्तर –द्वितीयक व्यवसायों को निर्धारित करने में प्राकृतिक संसाधनों तथा सांस्कृतिक संसाधनो दोनो का प्रभाव होता है इनको निर्धारित करने वाले प्रमुख कारण है–

1. कच्चा माल
2. शक्ति के संसाधन
3. परिवहन व संचार की सुविधाएं
4. पूंजी
5. बाजार
6. सरकारी नीतियां
7. श्रम तथा प्रौधोगिकीय नवाचार।

प्र. 9 द्वितीयक व्यवसायों से संसाधनों की मूल्य वृद्धि किस प्रकार होती है।? स्पष्ट करें।

उत्तर द्वितीयक व्यवसायों के अन्तर्गत प्रकृति द्वारा प्रदान किए गए संसाधनों का प्रत्यक्षःउपयोग नही करके दनको उपयोग करने के योग्य बनाया जाता है। इस इस प्रकार के कार्य से उन्हे मूल्य में वृद्धिहो जाती है, जैसे–लोहा गला कर इस्पात या अन्य मशीनरी सामग्री का निर्माण कपास और ऊन से कपड़े का निर्माण लकड़ी द्वारा फर्निचर कागज बनाना आदि।

प्र. 10 द्वितीयक व्यवसाय क्या है।? इसके कोई दो उदाहरण बताइये।

उत्तर उन सभी क्रियाओं को द्वितीयक व्यवसाय कहते है जिनके अन्तर्गत प्राकृतिक संसाधनों को परिष्कृत करना,उनका रूप बदलना तथा जीवन यापन के लिए अधिक उपयोगी बनाने सम्बन्धी क्रियाएं सम्पन्न होती है द्वितीयक व्यवसाय के दो उदाहरण

1. प्रसंस्करण उधोग 2. विनिर्माण उधोग।

प्र. 11 द्वितीयक व्यवसायो को कितने सूहो में बाटा जा सकता है। नाम लिचिाए।

उत्तर द्वितीयक व्यवसायों को दस समूहो में बाँटा जा सकता है।

1. इंजिनियरिंग उधोग
2. निर्माण उधोग
3. इलेक्ट्रिक उधोग
4. रासायनिक उधाोग
5. शक्ति उधोग
6. वस्त उधोग
7. भोजन व पेय पदार्थ उधोग
8. धातुकर्म उधोग
9. प्लास्टिक उधोग
10. परिवहन व संचार उधोग

CBEO BHINDER UDAIPUR

# अध्याय 7 : तृतीयक ओर चतुर्थ क्रियाकलाप

प्र 1 तृतीयक क्रियाकलाप सम्बधित है –
(अ) सेवा सेक्टर (ब) कृषि से
(स) निर्माण से (द) उपर्युक्त सभी से ( अ )

प्र 2 आर्थिक विकास की आरम्भिक अवस्थाओं में लोगों का एक बड़ा अनुपात काम करता था–
(अ) प्राथमिक सेक्टर में (ब) द्वितीयक सेक्टर में
(स) तृतीयक सेक्टर में (द) चतुर्थक सेक्टर मे ( अ )

प्र 3 निम्नलिखित में से कौन तृतीयक क्रियाकलाप से सम्बंधित नहीं है –
(अ) अध्यापक (ब) वकील
(स) डॉक्टर (द) परामर्शदाता ( द )

प्र 4 चतुर्थक क्रियाकलाप है –
(अ) सूचना का संग्रहण (ब) उत्पादन और प्रकीर्णन
(स) अनुसंधान एवं विकास (द) उपर्युक्त सभी ( द )

प्र 5 निम्नलिखित में से कौन बाह्य स्त्रोतन से सम्बंधित उदाहरण है –
(अ) ई. लर्निंग (ब) बौध्दिक सम्पदा
(स) बैकिंग (द) उपर्युक्त सभी ( द )

प्र 6 निम्नलिखित से कौनसा सेक्टर दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई व कोलकाता में सर्वाधिक रोजगार प्रदान करता है –
(अ) प्राथमिक (ब) द्वितीयक
(स) पर्यटन (द) सेवा ( द )

प्र 7 **"स्वर्ण कॉलर"** कहे जाने वाले क्रियाकलाप कौनसे है –

उत्तर पंचम क्रियाकलाप

प्र 8 वह व्यापारिक क्रियाकलाप जो उपभोक्ताओं को वस्तओं के प्रत्यक्ष विक्रय से सम्बंधित होते है क्या कहलाते है ?

उत्तर फुटकर व्यापार

प्र 9 विश्व में चिकित्सा पर्यटन के क्षेत्र में तेजी से उभरते हुए दशों के नाम लिखिए?

उत्तर भारत, थाईलैण्ड, सिंगापुर, मलेशिया ।

प्र 10 व्यापारिक केन्द्र किसे कहा जाता है ?

उत्तर वे कस्बे और नगर जहाँ व्यापार होता है, व्यापारिक केन्द्र कहलाते है ।

प्र 11 तृतीयक क्रियाकलापों के उदाहरण दीजिए ?

उत्तर 1 व्यापार 2 परिवहन
3 संचार 4 सेवाएँ

प्र 12 तृतीयक क्रियाकलाप के दो प्रमुख तत्व बताइये?

उत्तर 1 उत्पादन 2 विनिमय

प्र 13 व्यापारिक केन्द्रों के प्रकार बताइये?

उत्तर 1 ग्रामीण विपणन केन्द्र
2 नगरीय विपणन केन्द्र

प्र 14 समकाल रेखाओं से क्या आशय है?

उत्तर मानचित्र पर समान समय में पहुचने वाले स्थानों को मिलाने वाली रेखाओं को समकाल रेखाएँ कहते हैं ।

प्र 15 परिवहन में नोड का क्या अर्थ है ?

उत्तर दो अथवा दो से अधिक मार्गो का संधि स्थल, एक उद्‌गम बिन्दु, एक गन्तव्य बिन्दु अथवा मार्ग के सहारे कोई बड़ा कस्बा नोड कहलाता है ।

प्र 16 प्रत्येक सड़क जो दो नोडो को जोड़ती है उसे क्या कहते है?

उत्तर योजक

प्र 17 डब्बा वाली सेवा क्या है?

उत्तर मुम्बई महानगर में डब्बा वाला सेवा भोजन टिफिन सेवा हैं जो महानगर के 1.75 लाख उपभोक्ताओं को उपलब्ध करवायी जाती है ।

प्र 18 थोक व्यापार का गठन किसके द्वारा होता है।

उत्तर बिचौलिए, सौदागरों एवं पूर्तिकारों द्वारा।

प्र 19 परिवहन दूरी के विभिन्न माप बताइये?

उत्तर 1 किलोमीटर दूरी
2 समय दूरी
3 लागत दूरी

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र 20 संचार किसे कहते हैं?

उत्तर संचार सेवाओं में शब्दों और संदशों, तथ्यों और विचारों का प्रेषण सम्मिलित है ।

प्र 21 संचार के पुरातन साधन कौनसे है ?

उत्तर तार प्रेषण, मोर्सफूट, टैलेक्स

प्र 22 संचार के नवीन साधन कौनसे है

उत्तर मोबाईल, दूरभाष, फेक्स, इन्टरनेट तथा उपग्रह ।

प्र 23 रेडियों और दूरदर्शन को जनसंचार माध्यम क्यों कहा जाता है?

उत्तर रेडियों और दूरदर्शन समाचारों, चित्रों व दूरभाष पर बातों को सम्पूर्ण विश्व में फैले हुए श्रोताओं को प्रसारित करते है इस कारण इन्हें जनसंचार माध्यम कहाँ जाता है ।

प्र 24 बाह्य स्त्रोतन से आप क्या समझतें है ?

उत्तर दक्षता को सुधारने एवं उत्पादों की किमतो को घटाने के लिए किसी बाह्य एजेंसी को ठेका देना बाह्य स्त्रोतन कहलाता हैं ।

प्र 25 पर्यटन को प्रभावित करने वाले कोई दो कारक बताइए?

उत्तर 1 मांग 2 परिवहन

प्र 26 चिकित्सा पर्यटन किसे कहते है ?

उत्तर जब चिकित्सा उपचार को अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन गतिविधि से संबध कर दिया जाता है तो इसे सामन्यतः चिकित्सा पर्यटन कहा जाता है ।

प्र 27 ऑफशोरिंग/अपतरन किसे कहते है?

उत्तर जब बाह्य स्त्रोतन में कार्य समुद्रपार के स्थानों पर स्थानान्तरित कर दिया जाता है तो इसको ऑफशोरिंग कहते है ।

प्र28 तृतीयक क्रियाकलापों को मुख्य रूप से कितने वर्गो में रखा जा सकता है ?

उत्तर
1 व्यापार एवं वाणिज्य – थोक व्यापार , फुटकर व्यापार
2 परिवहन – रेल ,सड़क ,जल तथा वायु परिवहन
3 संचार – मोबाईल, दूरभाष, उपग्रह, दूरसंचार

प्र 29 पर्यटन आकर्षण के प्रमुख कारक कौन–कौनसे हैं?

उत्तर
1 जलवायु
2 भू–दृश्य आकर्षण
3 इतिहास एवं कला
4 संस्कृति तथा अर्थव्यवस्था

प्र 30 पर्यटकों को **"घरों में रूकने"** की व्यवस्था को गोवा तथा कर्नाटक में क्या कहते है?

उत्तर गोवा में **हेरिटेज होम्स** कहते हैं तथा कर्नाटक में **मैडिकेरे** और **कुर्ग** कहते हैं।

प्र 31 चतुर्थक क्रियाकलापों का संक्षेप में विवरण व महत्व बताइये?

उत्तर ज्ञानोन्मुखी सेवा सेक्टर से संबधित क्रियाकलापो में चतुर्थक क्रियाकलाप संबधित है। चतुर्थक क्रियाकलापो में सुचना का संग्रहण, उत्पाद तथा प्रकीर्णन होता है यह कार्य उच्च स्तरीय विकास, शोध विशिष्टीकृत ज्ञान तकनीक तथा प्रशासनिक क्षमता से संबधित होते है विश्व की विकसित अर्थव्यवस्थाओं मे 50 प्रतिशत से अधिक कर्मी चतुर्थक क्रियाकलापों में कार्यरत है। म्यूचुअल फण्ड प्रबंधक ,परामर्शदाता ,सॉफ्टवेयरकर्मी तथा विश्वविद्यालयी शिक्षक के अलावा, चिकित्सालयों, रंगमंचों, लेखाकार्यों तथा दलाली की फर्मों के कार्यालयों में कार्य करने वाले कर्मी भी इस वर्ग की सेवाओं से संबंधित होते है ।

प्र 32 पंचम क्रियाकलाप क्या होते है? संक्षेप में बताइए ।

उत्तर पंचम क्रियाकलापों में वे सेवाएँ सम्मिलित है जो नवीन एवं वर्तमान विचारों की रचना उनके पूर्नगठन व व्याख्या, आँकडों की व्याख्या व प्रयोग तथा नवीन तकनिक के मूल्यांकन से संबधित होती हैं। प्रायः इन सेवाओं से संबधित व्यवसायों में संलग्न लोगो को **स्वर्ण कोलर** कहा जाता है तथा ये व्यवसायिक कार्यकरियों ,सरकारी अधिकारियों ,शोध वैज्ञानिकों ,वित व विधि परामर्शदाताओं ,विशेष तथा उच्च वेतन वाले कुशल व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व करते हैं। विकसित अर्थव्यवस्थाओं की संरचना में इनका महत्व इनकी संख्या से कही अधिक होता है।

CBEO BHINDER UDAIPUR

# पाठ 10 : मानव बस्ती

1. निम्न में से किस प्रकार की बस्तियाँ सडक, नदी या नहर के किनारे होती हैं–
   (अ) वृत्ताकार (ब) रेखीय
   (स) चौकपट्टी (द) वर्गाकार (ब)
2. निम्न में से कोनसी एक आर्थिक क्रिया ग्रामीण बस्तियों की मुख्य आर्थिक क्रिया हैं–
   (अ) प्राथमिक (ब) तृतीयक
   (स) द्वितीयक (द) चतुर्थ (अ)
3. निम्न में से किस प्रदेश में प्रलेखित प्राचीनतम नगरीय बस्ती रही हैं–
   (अ) आहड (ब) सिंधुघाटी
   (स) नील घाटी (द) मेसोपोटामिया (ब)
4. वर्ष 2006 के प्रारंभ में भारत में कितन मिलियन सीटी थे–
   (अ) 40 (ब) 41 (स) 42 (द) 43 (अ)
5. विकासशील देशों की जनसंख्या के सामाजिक ढांचे के विकास एवं आवश्यकताओं की पूर्ति में कौनस प्रकार के संसाधन सहायक हैं–
   (अ) वित्तीय (ब) मानवीय
   (स) प्राकृतिक (द) सामाजिक (द)
6. निम्न में से ग्रामीण बस्तियों का प्रतिरूप हैं–
   (अ) रैखिकप्रतिरूप (ब) वृताकार प्रतिरूप
   (स) ताराप्रतिरूप (द) उपर्युक्त सभी (द)
7. ग्रामीण बस्ती में रहने वाले लोगो का व्यवसाय है–
   (अ) कृषि (ब) पशुपालन
   (स) मछली पकडना (द) उपर्युक्त सभी (द)
8. निम्न में से कोनसी एक समस्या प्रायः ग्रामीण बस्तियों में नहीं पायी जाती हैं–
   (अ) कच्चीसडक (ब) स्वास्थ्य सुविधा
   (स) प्रदूषण (द) इन में से कोई नहीं (स)
9. 1982 में विश्व में करीब कितने नगर 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले थे–
   (अ) 175 (ब) 141 (स) 242 (द) 143 (अ)
10. 'सन्नगर' शब्दावली का प्रयोग 1915 में किसने किया –
   (अ) लेविस ममफोर्ड (ब) पैट्रिक गिडिज
   (स) कोपेन (द) हेरिहेस (ब)

**लघुतरात्मक–**

प्रश्न 1. आप बस्ती को कैसे परिभाषित करेंगे?

उत्तर– मानव आवासों के संगठित समूह को बस्ती कहा जाता है। बस्तियों में होने वाले मानवीय व आर्थिक क्रिया कलापों के आधार पर इन्हें ग्रामीण तथा नगरीय बस्तियों में वर्गीकृत किया जाता हैं।

प्रश्न 2. बस्तियों के वर्गीकरण के क्या आधार हैं?

उत्तर– बस्तियों का वर्गीकरण ग्रामीण व नगरीय आधार पर किया जाता हैं। कोई बस्ती ग्रामीण है या नगरीय इसके लिए विभिन्न मापदण्ड अपनाए जाते हैं, जैसे–जनसंख्या का आकार, जनसंख्या का घनत्व, तथा वहाँ होने वाले आर्थिक क्रिया–कलाप इत्यादि।

प्रश्न 3. मानव भूगोल में मानव बस्तियों के अध्ययन का औचित्य क्या है?

उत्तर– मानव भूगोल में अध्ययन का मुख्य केन्द्र मानव व मानवीय क्रिया–कलाप होते हैं। आवास मानव जीवन की मूलभूत आवश्यकता हैं। बस्ती एकांकी आवास से लेकर ग्राम, पुरवे, कस्बे, नगर, शहर अथवा मेगासिटी किसी भी रूप में हो सकते हैं। मानव बस्तियों के अध्ययन से मानव के आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक व राजनीतिक विकास का पता चलता हैं और यही मानव भूगोल की विषय वस्तु होती है।

प्रश्न 4 ग्रामीण बस्ती किसे कहते है?

उत्तर– ऐसी बस्तियाँ जिनमें जनसंख्या घनत्व बहुत ही कम होता है साथ ही वहाँ के निवासी प्राथमिक क्रिया–कलापों द्वारा जीविकोपार्जन करते हैं।

प्रश्न 5 नगरीय बस्ती से आप क्या समझते है?

उत्तर–, ऐसी बस्तियाँ जहाँ जनसंख्या व घनत्व अपेक्षाकृत अधिक होता है और वहाँ के अधिकतर निवासी द्वितीयक, तृतीयक व चतुर्थ श्रेणी के क्रिया–कलापों में संलग्न रहकर अपनी जीविका का उपार्जन करते हैं।

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्रश्न 6 विकासशील देशों में नगरीय बस्तियों की समस्याएँ लिखिए।

उत्तर– (1) अनियोजित बसावट (2) अधिक जनसंख्या घनत्व से स्लम बस्तियों का विस्तार (3) सामाजिक बुराइयों व अपराध की अधिकता (4) लिंगानुपात असंतुलन (5) पर्यावरण प्रदूषण

प्रश्न 7 **'मेगालोपोलिस'** से क्या अभिप्राय है?

उत्तर– 'मेगालोपोलिस' एक यूनानी शब्द से बना है जिसका अर्थ है – 'विशालनगर'। जिसका प्रयोग 1957 में **मेंजीनगोटमेन** ने किया।

प्रश्न 8 **मेगासिटी** किसे कहते है?

उत्तर– जिन नगरों की जनसंख्या मुख्य नगर व उप नगरों को मिलाकर एक करोड से अधिक हो, मेगासिटी कहलाती हैं।

प्रश्न 9 **सन्नगर** किसे कहते है?

उत्तर– ऐसे नगरीय क्षेत्र जो मूलतः दो नगरों या शहरों के मिल जाने से एक विशाल नगर बन जाता है। ऐसा शहर ही सन्नगर कहलाता हैं। जैसे–ग्रेटरलंदन, मेनचेस्टर, शिकागो, टोकियो आदि।

प्रश्न 10 **'अदिसअबाबा'** पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर– अदिसअबाबा अफ्रिकी देश इथोपिया की राजधानी है जिसकी स्थापना 1878 में हुई थी। अदिसअबाबा का शाब्दिक अर्थ है– 'नवीनपुष्प' होता है।

प्र. 24 ग्रामीण अधिवासों की मुख्य समस्याए कौनसी है?

उत्तर
1. आवागमन के साधनों का अभाव।
2. स्वच्छ पेयजल का अभाव।
3. विद्युत आपूर्ति का अभाव।
4. रोजगार के अवसर नहीं होना।
5. सूचना तकनीक एवं दुरभाष सुविधाओं का अभाव।

प्र. 28 सन्नगर शब्द का प्रयोग सर्व प्रथम कब व किसने किया?

उत्तर 1915 में, पैट्रिक गिडिज नें।

प्र. 29 भारत में सन्नगर के उदाहरण कौनसे नगर है?

उत्तर ग्वालियर, लश्कर–मुरार, दिल्ली–गुडगांव, दिल्ली–नोएडा

प्र. 30 वृहत नगर/विश्व नगरी किसे कहते है?

उत्तर वे नगर जिनकी जनसंख्या 50 लाख से अधिक हो

प्र. 31 मेगालोपोलिश/विश्व नगर शब्द का प्रयोग सर्व प्रथम कब व किसने किया?

उत्तर सन् 1857 में, जीन गोटमेन ने

प्र. 32 मेगालोपोलिश/वृहत नगर के उदाहरण कौनसे नगर है?

उत्तर ग्रेटर लंदन, टोकियो, पेरिस, न्युयार्क, मास्को, कोलकाता, मुम्बई, दिल्ली, चेन्नई।

प्र. 33 एशिया की सबसे बडी गंदी बस्ती कौनसी है?

उत्तर मुम्बई की धारावी कच्ची बस्ती।

प्र. 34 गंदी बस्तीयों का प्रादुर्भाव क्यों हुआ?

उत्तर नगरो में जनसंख्या तथा घनत्व में वृद्वि होने से आवासीय भवनों की कमी उत्पन्न हो गयी जिसने गंदी बस्तीयों के प्रादुर्भाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्र. 35 भारत में नगरिय बस्ती को परिभाषित किजियें?

उत्तर जनसंख्या पांच हजार और जनसंख्या घनत्व चार सौ व्यक्ति प्रति वर्ग किमी हो तथा 75 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या गैर कृषि कार्यो में संलग्न हो।

प्र 36 नगरिय बस्तियों की समस्याए लिखिये?

उत्तर
1 अत्यधिक जनसंख्या घनत्व
2 नगरो का बढता आकार
3 गंदी बस्तियों का प्रादुर्भाव
4 पर्यावरण प्रदुषण
5 उपभोक्ता वस्तुओं का उच्च मूल्य
6 खाद्यपदार्थो में मिलावट
7 अपराधो का बढता स्तर
8 तीव्र सामाजिक, अर्थिक विषमता

प्र. 39 ग्रामीण अधिवास के आयताकार व नाभिय प्रतिरूपो चित्र बनाईये?

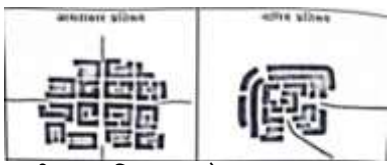

प्र. 40 ग्रामीण अधिवास के वृत्ताकार व तीर प्रतिरूप का चित्र बनाईये?

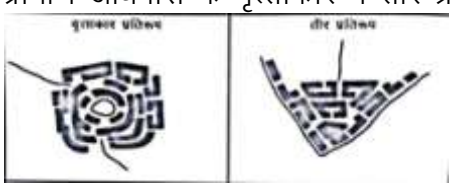

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र. 41 ग्रामीण अधिवास के अर्धवृत्ताकार व तारा प्रतिरूप का चित्र बनाईये?

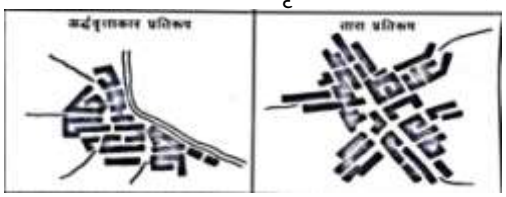


प्र. 42 ग्रामिण अधिवास के रेखीय प्रतिरूप व अरीय प्रतिरूप का चित्र बनाईये?

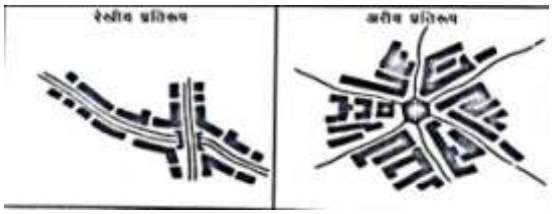


प्र. 43 सघन या गुच्छित ग्रामीण बस्ती की विशेषताए लिखिये। (कोई 6)

उत्तर सघन या गुच्छित ग्रामीण बस्ती की विशेषताए निम्न लिखित है–

(1) अधिवास प्रायः खेतों के मध्य किसी ऊँचे एवं बाढ़ से सुरक्षित स्थानों पर बसे होते हैं।

(2) सभी आवास पास–पास बने होते हैं।

(3) सभी आवास एक स्थान पर संकेन्द्रित होते हैं एवं बाहरी आक्रमणों का मिलकर मुकाबला करते हैं।

(4) सामाजिक प्रगाढ़ता होने से एक–दूसरे के सुख– दुख में सहभागी होते हैं।

(5) इनमें आवासों की संख्सा 40–50 से लेकर सैंकड़ों तक हो सकती है।

(6) इनकी जनसंख्या उपलब्ध संसाधनों के आधार पर 500 से 1000 या अधिक हो सकती

प्र. 44 नगरीय अधिवासों की समस्यों को बताइये

(1) अत्यधिक जनसंख्या घनत्व एवं नगरों का बढ़ता आकार
(2) गन्दी बस्तियों का प्रादुर्भाव
(3) पर्यावरण प्रदूषण
(4) उपभोक्ता वस्तुओं का उच्च मूल्य :
(5) खाद्य पदार्थों में मिलावट
(6) अपराधों का बढ़ता स्तर
(7) तीव्र सामाजिक–आर्थिक विषमता एवं सामाजिक असहयोग
(8) स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं की कमी

CBEO BHINDER UDAIPUR

# जनसंख्या : वितरण, घनत्व, वृद्धि एवं संघटन

**बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर.**

1) सन् 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की जनसंख्या निम्नलिखित में से कौन-सी है
(क) 102.8 करोड़ (ख) 318.2 करोड़
(ग) 328.7 करोड़ (घ) 121 करोड़ा उत्तर: (घ) 121 करोड़।

2) निम्नलिखित राज्यों में से किस एक में जनसंख्या का घनत्व सर्वाधिक है
(क) पश्चिम बंगाल (ख) केरल
(ग) उत्तर प्रदेश (घ) पंजाब। उत्तर:(क) पश्चिम बंगाल।

3) सन् 2011 की जनगणना के अनुसार निम्नलिखित में से किस राज्य में नगरीय जनसंख्या का अनुपात सर्वाधिक है
(क) तमिलनाडु (ख) महाराष्ट्र
(ग) केरल (घ) गोवा। उत्तर:(ख) महाराष्ट्र

4) निम्नलिखित में से कौन-सा एक समूह भारत में विशालतम भाषाई समूह है
(क) चीनी-तिब्बती (ख) भारतीय-आर्य
(ग) आस्ट्रिक (घ) द्रविड़। उत्तर:(ख) भारतीय-आर्य

5) 2011 की जनगणना के अनुसार भारत का जनसंख्या घनत्व कितना है
(क) 382 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी (ख) 360 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी
(ग) 344 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी (घ) 316 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी। उत्तर: (क) 382 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी।

6) जनगणना-2011 के अनुसार भारत में न्यूनतम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य है
(क) आन्ध्र प्रदेश (ख) अरुणाचल प्रदेश
(ग) हरियाणा (घ) ओडिशा। उत्तर: अरुणाचल प्रदेश।

7) जनगणना-2011 के अनुसार जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर है
(क) 1.64 प्रतिशत (ख) 1.18 प्रतिशत
(ग) 0.92 प्रतिशत (घ) 2.22 प्रतिशत। उत्तर:(क) 1.64 प्रतिशत।

8) जनगणना-2011 के अनुसार किशोरों अर्थात् 10.19 वर्ष की आयु वर्ग का अंश है
(क) 20.9 प्रतिशत (ख) 18.4 प्रतिशत
(ग) 24.8 प्रतिशत (घ) 28.2 प्रतिशत। उत्तर:(क) 20.9 प्रतिशत।

9) किशोरों के समक्ष प्रमुख चुनौती/समस्या है
(क) विवाह की निम्न आयु (ख) शारीरिक व मानसिक अपंगता
(ग) औषध दुरुपयोग व मदिरा सेवन (घ) उपर्युक्त सभी। उत्तर:(घ) उपर्युक्त सभी।

10) भारत सरकार द्वारा युवा नीति कब प्रायोजित की गई
(क) सन् 2003 (ख) सन् 2006
(ग) सन् 2005 (घ) सन् 2008. उत्तर:(क) सन् 2003.

11) जनसंख्या संघटन में अध्ययन किया जाता है
(क) निवास स्थान का (ख) जनजातियों का
(ग) भाषा व धर्म का (घ) उपर्युक्त सभी का। उत्तर:(घ) उपर्युक्त सभी

12) आधुनिक भारत के सन्दर्भ में कितनी भाषाएँ हैं
(क) 22 (ख) 24
(ग) 20 (घ) 26 उत्तर:(क) 22

13) जनगणना-2011 के अनुसार भारत में श्रमिकों का अनुपात है
(क) 39.8 प्रतिशत (ख) 34.2 प्रतिशत
(ग) 30.8 प्रतिशत (घ) 27.3 प्रतिशत। उत्तर:(क) 39.8 प्रतिशत।

14) कुल श्रमजीवी जनसंख्या का लगभग कितना भाग कृषक और कृषि मजदूर है
(क) 54.6 प्रतिशत (ख) 56.2 प्रतिशत
(ग) 52.6 प्रतिशत (घ) 50.5 प्रतिशत। उत्तर:(क) 54.6 प्रतिशत।

**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में दें.**

1) भारत के अत्यन्त उष्ण एवं शुष्क तथा अत्यन्त शीत व आर्द्र प्रदेशों में जनसंख्या का घनत्व निम्न है। इस कथन के दृष्टिकोण से जनसंख्या के वितरण में जलवायु की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: जनसंख्या के वितरण पर जलवायु का गहरा प्रभाव पड़ता है। राजस्थान के अत्यन्त उष्ण व शुष्क प्रदेश , जम्मू कश्मीर, उत्तराखण्ड, सिक्किम, असम, अरुणाचल प्रदेश के अन्तर्गत शीत तथा मेघालय के अत्यन्त आर्द्र प्रदेशों में जलवायु के अनुकूल न होने के कारण जनसंख्या का घनत्व निम्न है।

2) भारत के किन राज्यों में विशाल ग्रामीण जनसंख्या है इतनी विशाल ग्रामीण जनसंख्या के लिए उत्तरदायी एक कारण को लिखिए।

उत्तर: भारत के उत्तर प्रदेश, बिहार, आन्ध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, राजस्थान आदि राज्यों में विशाल ग्रामीण जनसंख्या है, क्योंकि इन राज्यों में उपजाऊ मिट्टी, अनुकूल जलवायु तथा सिंचाई की सुविधा के कारण कृषि व्यवसाय को ठोस आधार प्राप्त है।

3) भारत के कुछ राज्यों में अन्य राज्यों की अपेक्षा श्रम-सहभागिता ऊँची क्यों है।

उत्तर: भारत के कुछ राज्यों में सहभागिता-दर अपेक्षाकृत ऊँची है, क्योंकि निर्वाह अथवा लगभग निर्वाह की आर्थिक क्रियाओं के निष्पादन के लिए अनेक कामगारों की आवश्यकता होती है।

4) "कृषि सेक्टर में भारतीय श्रमिकों का सर्वाधिक अंश संलग्न है।" स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: सन् 2011 की जनगणना के अनुसार कुल श्रमजीवी जनसंख्या का लगभग 54.6 प्रतिशत कृषक और कृषि मजदूर हैं, अत: कृषि सेक्टर में भारतीय श्रमिकों का सर्वाधिक अंश संलग्न है। इसका कारण यह है कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था का मूल आधार है।

5) भारत में नियमित रूप से हर 10 वर्ष के बाद जनगणना कब से की जा रही है

उत्तर: भारत में नियमित रूप से हर 10 वर्ष के बाद जनगणना सन् 1881 से की जा रही है।

6) जनसंख्या को प्रभावित करने वाले भौतिक कारक बताइए।

उत्तर: जनसंख्या को प्रभावित करने वाले भौतिक कारक हैं-उच्चावच, जलवायु, मृदा तथा खनिज संसाधन आदि।

7) जनसंख्या का घनत्व क्या है

उत्तर: जनसंख्या का घनत्व वह माप है जो किसी क्षेत्र की जनसंख्या व वहाँ के क्षेत्रफल के बीच आनुपातिक सम्बन्ध को व्यक्त करता है।

8) जनसंख्या घनत्व ज्ञात करने का सूत्र लिखिए।

उत्तर:

$$\text{जनसंख्या का अंकगणितीय घनत्व} = \frac{\text{कुल जनसंख्या}}{\text{कुल क्षेत्रफल}}$$

9) कायिक घनत्व ज्ञात करने का सूत्र लिखिए।

उत्तर:

$$\text{कायिक घनत्व} = \frac{\text{कुल जनसंख्या}}{\text{निवल कृषित क्षेत्र}}$$

10) कृषीय घनत्व ज्ञात करने का सूत्र लिखिए।

उत्तर:

$$\text{कृषीय घनत्व} = \frac{\text{कुल कृषि जनसंख्या}}{\text{निवल कृषित क्षेत्र}}$$

11) जनसंख्या की धनात्मक वृद्धि से क्या आशय है

उत्तर: यदि समय के दो बिन्दुओं के बीच जनसंख्या में वृद्धि होती है, तो इसे 'जनसंख्या की धनात्मक वृद्धि' कहते हैं।

12) जनसंख्या की ऋणात्मक वृद्धि से क्या आशय है

उत्तर: यदि समय के दो बिन्दुओं के बीच जनसंख्या में कमी होती है, तो इसे 'जनसंख्या की ऋणात्मक . वृद्धि' कहते हैं।

13) जनसंख्या की वृद्धि दर से क्या आशय है

उत्तर: दो समय बिन्दुओं के मध्य जनसंख्या में होने वाले शुद्ध परिवर्तन को 'जनसंख्या की वृद्धि दर' कहते हैं।

14) जनसंख्या वृद्धि के प्रकार बताइए।

उत्तर: जनसंख्या वृद्धि के दो प्रकार हैं

- धनात्मक वृद्धि एवं
- ऋणात्मक वृद्धि।

15) किशोर जनसंख्या से जुड़ी प्रमुख समस्याएँ क्या हैं

उत्तर: किशोर जनसंख्या से जुड़ी प्रमुख समस्याएँ हैं

- विवाह की निम्न आयु
- निरक्षरता
- स्कूली शिक्षा का बीच में छूट जाना
- सन्तुलित भोजन न मिलना
- शारीरिक व मानसिक अपंगता
- मदिरापान व धूम्रपान आदि।

16) जनसंख्या संघटन क्या है

उत्तर: जनसंख्या संघटन, जनसंख्या भूगोल में अध्ययन का एक सुस्पष्ट क्षेत्र है जिसमें आयु व लिंग का विश्लेषण, निवास का स्थान, मानव जातीय लक्षण, जनजातियाँ, भाषा, धर्म, वैवाहिक स्थिति, साक्षरता और शिक्षा, न्यावसायिक विशेषताएँ आदि का अध्ययन किया जाता है।निवास स्थान के आधार पर जनसंख्या कितने वर्गों में संयोजित होती है

उत्तर: निवास स्थान के आधार पर जनसंख्या दो वर्गों में संयोजित होती है

17) किशोर जनसंख्या किसे कहते हैं?

उत्तर:भारत में 10 से 19 वर्ष का आयु वर्ग किशोर जनसंख्या कहलाता है।

18) नगरीकरण से क्या आशय है?

उत्तर:ग्रामीण जनसंख्या से नगरीय जनसंख्या में समाज के बदलने की प्रक्रिया को 'नगरीकरण' कहते हैं।

प्रश्न 1– भारत में आर्थिक कारक किस प्रकार जनसंख्या वितरण के प्रतिरूप को निर्धारित करते हैं उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: आर्थिक कारकों में द्वितीयक तथा तृतीयक आर्थिक क्रियाएँ शामिल होती हैं। तकनीकी ज्ञान भी आर्थिक कारकों का एक प्रमुख अंग हैय इसलिए जहाँ भी इस प्रकार की क्रियाओं पर विकास निर्भर होता है वहाँ अधिक जनसंख्या निवास करती है। औद्योगिक क्षेत्र और नगरीय क्षेत्र इसी कारण अधिक घने बसे होते हैं। जैसे–मुम्बई, कोलकाता, दिल्ली आदि, लेकिन जहाँ कृषि जैसी प्राथमिक क्रियाएँ अधिक पायी जाती हैं और उत्पादन अधिक मात्रा में होता है, वे क्षेत्र भी अधिक घने बसे होते हैंय जैसे–पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब आदि।

प्रश्न 2– जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले जनांकिकीय कारक को समझाइए।

उत्तर: जनांकिकीय कारक - जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले जनांकिकीय कारक तीन हैं प्रजनन दर, मृत्यु-दर और प्रवास। प्रजनन दर अधिक और मृत्यु-दर कम होने पर जनसंख्या की वृद्धि होती है। आप्रवासन महानगरों व औद्योगिक क्षेत्रों में विशाल जनसंख्या के संकेन्द्रण का मुख्य कारक है।

प्रश्न 3– जनसंख्या घनत्व और जनसंख्या वितरण के अध्ययन के महत्त्व को समझाइए।

उत्तर: भारत एक विकासशील देश है जो जनांकिकी संक्रमण के विस्फोटक दौर से गुजर रहा है। देश में नई आर्थिक नीति के लागू होने के कारण रोजगार के अवसरों में क्षेत्रीय पुनर्वितरण की प्रवृत्ति चल रही है, इस कारण जनसंख्या का घनत्व और वितरण प्रारूप भी गुणात्मक ढंग से परिवर्तित हो रहा है, अत: देश के योजनाबद्ध विकास के लिए जनसंख्या के वितरण और घनत्व का समुचित अध्ययन आवश्यक है।

प्रश्न 4–जनसंख्या की धनात्मक एवं ऋणात्मक वृद्धि को समझाइए।

उत्तर: धनात्मक वृद्धि - धनात्मक वृद्धि तब होती है जब दो समय बिन्दुओं के बीच जन्म-दर, मृत्यु-दर से अधिक हो या किसी अन्य देश से लोग आकर बस जाएँ।

ऋणात्मक वृद्धि - यदि दो समय बिन्दुओं के बीच जनसंख्या कम हो जाए तो ऋणात्मक वृद्धि कहते हैं। यह तब होती है जब जन्म-दर, मृत्यु-दर से कम हो या लोग विदेश में जा बसें।

प्रश्न 5– जनसंख्या वृद्धि के घटक बताइए।

उत्तर: जनसंख्या वृद्धि के दो घटक निम्नलिखित हैं

1– प्राकृतिक वृद्धि - दो समय बिन्दुओं में जन्म-दर और मृत्यु-दर के अन्तर से बढ़ने वाली जनसंख्या को उस क्षेत्र की प्राकृतिक वृद्धि कहते हैं। प्राकृतिक वृद्धि = जन्म - मृत्यु

2– अभिप्रेरित वृद्धि - जनसंख्या वृद्धि के अभिप्रेरित घटकों जैसे प्रवास को किसी दिए गए क्षेत्र में लोगों के अन्तर्वर्ती और बहिर्वर्ती संचालन की प्रबलता द्वारा स्पष्ट किया जा सकता है।

प्रश्न 6– 1901 से 1921 की अवधि को भारत की जनसंख्या की वृद्धि की स्थिर प्रावस्था क्यों कहा जाता है स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: 1901 से 1921 की अवधि को भारत की जनसंख्या की वृद्धि की स्थिर प्रावस्था कहे जाने के कारण निम्नलिखित हैं

- स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाएँ निम्न-स्तरीय थीं।
- प्रथम विश्वयुद्ध में हजारों भारतीय काम आए।
- लगातार हो रही फसलों की खराबी से भी अनेक लोग भुखमरी का शिकार हो गए।
- निरक्षरता भी उच्च जन्म-दरों व मृत्यु-दरों के लिए उत्तरदायी थी।

प्रश्न 7. आर्थिक दृष्टि से भारत की जनसंख्या को कितने वर्गों में बाँटा जाता है

उत्तर: आर्थिक दृष्टि से भारत की जनसंख्या को तीन वर्गों या स्तरों में बाँटा जाता है

- मुख्य श्रमिक - वह व्यक्ति है जो एक वर्ष में कम-से-कम 183 दिन कार्य करता है। देश की जनसंख्या में 30.5 प्रतिशत मुख्य श्रमिक हैं।
- सीमान्त श्रमिक - वह व्यक्ति है, जो एक वर्ष में 183 दिनों से कम कार्य करता है। देश की जनसंख्या में 8.7 प्रतिशत लोग सीमान्त श्रमिक हैं।
- अश्रमिक - अश्रमिक या गैर-कामगार वह व्यक्ति है जो वर्ष-भर अपनी आजीविका के लिए कोई कार्य नहीं करता।

प्रश्न 8. स्त्रियों की निम्न सहभागिता के प्रमुख कारणों को समझाइए।

उत्तर: स्त्रियों की निम्न सहभागिता के प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं

- संयुक्त परिवार का दायित्व और समय की कमी
- स्त्रियों में शिक्षा का निम्न स्तर,
- बारम्बार शिशु जन्म
- बढ़ती जनसंख्या के कारण रोजगार के सीमित अवसर
- महिलाओं को घर से बाहर न निकलने देने व उनकी कमाई न खाने जैसे रूढ़िवादी विचार।

प्रश्न 9.भारत के उत्तर-पूर्वी और उत्तरी राज्यों में ग्रामीण जनसंख्या का कृषि पर दबाव अधिक क्यों है

उत्तर: उत्तरी तथा उत्तर-पूर्वी भारत में कृषि पर जनसंख्या का अधिक दबाव है। इसके निम्नलिखित कारण हैं

- भारत के उत्तरी तथा उत्तर-पूर्वी राज्यों में ग्रामीण जनसंख्या आज भी लगभग 80 प्रतिशत है।
- इन राज्यों में कृषि योग्य उपजाऊ भूमि है तथा पर्याप्त जलापूर्ति के कारण कृषि सम्भव है।
- इन राज्यों में कृषि पर निरन्तर दबाव बढ़ता जा रहा है क्योंकि कृषि के अतिरिक्त इन भागों में रोजगार के अवसर कम हैं।

## विस्तृत उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. भारत में जनसंख्या के वितरण का वर्णन कीजिए।

उत्तर: भारत में जनसंख्या के वितरण के सम्बन्ध में (जनगणना-2011) निम्नलिखित विशेषताएँ उभरती हैं

1) देश में सर्वाधिक जनसंख्या उत्तर प्रदेश (19.9 करोड़) में बसी हुई है। यहाँ पर भारत की 16 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या निवास करती है। इसके बाद क्रमश: महाराष्ट्र (11.23 करोड़), बिहार (10.40 करोड़), पश्चिम बंगाल (9.12 करोड़) तथा आन्ध्र प्रदेश एवं तेलंगाना (8.45 करोड़) का स्थान आता है। इन पाँच राज्यों में देश की लगभग आधी जनसंख्या (48.9:) रहती है।

2) भारत की एक-चौथाई जनसंख्या दो राज्यों उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में रहती है।

3) क्षेत्रफल की दृष्टि से देश के दो सबसे बड़े राज्य राजस्थान और मध्य प्रदेश हैं जिनका क्षेत्रफल देश के कुल क्षेत्रफल का क्रमश: 10.4 प्रतिशत और 9.37 प्रतिशत है, परन्तु इन राज्यों में भारत की केवल 5.6 प्रतिशत और 6.00 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है।

4) उत्तर प्रदेश, देश के कुल क्षेत्रफल के 7.26 प्रतिशत भाग पर स्थित है, जबकि इस राज्य में देश की 16.49 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है।

5) बिहार, देश के कुल क्षेत्रफल के 2.86 प्रतिशत भाग पर स्थित है, जबकि इस राज्य में देश की 8.58 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है।

6) देश के 11 राज्यों और 6 केन्द्रशासित प्रदेशों में जनसंख्या उनके क्षेत्रफल की तुलना में अधिक है। परिणामस्वरूप इन राज्यों में प्रति इकाई क्षेत्रफल पर जनसंख्या का दबाव राष्ट्रीय औसत से अधिक है।

7) जम्मू-कश्मीर (1.04), अरुणाचल प्रदेश (0.11) और उत्तराखण्ड (0.84) जैसे राज्यों की जनसंख्या का आकार इनके विशाल भौगोलिक क्षेत्र के बावजूद अत्यन्त छोटा है।

8) हिमालयी लघु राज्य सिक्किम की जनसंख्या (6.07 लाख) भारत के सभी राज्यों की जनसंख्या से कम है जबकि दिल्ली की जनसंख्या (1.67 करोड़), जम्मू-कश्मीर की जनसंख्या या सभी केन्द्रशासित प्रदेशों की संयुक्त जनसंख्या से भी अधिक है।

प्रश्न 2. भारत में जनसंख्या की वृद्धि की प्रावस्थाओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर: भारत में जनसंख्या वृद्धि की प्रावस्थाएँ

भारत में जनसंख्या की वृद्धि वार्षिक जन्म-दर, मृत्यु-दर तथा प्रवास की दर के कारण हुई है और यह वृद्धि विभिन्न प्रवृत्तियों और प्रावस्थाओं को दर्शाती है। भारत के जनांकिकीय इतिहास को चार सुस्पष्ट प्रावस्थाओं में बाँटा जा सकता है

प्रावस्था 'क' - 1901 से 1921 की अवधि को भारत की जनसंख्या की वृद्धि की रुद्ध अथवा स्थिर प्रावस्था कहा जाता है, क्योंकि इस अवधि में वृद्धि-दर अत्यन्त निम्न थी। 1911.21 के दौरान जनसंख्या बढ़ने के स्थान पर 0.31 प्रतिशत कम हो गई।

प्रावस्था 'ख' - 1921.1951 के दशकों को जनसंख्या की स्थिर वृद्धि की अवधि के रूप में जाना जाता है, क्योंकि 1921 के बाद भारत की जनसंख्या में सामान्य वृद्धि होने लगी।

प्रावस्था 'ग' - 1951.1981 के दशकों को भारत में जनसंख्या-विस्फोट की अवधि के रूप में जाना जाता है। यह देश में मृत्यु-दर में तीव्र ह्रास और जनसंख्या की उच्च प्रजनन-दर के कारण हुआ। इस दौरान जनसंख्या की औसत वार्षिक वृद्धि दर 2.2 प्रतिशत तक उच्च रही और जनसंख्या दुगुनी हो गई।

प्रावस्था 'घ' - 1981 के बाद वर्तमान तक देश की जनसंख्या वृद्धि दर यद्यपि उच्च बनी रही, परन्तु मन्द गति से घटने भी लगी। इसका अभिप्राय यह नहीं कि देश की कुल अथवा निरपेक्ष जनसंख्या घट गई। इसका अभिप्राय केवल यह है कि जनसंख्या बढ़ने की गति पर थोड़े ब्रेक लग गए। लोग तो बढ़े लेकिन कम गति से।

प्रश्न 3. किशोर जनसंख्या की चुनौतियों और युवा नीति का उल्लेख कीजिए।

उत्तर: भारत में 10 से 19 आयु वर्ग 'किशोर जनसंख्या' कहलाती है। देश में किशोरों की जनसंख्या का बढ़ता अनुपात जनसंख्या वृद्धि का महत्त्वपूर्ण पक्ष है। किशोर जनसंख्या उच्च सम्भावनाओं से युक्त युवा जनसंख्या समझी जाती है। वे आने वाले कल के 'उत्पादक' हैं।

किशोर जनसंख्या की चुनौतियाँ

भारत में किशोर जनसंख्या की प्रमुख चुनौतियाँ निम्नलिखित हैं

- विवाह की निम्न आयु
- निरक्षरता
- स्कूली शिक्षा का बीच में छूट जाना
- पोषक व सन्तुलित भोजन का न मिलना
- किशोरी माताओं में उच्च मातृ मृत्यु-दर
- एड्स संक्रमण की उच्च दरें
- शारीरिक व मानसिक अपंगता,
- मदिरापान व धूम्रपान आदि।

राष्ट्रीय युवा नीति

किशोरों की उपर्युक्त चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने 2003 में राष्ट्रीय युवा नीति को लागू किया। इस नीति के प्रमुख ध्येय निम्नलिखित हैं

- भारत की विशाल युवा और किशोर जनसंख्या का समग्र विकास सुनिश्चित करना ताकि वे देश के रचनात्मक विकास में अपने उत्तरदायित्वों को निभा सकें।
- इस वर्ग की जनसंख्या को उपयुक्त शिक्षा प्रदान करना ताकि उनमें विवेक उत्पन्न हो।
- किशोरों व युवाओं के गुणों का बेहतर मार्गदर्शन और सही उपयोग किया जा सके।
- निर्णय लेने में युवाओं की प्रभावी सहभागिता हो और वे स्वयं भी सुयोग्य नेतृत्व दे सकें।

- पुरुषों और महिलाओं की स्थिति में समता लाने के लिए महिलाओं के सशक्तीकरण पर विशेष बल देना।

प्रश्न 4. जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करने वाले भौतिक कारकों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर: जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करने वाले भौतिक कारक उच्चावच, जलवायु, मृदा तथा खनिज संसाधनों की सुलभता जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करने वाले प्रमुख भौतिक कारक हैं। पर्याप्त वर्षा प्राप्त करने वाली अथवा सुविकसित सिंचाई की सुविधाओं वाली गहरी, उपजाऊ समतल भूमि पर प्रायः सघन जनसंख्या पायी जाती है। यह इन्हीं कारकों का असर है कि उत्तर भारत के मैदानों, डेल्टाओं और तटीय मैदानों में जनसंख्या का अनुपात-दक्षिणी और मध्य भारत के राज्यों के आन्तरिक जिलों, हिमालय, उत्तर-पूर्वी और पश्चिमी कुछ राज्यों की अपेक्षा अधिक है। सामान्यतः ऊबड़-खाबड़ पर्वतीय क्षेत्र तथा जलविहीन रेतीली व पथरीली भूमि जनसंख्या के जमाव को प्रोत्साहित नहीं करती। फिर भी सिंचाई के विकास (राजस्थान) और खनिज एवं ऊर्जा संसाधनों की उपलब्धता (झारखण्ड) और परिवहन तन्त्र के विकास (प्रायद्वीपीय राज्य) की वजह से उन क्षेत्रों में जहाँ कभी जनसंख्या कम पायी जाती थी, वहाँ अब मध्यम से उच्च जनसंख्या घनत्व पाया जाता है।

प्रश्न 5. 1951.1981 के दशकों में भारत में जनसंख्या-विस्फोट के कारणों का वर्णन कीजिए।

उत्तर: 1951.1981 के दशकों में भारत में जनसंख्या विस्फोट के प्रमुख कारण निम्नलिखित थे

1) स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद यही वह अवधि थी, जिसमें केन्द्रीकृत नियोजन प्रक्रिया के माध्यम से विकासात्मक कार्यों को आरम्भ किया गया। कृषि और उद्योग खण्डों के विकास, रोजगार में वृद्धि, चिकित्सा सुविधाओं की प्रगति और विस्तार तथा जन्म और मृत्यु-दर पर नियन्त्रण जैसी उपलब्धियों के कारण जनसंख्या तेजी से बढ़ने लगी।

2) साठ के दशक में देश में आई हरित क्रान्ति से उपजी खाद्यान्नों में आत्म-निर्भरता से अर्थव्यवस्था में सुधार हुआ। सुनिश्चित भोजन ने जीवन की दशाओं को उन्नत किया जिससे जनसंख्या की बेतहाशा वृद्धि हुई।

3) इसी अवधि में तिब्बतियों, नेपालियों, बंगलादेशियों और पाकिस्तान से आने वाले लोगों के बढ़ते अन्तर्राष्ट्रीय प्रवास के कारण भी भारत की जनसंख्या में वृद्धि हुई।

4) सन् 1971 के बाद, शिक्षा के प्रचार-प्रसार के प्रभाव तथा चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार से जनसंख्या की वृद्धि दर में कुछ-कुछ कमी आने लगी। सन् 1981 में जनसंख्या की वृद्धि-दर हल्की-सी घटकर 24.66 प्रतिशत रह गई। इसे 'प्रजनन प्रेरित वृद्धि' कहा गया है।

प्रश्न 6. भारत में जनसंख्या के घनत्व के स्थानिक वितरण की विवेचना कीजिए।

उत्तर: भारत में जनसंख्या के घनत्व का स्थानिक वितरण

2011 की जनगणना के अनुसार भारत का जनसंख्या घनत्व 382 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी हैं। 1951 ई० में जनसंख्या का घनत्व 117 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी से बढ़कर 2011 में 382 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी होने से पिछले 50 वर्षों में 200 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी से अधिक उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है।

राज्य स्तर पर जनसंख्या के घनत्व में बहुत अधिक विषमताएँ पायी जाती हैं। अरुणाचल प्रदेश में जनसंख्या का घनत्व केवल 17 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी है, जबकि बिहार में यह घनत्व 1102 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी (सर्वाधिक) है। केन्द्रशासित प्रदेशों में दिल्ली का जनसंख्या घनत्व सर्वाधिक 11,320 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी है, जबकि अण्डमान तथा निकोबार द्वीप समूह में जनसंख्या का घनत्व केवल 46 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी है।

बिहार के बाद पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक 1029 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी जनसंख्या घनत्व पाया जाता है। केरल (860), उत्तर प्रदेश (828), हरियाणा (573) तथा तमिलनाडु (555) अन्य अधिक घनत्व वाले राज्य हैं।

प्रायद्वीपीय भारत के राज्य केरल का घनत्व 860 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी है, जोकि सर्वाधिक है। केरल के बाद तमिलनाडु का स्थान है जहाँ 555 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी जनसंख्या का घनत्व पाया जाता है। पर्यावरण की विपरीत परिस्थितियों के कारण उत्तरी तथा उत्तर-पूर्वी भारत के राज्यों में जनसंख्या का घनत्व काफी कम है। उदाहरणतया जनसंख्या का घनत्व मिजोरम में 52 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी से मणिपुर में 122 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी तक है। असम, गुजरात, आन्ध्र प्रदेश, हरियाणा, झारखण्ड, ओडिशा आदि राज्यों में मध्यम जनसंख्या घनत्व पाया जाता है। उपर्युक्त विवेचन से स्पष्ट है कि भारत में जनसंख्या के घनत्व का स्थानिक वितरण अत्यधिक असमानता लिए हुए है।

प्रश्न7. भारत की जनसंख्या के व्यावसायिक संघटन का विवरण दीजिए।

उत्तर: भारत की जनसंख्या का व्यावसायिक संघटन-आर्थिक दृष्टि से भारत की जनसंख्या को तीन वर्गों या स्तरों में विभक्त किया जाता है

1) मुख्य श्रमिक, 2) सीमान्त श्रमिक और 3) अश्रमिक।

2011 की जनगणना के अनुसार भारत में श्रमिकों (मुख्य और सीमान्त दोनों) का अनुपात 39.8 प्रतिशत है, जबकि 60 प्रतिशत विशाल संख्या अश्रमिकों की है। यह एक अश्रमिक स्तर को इंगित करता है जिसमें एक बड़ा अनुपात आश्रित जनसंख्या का है।

राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में श्रमजीवी जनसंख्या का अनुपात गोवा में लगभग 39.6 प्रतिशत, दमन एवं दीव में लगभग 49.9 प्रतिशत सामान्य भिन्नता प्रदर्शित करता है। श्रमिकों की अपेक्षाकृत अधिक प्रतिशत वाले राज्य हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, छत्तीसगढ़, आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, अरुणाचल प्रदेश, नागालैण्ड, मणिपुर और मेघालय हैं। केन्द्रशासित प्रदेशों में दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव की प्रतिभागिता दर उच्च है।

CBEO BHINDER UDAIPUR

# पाठ–2 : प्रवास प्रकार, कारण और परिणाम

## वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को हल कीजिए

1. भारत में उत्प्रवासियों की सर्वाधिक संख्या वाला राज्य है–
   (अ) उत्तरप्रदेश (ब) केरल
   (स) राजस्थान (द) गुजरात (अ)
2. भारत में सर्वाधिक आप्रवासी किस राज्य में है–
   (अ) दिल्ली (ब) कर्नाटक
   (स) महाराष्ट्र (द) बिहार (स)
3. भारत में किस पड़ोसी देश से सर्वाधिक प्रवासी आये है–
   (अ) पाकिस्तान (ब) बांग्लादेश
   (स) चीन (द) नेपाल (ब)
4. प्रवास से संबंधित पहला मुख्य संशोधन कौनसे जनगणना वर्ष में किया गया–
   (अ) 1961 (ब) 1971 (स) 1881 (द) 1981 (अ)
5. उपनिवेशकाल में भारत से गये प्रवासी किस प्रकार की कृषि कार्य में लगे थे–
   (अ) खाद्यान्न (ब) रोपणकृषि
   (स) विस्तरितकृषि (द) फलोद्यान (ब)
6. भारत में पुरूष प्रवास का मुख्य कारण क्या रहा है–
   (अ) शिक्षा (ब) काम वरोजगार
   (स) विवाह (द) व्यवसाय (ब)
7. स्त्रियों का सर्वाधिक प्रवास किस धारा के अन्तर्गत हुआ है–
   (अ) ग्रामीण से ग्रामीण (ब) नगर से नगर
   (स) नगर से ग्रामीण (द) ग्रामीण से नगर (अ)
8. अन्तर्राष्ट्रीय प्रवास किसे कहते हैं
   (अ) एक राज्य से दूसरे राज्यों में प्रवास (ब) एक नगर से दूसरे नगर में प्रवास
   (स) एक देश से दूसरे देशों में प्रवास (द) उपरोक्त सभी (स)
9. ग्रामीण स`नगरीय क्षेत्रों में पुरूष प्रवास अधिक क्यों है–
   (अ) रोजगार हेतु (ब) विवाह
   (स) मनोरंजन (द) व्यापार (अ)
10. 2011 की जनगणना के अनुसारभारतमेंसर्वाधिकप्रवासहुआहै–
   (अ) 55.5 लाख (ब) 53.6 लाख
   (स) 60.00 लाख (द) 57.6 लाख (ब)
11. व्यक्ति अपना निवास स्थान छोड़ने को बाध्य होता है, इसे कौनसा कारक कहा जाता है–
   (अ) अपकर्ष (ब) प्रतिकर्ष
   (स) शरणार्थी (द) निवल प्रवास (ब)

दिये गये विकल्पों की सहायता से रिक्त स्थान भरिये–

1. एक कारक जो व्यक्ति को विभिन्न स्थानों से अपनी ओर प्रवास के लिये आकर्षित करता है..... कहलाता हैं। प्रतिकर्षकारक/अपकर्षकारक (अपकर्ष कारक)
2. वह कारक जा व्यक्ति को अपना निवास स्थान छोड़ने को बाध्य करता है वह ..... कहलाता हैं। प्रतिकर्षकारक/अपकर्षकारक(प्रतिकर्ष कारक)
3. जो लोग अपने देश में जीवन घातक स्थिति असुरक्षा व मानव अधिकारों के अतिक्रमण एवं युद्ध की स्थिति के कारण दूसरे देशों में शरण लेते है, ..... कहलाते हैं। शरणार्थी/प्रवासी(शरणार्थी)
4. एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप में प्रवास को ..... प्रवास कहा जाता हैं। अन्तर्देशीय/अन्तः महाद्वीपीय (अन्तः महाद्वीपीय )
5. किसी व्यक्ति या व्यक्ति समूह द्वारा अपने निवास से स्थायी गमन ..... कहलाताहै। प्रवास/अप्रवास(प्रवास)

## अति लघुत्तरात्मक प्रश्न

1. सामयिक प्रवास के प्रमुख प्रकार लिखो?
   उत्तर– स्थायी और अस्थायी प्रवास
2. भारत का कौनसा राज्य आप्रवासी को सर्वाधिक आकर्षित करता हैं?
   उत्तर– महाराष्ट्र

CBEO BHINDER UDAIPUR

3. दो केन्द्र शासित प्रदेशों के नाम बताइए जिनमें आप्रवास सर्वाधिक होता हैं?
उत्तर– दिल्ली व चण्डीगढ़

4. भारतीय उत्प्रवास अधिनियम को किस नाम से जाना जाता हैं?
उत्तर– गिरमिट अधिनियम

5. अनाकर्षक क्षेत्र से अभिप्राय है?
उत्तर– वह क्षेत्र जहां लोगों को जीविका प्राप्त करने हेतु रोजगार के साधन उपलब्ध न हो।

6. ग्रामीण से नगरीय क्षेत्र में होने वाले प्रवास का प्रमुख कारण बताइयें?
उत्तर–कृषि भूमि पर जनसंख्या का अधिक दबाव व निम्नस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं।

7. प्रवास–प्रवाह से आप क्या समझते हैं?
उत्तर– एक उद्‌गम तथा गन्तव्य स्थान के प्रवासियों का समूह, प्रवास प्रवाह कहलाता है।

**लघुत्तरात्मक प्रश्नोत्तर**

1. देश के कौनसे राज्य आंतरिक प्रवास के लिये प्रवासियों को सर्वाधिक आकर्षित करते हैं?
उत्तर–भारत में महाराष्ट्र, दिल्ली ,गुजरात और हरियाणा जैसे राज्य प्रवासियों को आन्तरिक प्रवास हेतु सर्वाधिक संख्या में आकर्षित करते हैं।

2. हुण्डी से आप क्या समझते हैं इसका प्रयोग किन कार्यों में होता हैं?
उत्तर–अन्तर्राष्ट्रीय व अन्तर्देशीय प्रवासियों द्वारा अपने मूल स्थान अथवा निवास स्थान पर भेजी जाने वाली धन राशि हुण्डी कहलाती है। हुण्डी का प्रयोग मुख्यतः भोजन, उपचार, ऋणों की अदायगी, कृषि निवेश, बच्चो की शिक्षा आदि कार्यों में किया जाता हैं।

3. अन्तर्राज्यीय प्रवास और अन्तः राज्यीय प्रवास में अन्तर स्पष्ट कीजिये।
उत्तर– **अन्तर्राज्यीय प्रवास**–किसी व्यक्ति स्थानान्तरण एवं प्रवास एक राज्य से दूसरे राज्य को हो जाता है उसे अन्तर्राज्यीय प्रवास कहते हैं।
**अन्तःराज्यीय प्रवास**– यदि प्रवास एक ही राज्य के अन्दर एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में हो तो यह प्रवास अन्तःराज्यीय प्रवास कहलाता हैं।

4. प्रवास के प्रमुख कारणों को समझाइए।
उत्तर– प्रवास मुख्यतः दो कारणों से होता है– (अ) अपकर्ष (ब) प्रतिकर्ष
**अपकर्ष** – यह कारक व्यक्तियों को विभिन्न स्थानों से अपनी ओर प्रवास हेतु आकर्षित करते हैं। मुख्यतः गांवों से नगरों को होता हैं। नगरों में बेहतर अवसर, स्वास्थ्य सेवाएं, उच्चवेतन, रोजगार की नियमितता, उच्चशिक्षा, मनोरंजन आदि सुविधाओं के कारण अधिक प्रवास होता हैं।
**प्रतिकर्ष** – यह कारक व्यक्तियों को अपना निवास छोड़ने हेतु बाध्य करता है। गरीबी, कृषि भूमि पर जनसंख्या का अधिक दबाव, प्राकृतिक आपदाएं, युद्व की स्थिति व अन्य स्थानीय कारक तथा मूलभूत सुविधाओं का अभाव आदि प्रतिकर्ष कारक है।

5. विदेशो में भारतीय प्रसार से आप क्या समझते हैं?
उत्तर–वर्ष 1960 के बाद भारत से बड़ी संख्या में पश्चिम एशियाई देशों में तेल वृद्धि द्वारा जनित श्रमिकों की मांग के कारण अर्द्धकुशल व कुशल श्रमिकों का प्रवास हुआ, इसके अलावा कुछ उद्यमियों, भंडार मालिकों, व्यावसायियों का पश्चिमी देशों की ओर प्रवास हुआ। वर्ष 1980 के बाद भारत से डॉक्टरों, सॉफ्टवेयर, अभियंताओं, प्रबंधन एवं वित्तीय विशेषज्ञों तथा संचार माध्यमों से जुड़ें व्यक्तियों का संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, यूके, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड जैसे देशों में प्रवास हुआ।

CBEO BHINDER UDAIPUR

# पाठ–4 : मानव बस्ती

1. मानव अधिवास से अभिप्राय है? या मानव निवास की मूलभूत ईकाई है –
   (क) कच्चे मकान (झोपड़ी) से (ख) पक्के मकान से
   (ग) आलीशान बंगला (कोठी) से (घ) उपरोक्त सभी (घ)
2. मानव अधिवास का रूप नहीं है?
   (क) मकान (ख) नगर (ग) गांव (घ) गलियां (घ)
3. निम्न में से कौनसा नगर नदी तट पर अवस्थित नही हैं ?
   (क) आगरा (ख) पटना (ग) भोपाल (घ) कोलकत्ता (ग)
4. भारत की जनगणना के अनुसार निम्न में से कौनसी एक विशेषता नगर की परिभाषा का अंग नही है ?
   (क) जन संख्या धनत्व 400 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी.
   (ख) नगर पालिका, निगम का होना ।
   (ग) 75 प्रतिशत से अधिक जन संख्या का प्राथमिक खण्ड में संलग्न होना।
   (घ) जन संख्या आकार 5000 व्यक्तियों से अधिक (ग)
5. निम्नलिखित में से नगरों का कौनसा वर्ग अपने पदानुक्रम के अनुसार क्रमबद्ध है ?
   (क) वृहत मुम्बई, बेगलूरू, कोलकाता, चैन्नई
   (ख) कोलकाता, वृहत मुम्बई, चैन्नई, बेगलूरू
   (ग) दिल्ली, वृहत मुम्बई, चैन्नई, कोलकाता
   (घ) वृहत मुम्बई, कोलकाता, दिल्ली, चैन्नई (ग)
6. मानव बस्ती किसे कहते हैं ?

उत्तर किसी भी प्रकार और आकार के घरों के समूह को मानव बस्ती कहते हैं ।

7. मानव अधिवास उत्पत्ति के आधार पर कितने प्रकार के होते हैं?

उत्तर दो प्रकार (1) अस्थायी आवास (2) स्थायी आवास

8. अस्थायी आवास बनाने वाली भारतीय जनजाति हैं?

उत्तर नागा जनजाति (पूर्वोत्तर भारत)

9. स्थायी अधिवासो का विकास कब हुआ?

उत्तर स्थायी अधिवासो का विकास स्थायी कृषि के साथ हुआ।

10. गांव किसे कहते हैं?

उत्तर विरल रूप से अवस्थित छोटी बस्तियां जो कृषि अथवा अन्य प्राथमिक क्रियाकलापों में विशिष्टता प्राप्त कर लेती हैं।

11. नगरीय बस्तियां किसे कहते हैं?

उत्तर सघन एवं बडे अधिवास, द्वितीयक और तृतीयक क्रियाकलापों में विशेषीकृत होते है, उन्हे नगरीय बस्तियां कहते हैं ।

12. ग्रामीण बस्तियों के विभिन्न प्रकारो हेतु उत्तरदायी कारक कौनसे हैं ?
   (1) भू–भाग का भौतिक लक्षण
   (2) सांस्कृतिक और मानवजनित कारक
   (3) सुरक्षा संबंधी कारक ।
13. भारत की ग्रामीण बस्तियों के मुख्य रूप से कितने प्रारूप हैं ?

उत्तर चार प्रारूप ।

   (1) गुच्छित या संकुलित बस्तियां
   (2) अर्द्ध गुच्छित अथवा विखण्डित ।
   (3) पल्लीकृत
   (4) परिशिप्त अथवा एकाकी बस्तियां

14. गुच्छित बस्तियां भारत में कहां मिलती हैं ?

उत्तर गुच्छित बस्तियां मध्य भारत के बुंदेलखण्ड एवं नागालैण्ड में मिलती है।

15. अर्द्ध गुच्छित बस्तियों का प्रारूप कब विकसित होता हैं ?

उत्तर अर्द्ध गुच्छित बस्तियां किसी बडे संहत गांव के संपृथकन अथवा विखण्डन से विकसित होती हैं ।

16. अर्द्ध गुच्छित बस्तियां कहा पायी जाती हैं ?

उत्तर अर्द्ध गुच्छित बस्तियां गुजरात के मैदान और राजस्थान के कुछ भागो में व्यापक रूप से पायी जाती है।

17. पल्ली बस्तियां किसे कहते हैं ?

उत्तर जब बस्ती भौतिक रूप सक एक दूसरे से पृथक अनेक ईकाईयों में बंट जाती है, किन्तु उन सबका नाम एक रहता है ।

CBEO BHINDER UDAIPUR

18. पल्ली बस्तियों को स्थानीय स्तर पर किन–किन नामो से जाना जाता हैं ?

उत्तर पल्ली बस्तियों को स्थानीय स्तर पर पान्ना, पाडा, पाली, नगला, ढाणी, मझरा, फला आदि के नाम से जाना जाता है।

19. पल्ली बस्तियां मुख्य रूप से कहां पायी जाती हैं ?

उत्तर पल्ली बस्तियां मुख्य रूप से मध्य और निम्न गंगा के मैदान, छत्तीसगढ और हिमालय की निचली घाटियों में बहुतायत में पाये जाते है।

20. परिक्षिप्त बस्तियों का प्रारूप बताईयें ?

उत्तर परिक्षिप्त बस्तियां (एकाकी बस्ती) सुदूर जंगलो में एकाकी झोपडियों की पल्ली अथवा छोटी पहाडियों की ढालो पर खेतो एवं चरागहो के रूप में मिलती है।

21. परिक्षिप्त बस्तियां कहां पायी जाती हैं ?

उत्तर परिक्षिप्त (एकाकी) बस्तियां भारत के मेघालय, उत्तराखण्ड, हिमालय प्रदेश और केरल के अनेक भागो में पायी जाती है।

22. परिक्षिप्त (एकाकी) बस्तियां किस कारण बनती हैं ?

उत्तर परिक्षिप्त बस्तियां प्रायः भू–भाग और निवास योग्य क्षेत्रों के भूमि संसाधन की अत्यधिक विखण्डित प्रकृति के कारण होता हैं ।

23. **गैरिसन नगर** क्या होते हैं?

उत्तर गैरिसन नगर सैनिक छावनी को कहते हैं।

24. भारत के सबसे प्राचीन नगरो के नाम लिखियें?

उत्तर वाराणसी, प्रयाग (इलाहाबाद) पाटलिपुत्र (पटना) मदुरई आदि 2000 वर्ष प्राचीन नगर है।

25. भारत की नगरीय जनसंख्या कितनी है एवं कुल जनसंख्या का कितना प्रतिशत है?

उत्तर भारत की नगरीय जनसंख्या 37.71 करोड एवं 31.16 प्रतिशत (2011) है।

26. भारत में 2011 की जनगणना के अनुसार नगरो की संख्या कितनी हैं?

उत्तर भारत में कुल नगरो की संख्या 6,171 है।

27. जन संख्या के आधार पर नगरो का वर्गीकरण कीजिये ।

उत्तर

| **जनसंख्या** | **नाम** |
|---|---|
| 100,000 से अधिक | नगर |
| 10 लाख से 50 लाख तक | महानगर |
| 50 लाख से अधिक | मेगानगर |

28. महानगर तथा मेगानगर क्या हैं ?

उत्तर महानगर तथा मेगानगर एक नगरीय संकुल है।

29. नगरीय संकुल में किसका समावेश होना हैं ?

उत्तर (1) एक नगर और उसका संलग्न नगरीय बहिर्बद्ध।
(2) दो अथवा अधिक संस्पर्शी नगर ।
(3) एक अथवा अधिक संलग्न नगरो के बहिर्बद्ध से युक्त एवं संस्पर्शी प्रसार ।

30 प्रशासनिक नगर किसे कहते हैं?

उत्तर उच्चतर क्रम में प्रशासनिक मुख्यालयों (राजधानी) वाले शहरो को प्रशासनिक नगर कहते है। जैसे चण्डीगढ, नई दिल्ली, जयपुर, भोपाल आदि ।

31. परिवहन नगर किसे कहते हैं ?

उत्तर आंतरिक परिवहन की धूरियां जैसे मुगलयसराय, इटारसी कटनी एवं आयात–निर्यात के केन्द्र को पत्तन नगर जैसे मुम्बई, कांडला, कोलकात्ता आदि ।

32. प्रकार्यात्मक क्षेत्र के आधार पर नगरो का वर्गीकरण कीजिये ।

(1) प्रशासनिक नगर (2) औद्यौगिक नगर
(3) खनन् नगर (4) परिवहन नगर
(अ) पतन नगर (6) पर्यटन नगर (7) शैक्षिक नगर

33. **स्मार्ट सिटी** मिशन का क्या उद्देश्य हैं ?

उत्तर स्मार्ट सिटी मिशन शहरो को आधार भूत सुविधा, साफ तथा सतत पर्यावरण और अपने नागरिको को बेहतर जीवन प्रदान कराना है। इस योजना में सतत तथा समग्र विकास पर ध्यान केन्द्रित किया गया है।

34. निम्न को सुमेलित कीजिये –

(1) प्रशासनिक नगर – भिलाई
(2) औद्यौगिक नगर – चण्डीगढ
(3) शैक्षिक नगर – शिमला
(4) पर्यटन नगर – रूडकी

CBEO BHINDER UDAIPUR

उत्तर (1) प्रशासनिक नगर – चण्डीगढ
(2) औद्यौगिक नगर – भिलाई
(3) शैक्षिक नगर – रूडकी
(4) पर्यटन नगर – शिमला

35 ग्रामीण अधिवासो के मुख्य प्रकार कौनसे है?

उत्तर 1 सघन/गुच्छित/पुंजित/संहत/सकेंन्द्रित/संकुलित अधिवास
2 प्रकीर्ण/एकाकी अधिवास
3 मिश्रित अधिवास/अर्धसघन/अर्धकेन्द्रिय अधिवास
4 पल्ली/पुराना अधिवास

36 गंगा–सतलज के मैदान, मालवा के पठार में किस प्रकार के अधिवास पाये जाते है?

उत्तर सघन अधिवास

37 प्रकीर्ण अधिवास कि प्रमुख विशेषता कौनसी है?

उत्तर अधिवास छितरे हुए तथा बिखरे हुए होते है

38 दक्षिणी राजस्थान के उदयपुर, राजसमंद, डूंगरपुर, प्रतापगढ तथा मरूस्थलीय प्रदेश में किस प्रकार केअधिवास पाये जाते है?

उत्तर प्रकीर्ण या एकाकी अधिवास।

39 ग्रामीण और नगरीय बस्तियों में कोई दो आधारभूत अंतर बताइये ?

उत्तर ग्रामीण और नगरीय बस्तियों में आधारभूत अंतर निम्नलिखित हैं।

| ग्रामीण बस्तियाँ | नगरीय बस्तियाँ |
|---|---|
| ग्रामीण बस्तियाँ अपने जीवन का पोषण अथवा आधारभूत आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति भूमि आधारित प्राथमिक आर्थिक क्रियाओं से करती हैं | नगरीय बस्तियाँ एक ओर कच्चे माल के प्रक्रमण और तैयार माल के विनिर्माण तथा दूसरी ओर विभिन्न प्रकार की सेवाओं पर निर्भर करती हैं। |
| ग्रामीण लोग कम गतिशील होते हैं और इसलिए उनमें सामाजिक संबंध घनिष्ठ होते हैं। | नगरीय क्षेत्रों में जीवन का ढंग जटिल और तीव्र होता है और सामाजिक संबंध औपचारिक होते हैं। |

40 भारत की ग्रामीण बस्तियों के प्रकारों का नाम बताते हुए वर्णन किजिये ?

उत्तर भारत की ग्रामीण बस्तियों को चार प्रकारों में रखा जा सकता है

- गुच्छित, संकुलित अथवा आकेंद्रित
- अर्ध–गुच्छित अथवा विखंडित
- पल्लीकृत और
- परिक्षिप्त अथवा एकाकी

**गुच्छित बस्तियाँ -** गुच्छित ग्रामीण बस्ती घरों का एक संहत अथवा संकुलित रूप से निर्मित क्षेत्र होता है। इस प्रकार के गाँव में रहन–सहन का सामान्य क्षेत्र स्पष्ट और चारों ओर फेले खेतों, खलिहानों और चरागाहों से पृथक होता है। संकुलित निर्मित क्षेत्र और इसकी मध्यवर्ती गलियाँ कुछ जाने–पहचाने प्रारूप अथवा ज्यामितीय आकृतियाँ प्रस्तुत करते हैं जैसे कि आयताकार, अरीय, रैखिक इत्यादि। ऐसी बस्तियाँ प्रायः उपजाऊ जलोढ़ मैदानों और उत्तर–पूर्वी राज्यों में पाई जाती है। कई बार लोग सुरक्षा अथवा प्रतिरक्षा कारणों से संहत गाँवों में रहते हैं, जैसे कि मध्य भारत के बुंदेलखंड प्रदेश और नागालैंड में। राजस्थान में जल के अभाव में उपलब्ध जल संसाधनों के अधिकतम उपयोग ने संहत बस्तियों को अनिवार्य बना दिया है।

**अर्ध–गुच्छित बस्तियाँ –** अर्ध–गुच्छित अथवा विखंडित बस्तियाँ परिक्षिप्त बस्ती के किसी सीमित क्षेत्र में गुच्छित होने की प्रवृत्ति का परिणाम है। अधिकतर ऐसा प्रारूप किसी बड़े संहत गाँव के संपृथकन अथवा विखंडन के परिणामस्वरूप भी उत्पन्न हो सकता है। ऐसी स्थिति में ग्रामीण समाज के एक अथवा अधिक वर्ग स्वेच्छा से अथवा बलपूर्वक मुख्य गुच्छ अथवा गाँव से थोड़ी दूरी पर रहने लगते हैं।

**पल्ली बस्तियाँ –** कई बार बस्ती भौतिक रूप से एक–दूसरे से पृथक अनेक इकाइयों में बँट जाती है किन्तु उन सबका नाम एक रहता है। इन इकाइयों को देश के विभिन्न भागों में स्थानीय स्तर पर पान्ना, पाड़ा, पाली, नगला, ढाँणी इत्यादि कहा जाता है। किसी विशाल गाँव का ऐसा खंडी भवन प्रायः सामाजिक एवं मानव जातीय कारकों द्वारा अभिप्रेरित होता है। ऐसे गाँव मध्य और निम्न गंगा के मैदान, छत्तीसगढ़ और हिमालय की निचली घाटियों में।

CBEO BHINDER UDAIPUR

**परिक्षिप्त बस्तियाँ** – भारत में परिक्षिप्त अथवा एकाकी बस्ती प्रारूप सुदूर जंगलों में एकाकी झोंपड़ियों अथवा झोंपड़ियों की पल्ली अथवा छोटी पहाड़ियों की ढालों पर खेतों अथवा चरागाहों के रूप में दिखाई पड़ता है।

41 भारतीय नगरों को वर्गीकृत किजिये ?

उत्तर भारतीय नगरों को मोटे तौर पर निम्नलिखित प्रकार से वर्गीकृत किया जाता है –

**प्रशासन शहर और नगर** –उच्चतर प्रशासनिक मुख्यालयों वाले शहरों को प्रशासन नगर कहते हैं, जैसे कि चंडीगढ़, नई दिल्ली, भोपाल, शिलांग,गुवाहाटी, इंम्फाल, श्रीनगर, गांधि नगर, जयुपर, चेन्नई इत्यादि।

**औद्योगिक नगर** – मुंबई, सेलम, कोयंबटूर, मोदीनगर, जमशेदपुर, हुगली, भिलाई इत्यादि के विकास का प्रमुख अभिप्रेरक बल उद्योगों का विकास रहा है।

**परिवहन नगर** –ये पत्तन नगर जो मुख्यतः आयात और निर्यात कार्यों में संलग्न रहते हैं, जैसे कांडला, कोच्चि, कोझीकोड, विशाखापट्नम इत्यादि अथवा आंतरिक परिवहन की धुरियाँ जैसे धुलिया, मुगलसराय, इटारसी, कटनी इत्यादि हो सकते हैं।

**वाणिज्यिक नगर** –व्यापार और वाणिज्य में विशिष्टता प्राप्त शहरों और नगरों को इस वर्ग में रखा जाता है। कोलकाता, सहारनपुर, सतना इत्यादि कुछ उदाहरण हैं।

**खनन नगर** –ये नगर खनिज समृद्ध क्षेत्रों में विकसित हुए हैं जैसे रानीगंज, झरिया, डिगबोई, अंकलेश्वर, सिंगरौली इत्यादि।

**गैरिसन (छावनी) नगर** –इन नगरों का उदय गैरिसन नगरों के रूप में हुआ है, जैसे अंबाला, जालंधर, महू, बबीना, उधमपुर इत्यादि।

**धार्मिक और सांस्कृतिक नगर** –वाराणसी, मथुरा, अमृतसर, मदुरै, पुरी, अजमेर, पुष्कर, तिरुपति, कुरुक्षेत्र, हरिद्वार, उज्जैन अपने धार्मिक/सांस्कृतिक महत्त्व के कारण प्रसिद्व हुए।

**शैक्षिक नगर** –मुख्य परिसर नगरों में से कुछ नगर शिक्षा केंद्रों के रूप में विकसित हुए जैसे रुड़की, वाराणसी, अलीगढ़, पिलानी, इलाहाबाद।

**पर्यटन नगर** –नैनीताल, मसूरी, शिमला, पचमढ़ी, जोधपुर, जैसलमेर, माउंट आबू कुछ पर्यटन गंतव्य स्थान हैं। नगर अपने प्रकार्यों में स्थिर नहीं है उनके गतिशील स्वभाव के कारण प्रकार्यों में परिवर्तन हो जाता है।

42 **स्मार्ट सिटी** मिशन से आप क्या समझते है ?

उत्तर स्मार्ट सिटी मिशन का उद्देश्य शहरों को बढ़ावा देना है जो आधरभूत सुविधा, तथा सतत पर्यावरण और अपने नागरिकों को बेहतर जीवन प्रदान करते हैं। स्मार्ट शहरों की एक विशेषता आधरभूत सुविधाओं और सेवाओं के लिए स्मार्ट समाधानों को लागू करना है। जिससे क्षेत्रों को प्राकृतिक आपदाओं के कम जोखिम वाले क्षेत्रों के रूप में बनाया जा साथ ही साथ कम संसाधनों का उपयोग तथा सस्ती सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा सके। इस योजना में सतत तथा समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इस योजना का उद्देश्य एक ऐसे सघन क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना है जो एक मॉडल के रूप में अन्य बढ़ते हुए शहरों के लिए लाइट हाउस का काम करे।

CBEO BHINDER UDAIPUR

# भूसंसाधन तथा कृषि

प्रश्न 1 शस्य गहनता को नियन्त्रित करने वाला प्रमुख कारक है

(क) सिंचाई (ख) उर्वरक

(ग) कृषि का यन्त्रीकरण (घ) उपर्युक्त सभी उत्तर: (घ) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 2 खरीफ की फसल का समय है

(क) जून से सितम्बर (ख) अक्टूबर से मार्च

(ग) अप्रैल से जून (घ) इनमें से कोई नहीं उत्तर:(क) जून से सितम्बर

प्रश्न 3 रबी की फसल का समय है

(क) जून से सितम्बर (ख) अक्टूबर से मार्च

(ग) अप्रैल से जून (घ) इनमें से कोई नहीं उत्तर: (ख) अक्टूबर से मार्च

प्रश्न 4 अप्रैल से जून के मध्य का समय किस कृषि ऋतु का है

(क) रबी (ख) खरीफ

(ग) जायद (घ) इनमें से कोई नहीं उत्तर: (ग) जायद

प्रश्न 5 शुष्क फसल है

(क) बाजरा (ख) मूंग

(ग) चना (घ) उपर्युक्त सभी उत्तर: (घ) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 6 पश्चिम बंगाल में चावल की बोई जाने वाली फसल है

(क) औस (ख) अमन

(ग) बोरो (घ) उपर्युक्त सभी उत्तर: (घ) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 7 मोटे अनाज में शामिल किया जाता है

(क) ज्वार (ख) मक्का

(ग) जौ (घ) उपर्युक्त सभी उत्तर: (घ) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 8 भारत में पैदा होने वाला मुख्य तिलहन है

(क) मूंगफली (ख) सरसों

(ग) तिल (घ) उपर्युक्त सभी उत्तर: (घ) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 9 भारत में उगाई जाने वाली प्रमुख दाल है

(क) चना (ख) मूंग

(ग) उड़द (घ) उपर्युक्त सभी उत्तर: (घ) उपर्युक्त सभी

प्रश्न10 स्टार्च, कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन तथा वसा की भरपूर मात्रा किसमें होती है

(क) मक्का (ख) बाजरा

(ग) ज्वार (घ) गेहूँ। उत्तर: (क) मक्का

प्रश्न 11 निम्न में से कौन-सा भू-उपयोग संवर्ग नहीं है

(क) परती भूमि (ख) सीमान्त भूमि

(ग) निवल बोया क्षेत्र (घ) कृषि योग्य व्यर्थ भूमि। उत्तर: (ख) सीमान्त भूमि।

प्रश्न 12 पिछले 40 वर्षों में वनों का अनुपात बढ़ने का निम्न में से कौन-सा कारण है

(क) वनीकरण के विस्तृत व सक्षम प्रयास (ख) सामुदायिक वनों के अधीन क्षेत्र में वृद्धि

(ग) वन बढ़ोतरी हेतु निर्धारित अधिसूचित क्षेत्र में वृद्धि (घ) वन क्षेत्र प्रबन्धन में लोगों की बेहतर भागीदारी।

उत्तर: (ग) वन बढ़ोतरी हेतु निर्धारित अधिसूचित क्षेत्र में वृद्धि।

प्रश्न 13 निम्न में से कौन-सा सिंचित क्षेत्रों में भू-निम्नीकरण का मुख्य प्रकार है

(क) अवनालिकाअपरदन (ख) वायु अपरदन

(ग) मृदा लवणता (घ) मृदा पर सिल्ट का जमाव। उत्तर: (ग) मृदा लवणता।

प्रश्न 14 शुष्क कृषि में निम्न में से कौन-सी फसल नहीं बोई जाती

(क) रागी (ख) मूंगफली

(ग) ज्वार (घ) गन्ना। उत्तर: (घ) गन्ना।

प्रश्न 15 निम्न में से कौन-से देशों में गेहूँ व चावल की अधिक उत्पादकता की किस्में विकसित की गई थीं

(क) जापान तथा ऑस्ट्रेलिया (ख) संयुक्त राज्य अमेरिका तथा जापान

(ग) मैक्सिको तथा फिलीपीन्स (घ) मैक्सिको तथा सिंगापुर। उत्तर: (ग) मैक्सिको तथा फिलीपीन्स।

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न.

प्रश्न 1 शस्य गहनता का क्या अर्थ है?

उत्तर: शस्य गहनता का अर्थ है कि एक कृषि वर्ष में एक ही खेत में कई फसलें उगाना।

प्रश्न 2 आर्द्र कृषि से क्या आशय है

उत्तर: आर्द्र कृषि से आशय सिंचित कृषि भूमि से है। यह कृषि प्राय :अधिक वर्षा वाले भागों और सिंचाई की सुविधा वाले भागों में की जाती है।

प्रश्न 3 साझा सम्पत्ति संसाधन का क्या अर्थ है

उत्तर: साझा सम्पत्ति संसाधन सामूहिक उपयोग हेतु राज्यों के स्वामित्व में होते हैं।

प्रश्न 4 कुल कृषि योग्य भूमि में किसे शामिल किया जाता है

उत्तर: कुल कृषि योग्य भूमि के अन्तर्गत शुद्ध बोया क्षेत्र, कुल पड़ती भूमि तथा कृषि योग्य भूमि शामिल की जाती है।

प्रश्न 5 भूमि उपयोग का क्या अर्थ है

उत्तर: पृथ्वी के किसी भू-भाग का उसकी वर्तमान उपयोगिता के आधार पर किया जाने वाला वर्गीकरण' भूमि उपयोग 'कहलाता है।

प्रश्न 6 भू-उपयोग सम्बन्धी अभिलेख कौन रखता है

उत्तर: भू-उपयोग सम्बन्धी अभिलेख भू-राजस्व विभाग रखता है।

प्रश्न 7 वर्गीकृत वन से क्या आशय है

उत्तर: वर्गीकृत वन वह क्षेत्र है, जिसका सीमांकन सरकार द्वारा इस प्रकार किया जाता है कि वहाँ पर वन विकसित हो सके।

प्रश्न 8 गैर-कृषि कार्यों में प्रयुक्त भूमि से क्या आशय है

उत्तर: गैर-कृषि कार्यों में प्रयुक्त भूमि में वह भूमि आती है जो कृषि के अतिरिक्त अन्य कार्यों के लिए उपयोग की जाती है।

प्रश्न 9 बंजर व व्यर्थ भूमि से क्या तात्पर्य है

उत्तर: बंजर व व्यर्थ भूमि, अनुपजाऊ भूमि है जो कि कृषि के योग्य नहीं है। ऐसी भूमि पहाड़ों, मरुस्थलों, खड्ड आदि में होती है।

प्रश्न 10 भूमि उपयोग में वास्तविक वृद्धि से क्या तात्पर्य है

उत्तर: भूमि उपयोग में वास्तविक वृद्धि दो समय कालों के बीच भू-उपभागों संवर्गों के अन्तर को कहते हैं।

प्रश्न 11 स्वामित्व के आधार पर भूमि को वर्गीकृत कीजिए।

उत्तर: स्वामित्व के आधार पर भूमि को दो मोटे वर्गों में वर्गीकृत किया जाता है
निजी भूमि, एवं साझा भूमि।

प्रश्न 12 शस्य गहनता को प्रभावित करने वाले कारक बताइए।

उत्तर: शस्य गहनता को प्रभावित करने वाले कारक हैं-सिंचाई, उर्वरक, उन्नत बीज, कृषि का यन्त्रीकरण तथा कीटनाशक दवाइयों का प्रयोग आदि।

लघुत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1 शस्य गहनता से आप क्या समझते हैं

उत्तर: शस्य गहनता-शस्य गहनता सकल फसलगत क्षेत्र तथा शुद्ध बोए गए क्षेत्र का अनुपात होता है। इसे प्रतिशत में व्यक्त किया जाता है।

$$\text{शस्य गहनता} = \frac{\text{सकल बोया गया क्षेत्र}}{\text{निवल बोया गया क्षेत्र}} \times 100$$

प्रश्न 3 आर्द्र कृषि की विशेषताओं को समझाइए।

उत्तर: आर्द्र कृषि की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं

- आर्द्र कृषि का अभिप्राय सिंचित कृषि से है।
- यह कृषि 150 से 200 सेमी वर्ष वाले क्षेत्रों में की जाती है।
- इस कृषि में ऐसी फसलें उत्पन्न की जाती हैं जिनके लिए अधिक वर्षा की आवश्यकता होती हैय जैसे-चावल, चाय, रबड़ आदि।
- यह कृषि असम, केरल आदि राज्यों में की जाती है।

प्रश्न 4 शुष्क कृषि की विशेषताओं को समझाइए।

उत्तर: शुष्क कृषि की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं

- शुष्क कृषि 50 से 75 सेमी की वर्षा वाले क्षेत्रों में की जाती है।
- इन क्षेत्रों में सिंचाई सुविधाओं का अभाव होता है।
- इन क्षेत्रों में ऐसी फसलें बोई जाती हैं जिन्हें कम पानी की आवश्यकता होती है।
- भूमि में नमी बनाए रखने के लिए कृषक अनेक विधियाँ अपनाते हैं।
- राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र आदि राज्यों में शुष्क कृषि मुख्य रूप से की जाती है।

प्रश्न 6 पश्चिम बंगाल में चावल की फसलों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर: पश्चिम बंगाल में चावल की प्रमुख तीन फसलें निम्नलिखित हैं

- औस – यह मई-जून में बोई जाती है व सितम्बर-अक्टूबर में काटी जाती है।
- अमन -जून – जुलाई में बोई जाती है व नवम्बर-दिसम्बर में काटी जाती है। यहाँ का 85 प्रतिशत चावल अमन से प्राप्त होता है।
- बोरो – यह कम उपजाऊ व दलदली भूमि पर नवम्बर-दिसम्बर में बोई जाती है व मार्च-अप्रैल में काटी जाती है।

प्रश्न 8 भारत में कृषि उत्पादकता अभी भी कम क्यों है

उत्तर: भारत में कृषि उत्पादकता कम होने के प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं

- मानसूनी वर्षा – भारत एक मानसून देश है। मानसून वर्षा की अनियमितता व अनिश्चितता कृषि उत्पादकता कम होने का प्रमुख कारण है।
- आर्थिक कारक – भारतीय कृषक गरीब हैं, अत :अच्छे बीज, उर्वरक, प्रौद्योगिकी आदि का उपयोग नहीं कर पाते हैं।
- जनसंख्या – जनसंख्या के बढ़ते दबाव के कारण खेतों का छोटा तथा बिखरा होना भी कृषि की निम्न उत्पादकता का कारण है।
- प्रौद्योगिक कारक – भारत में आज भी परम्परागत तरीकों से कृषि की जाती है। उन्नत प्रौद्योगिकी के अभाव में यहाँ कृषि उत्पादकता कम है।

प्रश्न 9 भारत में साझा सम्पत्ति की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर: भारत में साझा सम्पत्ति की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं

- साझा सम्पत्ति सबकी होती है और इसका स्वामित्व राज्य सरकार का होता है।
- यह भूमि सामुदायिक उपयोग के लिए होती है।
- सामुदायिक वन, चरागाह, ग्रामीण जलीय क्षेत्र, चौपाल तथा अन्य सार्वजनिक स्थान साझा सम्पत्ति संसाधनों के उदाहरण हैं।
- इन भूमियों का ग्रामीण क्षेत्रों में भूमिहीन छोटे किसानों तथा अन्य आर्थिक दृष्टि से कमजोर तबके के लोगों के गुजर-बसर में विशेष महत्त्व है।

प्रश्न 10 भारत में भू-निम्नीकरण के लिए उत्तरदायी कारकों को समझाइए।

उत्तर: भारत में भू-निम्नीकरण के लिए उत्तरदायी कारक निम्नलिखित हैं

- जलाक्रान्ति) जल भराव – (सिंचाई के निम्न क्षेत्रों में जल भराव हो जाता है जिससे भूमि का उपयोग नहीं किया जा सकता।
- निक्षालन – अत्यधिक वर्षा के कारण भूमि पर निक्षालन की स्थिति बन जाती है जिससे भूमि उपयोग में नहीं लाई जा सकती।
- मृदाअपरदन – मृदाअपरदन में कृषि योग्य भूमि की मृदा पवन तथा जल द्वारा बह जाती है और भूमि अनुपयोगी हो जाती है।
- रासायनिक पदार्थों का प्रयोग – कृषि में प्रयोग में लाए गए रासायनिक पदार्थ तथा अन्य तत्त्व भूमि निम्नीकरण में सहायक हैं।

प्रश्न 11 खाद्यान्न व खाद्य फसलों में अन्तर कीजिए।

उत्तर: खाद्यान्न – जिन अनाजों का उपयोग भोजन के लिए किया जाता है उन्हें खाद्यान्न कहते हैं। गेहूँ, चावल, ज्वार, बाजरा आदि को खाद्यान्न कहते हैं।

खाद्य फसलें – खाद्य फसलों में वे फसलें शामिल हैं जिनसे खाने के लिए अनेक प्रकार की सामग्री मिलती हैं। अनाज, दालें, तिलहन तथा सब्जियाँ आदि खाद्य फसलें हैं।

प्रश्न 12 गन्ने का उत्पादक क्षेत्र उत्तरी भारत में संकेन्द्रित क्यों है

उत्तर: गन्ने के उत्पादक क्षेत्र के उत्तरी भारत में संकेन्द्रित होने के कारण-मुख्य रूप से भारत में गन्ना $8^0$ से $32^0$ उत्तरी अक्षांशों के मध्य बोया जाता है। यद्यपि दक्षिण भारत में तापमान की दशाएँ गन्ने की कृषि के लिए अत्यन्त उपयुक्त है तथापि नमी के कारण यहाँ की फसल सामान्य नहीं होती। केरल के तटीय मैदान जलवायु की दृष्टि से गन्ने की कृषि के लिए श्रेष्ठ हैं। इसी तरह कृष्णा और गोदावरी नदियों के डेल्टा प्रदेश सिंचाई की सुविधाओं और उपजाऊ जलोढ़ मिट्टी के कारण गन्ने के लिए बहुत उपयुक्त हैं, लेकिन यहाँ प्राय :चक्रवात आते रहते हैं जिससे गन्ने की फसल को हानि होती है। गन्ने की कृषि में दक्षिणी भारत की तुलना में उत्तरी भारत में लागत कम आती है। यही कारण है कि गन्ने के उत्पादक क्षेत्र उत्तरी भारत में संकेन्द्रित हैं।

प्रश्न 13 बंजर भूमि तथा कृषि योग्य व्यर्थ भूमि में अन्तर स्पष्ट करें।

उत्तर: बंजर भूमि – यह अनुपजाऊ भूमि है, जो कृषि योग्य नहीं है। ऐसी भूमि पहाड़ों, मरुस्थलों, खड्ड आदि में होती है।
कृषि योग्य व्यर्थ भूमि – इस वर्ग में उस भूमि को शामिल किया जाता है, जिस पर पिछले पाँच वर्षों अथवा इससे अधिक समय तक कृषि नहीं की गई है। आधुनिक प्रौद्योगिकी के प्रयोग से इसे कृषि योग्य बनाया जा सकता है।

प्रश्न 14 निवल बोया गया क्षेत्र तथा सकल बोया गया क्षेत्र में अन्तर बताएँ।

उत्तर: निवल बोया गया क्षेत्र – वर्ष में फसलगत क्षेत्र को निवल बोया गया शुद्ध क्षेत्र कहते हैं।
सकल बोया गया क्षेत्र – निवल बोया गया क्षेत्र तथा एक से अधिक बार बोया गया क्षेत्र का योग सकल बोया गया क्षेत्र होता है।

प्रश्न 15 भारत जैसे देश में गहन कृषि नीति अपनाने की आवश्यकता क्यों है

उत्तर: जनसंख्या वृद्धि के कारण अधिक अन्न उत्पादन करने के लिए फसल गहनता में वृद्धि की विधि आवश्यक है। इस विधि के द्वारा भूमि की कम मात्रा में एक वर्ष में अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

प्रश्न 16 शुष्क कृषि तथा आर्द्र कृषि में क्या अन्तर है

उत्तर: सामान्यतः 75 सेमी से कम वर्षा वाले क्षेत्रों में शुष्क कृषि तथा इससे अधिक वर्षा वाले प्रदेशों में आर्द्र कृषि की जाती है।

<u>निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दें.</u>

प्रश्न 1 भारत में भू-संसाधनों की विभिन्न प्रकार की पर्यावरणीय समस्याएँ कौन-सी हैं उनका निदान कैसे किया जाए

उत्तर: कृषि भूमि पर बढ़ते दबाव के कारण कई तरह की पर्यावरणीय समस्याएँ उत्पन्न हो जाती हैं। ये समस्याएँ हैं.

1 अनियमित मानसून पर निर्भरता – देश के कृषि क्षेत्र के केवल एक-तिहाई भाग को सिंचाई सुविधा प्राप्त है। दो-तिहाई कृषि क्षेत्र फसलों के उत्पादन के लिए सीधे-सीधे वर्षा पर निर्भर करता है। देश के अधिकांश भागों में वर्षा मानसून पवनों से होती है। यह मानूसनी वर्षा भी अनियमित व अनिश्चित होती है जिससे सिंचाई के लिए उपलब्ध नहरों के जल की आपूर्ति प्रभावित होती है।
समस्या का निदान – देश में सिंचाई सुविधाओं के विकास पर जोर दिया जाना चाहिए।

2 बाढ़ तथा सूखा – सूखा व बाढ़ भारतीय कृषि के लिए जुड़वाँ संकट बने हुए हैं। कम वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्रों में सूखा तो आम बात है ही, लेकिन यहाँ कभी-कभी बाढ़ भी आ जाती है। सूखाग्रस्त क्षेत्रों में जहाँ कृषि निम्न अवस्था में होती है, वहीं दूसरी तरफ बाढ़ कृषि अवसंरचना को नष्टप्राय कर देती है और करोड़ों रुपये की फसलें भी बहा ले जाती है।

प्रश्न 2 भारत में स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात् कृषि विकास की महत्त्वपूर्ण नीतियों का वर्णन करें।

उत्तर: स्वतन्त्रता प्राप्ति के तुरन्त बाद सरकार ने खाद्यान्नों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए कई उपाय किए। इन उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु निम्नलिखित तीन रणनीतियाँ अपनाई गईं

- व्यापारिक फसलों के स्थान पर खाद्यान्नों की कृषि को प्रोत्साहन देना।
- कृषि गहनता को बढ़ाना।
- कृषि योग्य बंजर तथा परती भूमि को कृषि भूमि में परिवर्तित करना।

प्रश्न 5 चावल की कृषि की उपज की दशाओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर: चावल की कृषि की उपज की दशाएँ चावल की कृषि के लिए अनुकूल उपज की दशाएँ निम्नलिखित हैं.

1 तापमान – चावल के लिए उच्च तापमान की आवश्यकता होती है। 20° से ० से कम तापमान पर तो चावल अंकुरित ही नहीं होता। इसे बोते समय 21° से०, बढ़ते समय $27^0$ से० तथा पकते समय $24^0$ से तापमान आवश्यक होता है। इसको प्रचुर मात्रा में प्रकाश की आवश्यकता होती है। लम्बा मेघाच्छादित मौसम तथा तेज हवाएँ चावल के लिए हानिकारक होती हैं।

2 जल – चावल में खेतों में 75 दिन तक पानी भरा रहना चाहिए। इसलिए चावल के लिए 150 से 200 सेमी वार्षिक वर्षा आदर्श होती है। 100 सेमी से कम वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्रों में चावल सिंचाई के द्वारा उगाया जाता है।

3 मिट्टी – चावल के लिए उपजाऊ चिकनी, जलोढ़ अथवा दोमट मिट्टी की आवश्यकता होती है, क्योंकि इसमें अधिक समय तक नमी धारण करने की शक्ति होती है।

4 श्रम – चावल की कृषि मशीनों से नहीं की जा सकतीय इसलिए इसकी कृषि के लिए अत्यधिक श्रम की आवश्यकता होती है। यही कारण है कि चावल सदा घनी जनसंख्या वाले क्षेत्रों में बोया जाता है।

5 भूमि – नदियों के डेल्टाओं तथा बाढ़ के मैदानों में चावल खूब पैदा होता है। इसकी कृषि के लिए हल्की ढाल वाले मैदानी भाग अनुकूल होते हैं।

प्रश्न 6 गन्ने की कृषि की उपज की दशाओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर: गन्ने की कृषि की उपज की दशाएँ गन्ने की कृषि की अनुकूल उपज की दशाएँ निम्नलिखित हैं-

1 तापमान – गन्ना मुख्यत: अयनवृत्तीय पौधा है। अंकुर निकलते समय 20° से तापमान लाभदायक रहता है, लेकिन इसके बढ़ने के लिए 20° से 30° से तापमान की आवश्यकता होती है। पाला गन्ने की कृषि के लिए हानिकारक होता है।

2 वर्षा – वर्षा पर निर्भर दशाओं में गन्ना केवल आर्द्र और उपार्द्र जलवायु वाले क्षेत्रों में ही उगाया जा सकता है। अन्य शब्दों में, 100 से 150 सेमी वार्षिक वर्षा वाले भागों में गन्ना भली-भाँति उगाया जा सकता है, लेकिन भारत में इसकी कृषि अधिकतर सिंचित क्षेत्रों में की जा सकती है।

3 मिट्टी – गन्ने की कृषि के लिए चूना तथा फॉस्फोरसयुक्त गहरी तथा उपजाऊ मिट्टी की आवश्यकता होती है। गन्ना मिट्टी की उर्वरा-शक्ति को शीघ्र समाप्त कर देता है, अतः इसके लिए नदी-घाटियों की काँप मिट्टी सर्वश्रेष्ठ होती है, क्योंकि वहाँ प्रतिवर्ष मिट्टी की नवीन परत जम जाने से मिट्टी में उपजाऊ तत्त्व सदा उपलब्ध रहते हैं।

4 भूमि - गन्ने की खेती के लिए मैदानी भागों की आवश्यकता होती है। सागरीय वायु तथा धूप गन्ने के रस में मिठास भरते हैं इसलिए तटीय मैदान इसकी कृषि के लिए आदर्श माने जाते हैं। अच्छे जल निकास वाली भूमि गन्ने के लिए अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होती है।

5 श्रम – गन्ने की खेती के अधिकतर कार्य हाथ से होते हैंय इसलिए इसकी खेती में सस्ते तथा कुशल श्रम की आवश्यकता होती है।

प्रश्न 7 भारत में चावल के उत्पादन क्षेत्रों का वर्णन कीजिए।

उत्तर: चावल, भारत की सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण खाद्यान्न फसल है। यह मानूसनी प्रदेशों की फसल है। यहीं इसके पनपने की आदर्श दशाएँ पायी जाती हैं। चावल भारत में लगभग तीन-चौथाई मनुष्यों का भोज्य पदार्थ है।

भारत में चावल के प्रमुख उत्पादन क्षेत्र इस प्रकार हैं.

1 पश्चिम बंगाल – यह भारत का प्रमुख चावल उत्पादन करने वाला राज्य है। यहाँ बाढ़ के कारण भूमि अधिक उपजाऊ होने से खाद देने की कम आवश्यकता होती है, लेकिन कभी-कभी फसल को बाढ़ से हानि भी होती है। यहाँ के मुख्य उत्पादक जिले कूचबिहार, जलपाईगुड़ी, बांकुड़ा, मिदनापुर, दिनाजपुर, बर्द्धमान और दार्जिलिंग हैं। यहाँ चावल की तीन फसलें पैदा की जाती हैं।

2 असम – यहाँ पर चावल की कृषि ब्रह्मपुत्र और सुबनसिरी नदी की घाटियों में तथा पहाड़ी ढालों पर सर्वत्र की जाती है। यहाँ चावल की तीन फसलें पैदा की जाती हैं। गोलपाड़ा, नवगाँव, कामरूप, धरांग, शिवसागर, लखीमपुर आदि प्रमुख उत्पादक जिले हैं।

3 बिहार – यहाँ पर वर्ष में चावल की दो फसलें पैदा की जाती हैं। गया, मुंगेर, मुजफ्फरपुर, भागलपुर और पूर्णिया आदि प्रमुख उत्पादक जिले हैं।

4 उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड – उत्तर प्रदेश में पीलीभीत, सहारनपुर, देवरिया, गोंडा, बहराइच, बस्ती, रायबरेली, बलिया, लखनऊ और गोरखपुर मुख्य उत्पादक जिले हैं।

उत्तराखण्ड में हिमालय की तराई में देहरादून में चावल की खेती अत्यधिक होती है। देहरादून का बासमती चावल स्वाद एवं सुगन्ध की दृष्टि से सर्वत्र प्रसिद्ध है।

5 महाराष्ट्र – यहाँ अधिकांश चावल पश्चिमी घाट के पश्चिमी ढाल और समुद्र तटीय भागों में थाना, कोलाबा, रत्नागिरि, कनारा तथा कोंकण तट पर पैदा किया जाता है।

6 तमिलनाडु – यहाँ देश के कुल उत्पादन का 5.10 प्रतिशत चावल प्राप्त होता है। यहाँ चावल की दो फसलें पैदा की जाती हैं। यहाँ के मुख्य उत्पादक तिरुचिरापल्ली, रामनाथपुरम, थंजावूर, चिंगलपुर, उत्तरी और दक्षिणी अर्काट, मदुरै, सेलम, कोयम्बटूर और नीलगिरि जिले हैं।

7 आन्ध्र प्रदेश – यहाँ से देश का 1236 प्रतिशत चावल प्राप्त होता है। यहाँ भी दो फसलें प्राप्त की जाती हैं। प्रमुख उत्पादक जिले विशाखापत्तनम, कृष्णा, गुण्टूर, श्रीकाकुलम, नेल्लौर, चित्तूर, कड्डप्पा, कुर्नूल, अनन्तपुर, पूर्वी और पश्चिमी गोदावरी हैं।

8 अन्य – भारत में चावल उत्पादन के प्रमुख अन्य राज्य कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पंजाब, राजस्थान, ओडिशा आदि हैं।

प्रश्न 8 भारत में गेहूँ के प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों का वर्णन कीजिए।

उत्तर: भारत में चावल के बाद गेहूँ दूसरा प्रमुख अनाज है। भारत, विश्व का 12 प्रतिशत गेहूँ उत्पादन करता है। इसे रबी की ऋतुओं में बोया जाता है।

भारत में गेहूँ के प्रमुख उत्पादन क्षेत्र इस प्रकार हैं.

1 उत्तर प्रदेश – दक्षिण की पहाड़ी और पठारी भूमि को छोड़कर उत्तर प्रदेश में सर्वत्र गेहूँ की कृषि होती है। गेहूँ में अधिकांश क्षेत्रफल गंगा, यमुना, घाघरा नदियों के बीच के क्षेत्रफल में पाया जाता है। मेरठ, बुलन्दशहर, आगरा, अलीगढ़, मुजफ्फरनगर, मुरादाबाद, इटावा, फर्रुखाबाद, बदायूँ, कानपुर, फतेहपुर आदि जिलों की लगभग एक-तिहाई कृषि योग्य भूमि पर केवल गेहूँ की कृषि होती है।

2 पंजाब – यहाँ अमृतसर, लुधियाना, गुरुदासपुर, पटियाला, संगरूर, भटिण्डा, जालन्धर तथा फिरोजपुर मुख्य गेहूँ उत्पादक जिले हैं जहाँ नहरों की सहायता से सिंचाई की समुचित व्यवस्था है।

3 हरियाणा – रोहतक, अम्बाला, करनाल, जींद, हिसार तथा गुरुग्राम में गेहूँ की कृषि सिंचाई द्वारा की जाती है।

4 मध्य प्रदेश – यहाँ के मैदानी क्षेत्रों में तापी, नर्मदा, लबा, गंजल, हिरण आदि नदियों की घाटियों और मालवा पठार की काली मिट्टी के क्षेत्रों में सिंचाई द्वारा गेहूँ पैदा किया जाता है। होशंगाबाद, टीकमगढ़, इन्दौर, सागर, सिहोर, मण्डला, गुना, विदिशा, भिण्ड, रायसेन, छतरपुर, ग्वालियर, नीमच, उज्जैन, भोपाल, देवास, रीवा और जबलपुर मुख्य उत्पादक जिले हैं।

5 अन्य – भारत में अन्य प्रमुख गेहूँ उत्पादक राज्य गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, बिहार, राजस्थान एवं जम्मू-कश्मीर आदि हैं।

प्रश्न 9 भारत में कॉफी (कहवा) के उत्पादक क्षेत्रों का वर्णन कीजिए।

उत्तर: कॉफी एक उष्ण कटिबन्धीय रोपण कृषि है। भारत में विश्व का केवल 37 प्रतिशतकॉफी का उत्पादन होता है।

भारत में कॉफी के उत्पादक क्षेत्र

भारत में कॉफी के प्रमुख उत्पादक क्षेत्र निम्नलिखित है

1 कर्नाटक – यहाँ लगभग 4,600 कॉफी के बागान हैं। यहाँ कॉफी अधिकतर दक्षिणी और दक्षिण-पश्चिमी भाग में कुर्ग, शिवामोग्गा, हासन, चिकमंगलुरु और मैसूर जिलों में पैदा होती है। वर्तमान में देश के कुल उत्पादन का लगभग 557: कर्नाटक से प्राप्त होता है।

2 केरल – यहाँ कॉफी उत्पादन क्षेत्र 1,200 मीटर की ऊँचाई तक है, जहाँ वर्षा की मात्रा 200 सेमी तक होती है। प्रमुख उत्पादक क्षेत्र वामनाड, ट्रावनकोर और मालाबार जिले हैं। यहाँ से कुल उत्पादन का लगभग 24.3% प्राप्त किया जाता है।

3 तमिलनाडु – यहाँ सम्पूर्ण दक्षिण-पश्चिम में उत्तरी अर्काट जिले से लगाकर तिरुनलवैली तक यह बोयी जाती है। प्रमुख कॉफी उत्पादक क्षेत्र पालनी, शिवराय (सेलम), नीलगिरि तथा अनामलाई (कोयम्बटूर) हैं। तमिलनाडु से कुल उत्पादन का लगभग 91% प्राप्त किया जाता है।

4 महाराष्ट्र – यहाँ मुख्यतः सतारा, रत्नागिरि व कनारा जिले में कॉफी उत्पादित की जाती है।

5 आन्ध्र प्रदेश – यहाँ मुख्यतः विशाखापत्तनम जिले में कॉफी उत्पादित की जाती है।

प्रश्न 10 भारत में भू-निम्नीकरण के लिए उत्तरदायी कारकों को समझाइए।

उत्तर: भारत में भू-निम्नीकरण के लिए उत्तरदायी कारक निम्नलिखित हैं

- जलाक्रान्ति) जल भराव – (सिंचाई के निम्न क्षेत्रों में जल भराव हो जाता है जिससे भूमि का उपयोग नहीं किया जा सकता।
- निक्षालन – अत्यधिक वर्षा के कारण भूमि पर निक्षालन की स्थिति बन जाती है जिससे भूमि उपयोग में नहीं लाई जा सकती।
- मृदाअपरदन – मृदाअपरदन में कृषि योग्य भूमि की मृदा पवन तथा जल द्वारा बह जाती है और भूमि अनुपयोगी हो जाती है।
- रासायनिक पदार्थों का प्रयोग – कृषि में प्रयोग में लाए गए रासायनिक पदार्थ तथा अन्य तत्त्व भूमि निम्नीकरण में सहायक हैं।

प्रश्न 11 गन्ने का उत्पादक क्षेत्र उत्तरी भारत में संकेन्द्रित क्यों है

उत्तर गन्ने के उत्पादक क्षेत्र के उत्तरी भारत में संकेन्द्रित होने के कारण-मुख्य रूप से भारत में गन्ना 8° से 32° उत्तरी अक्षांशों के मध्य बोया जाता है। यद्यपि दक्षिण भारत में तापमान की दशाएँ गन्ने की कृषि के लिए अत्यन्त उपयुक्त है तथापि नमी के कारण यहाँ की फसल सामान्य नहीं होती। केरल के तटीय मैदान जलवायु की दृष्टि से गन्ने की कृषि के लिए श्रेष्ठ हैं। इसी तरह कृष्णा और गोदावरी नदियों के डेल्टा प्रदेश सिंचाई की सुविधाओं और उपजाऊ जलोढ़ मिट्टी के कारण गन्ने के लिए बहुत उपयुक्त हैं, लेकिन यहाँ प्राय :चक्रवात आते रहते हैं जिससे गन्ने की फसल को हानि होती है। गन्ने की कृषि में दक्षिणी भारत की तुलना में उत्तरी भारत में लागत कम आती है। यही कारण है कि गन्ने के उत्पादक क्षेत्र उत्तरी भारत में संकेन्द्रित हैं।

# अध्याय–6 : जल संसाधन

प्रश्न 1 भविष्य में मानव समाज किन परिवर्तनों का साक्षी होगा?

उत्तर भविष्य में मानव समाज जनांकिकीय परिवर्तन, जनसंख्या स्थानांतरण, प्रौद्यौगिकी उन्नति, पर्यावरणीय निम्नीकरण एवं जल अभाव आदि परिवर्तनों का साक्षी होगा।

प्रश्न 2 जल अभाव निकट भविष्य में बड़ी चुनौती बनकर उभरने की संभावना क्यों व्यक्त की जा रही है?

उत्तर जल निरंतर बढ़ती माँग, अतिउपयोग व प्रदूषण व घटती आपूर्ति के कारण जल अभाव निकट भविष्य में बड़ी चुनौती बनकर उभरने की संभावना है।

प्रश्न 3 जल संसाधन क्या है?

उत्तर धरातल के उपर व भूगर्भ के आंतरिक भागों में पाए जाने वाले समस्त जल भण्डारों को जल संसाधन कहते हैं।

प्रश्न 4 पृथ्वी के धरातल का कितने प्रतिशत भाग जल से आच्छादित है?

उत्तर 71 प्रतिशत भाग

प्रश्न 5 पृथ्वी के धरातल पर कुल जल का कितने प्रतिशत भाग अलवणीय जल है?

उत्तर 3 प्रतिशत

प्रश्न 6 भारत विश्व के धरातलीय क्षेत्रफल का लगभग कितना प्रतिशत है?

उत्तर 2.45 प्रतिशत

प्रश्न 7 भारत में विश्व के जलसंसाधन का कितना प्रतिशत जल संसाधन उपलब्ध है?

उत्तर 4 प्रतिशत

प्रश्न 8 विश्व जनसंख्या की कितनी प्रतिशत जनसंख्या भारत में पाई जाती है?

उत्तर 16 प्रतिशत

प्रश्न 9 देश में एक वर्ष में वर्षण से कुल कितना जल प्राप्त होता है?

उत्तर 4000 घन कि.मी.

प्रश्न 10 भारत में धरातलीय और पुनः पूर्तियोग्य भौमजल से कितना जल उपलब्ध है?

उत्तर 1869 घन कि.मी.

प्रश्न 11 देश में कुल उपयोगी जल संसाधन कितना है?

उत्तर 1122 घन कि.मी.

प्रश्न 12 धरातलीय जल के मुख्य स्त्रोत कौनसे हैं?

उत्तर नदियाँ, झीलें, तलैया, तालाब

प्रश्न 13 देश में कुल नदियों एवं उन सहायक नदियों जिनकी लंबाई 1.6 किमी से अधिक है की संख्या कितनी है?

उत्तर 10,360

प्रश्न 14 भारत में सभी नदी बेसिनों का औसत वार्षिक प्रवाह कितना है?

उत्तर 1869 घन किमी

प्रश्न 15 धरातलीय जल का कितना भाग उपयोग किया जा सकता हैं?

उत्तर 32 प्रतिशत भाग 690 घंन किमी

प्रश्न 16 भारत में किन नदियों के जल ग्रहण क्षेत्र बहुत बड़े हैं?

उत्तर गंगा, ब्रह्मपुत्र, सिंधु

प्रश्न 17 भारत में किन नदियों के जलग्रहण क्षेत्र देश के कुल क्षेत्र के एक तिहाई भाग पर विस्तृत हैं?

उत्तर भारत में गंगा, ब्रह्मपुत्र, और बराक नदियों के जल ग्रहण क्षेत्र देश के एक तिहाई भाग पर विस्तृत है जिनमें देश के कुल जल संसाधन का 60 प्रतिशत जल मिलता है?

प्रश्न 18 दक्षिणी भारतीय किन नदियों के वार्षिक जल प्रवाह का अधिकांश भाग को उपयोग में लिया जाता है?

उत्तर गोदावरी , कृष्णा, कावेरी

प्रश्न 19 देश में कुल पुनः पूर्तियोग्य भौमजल संसाधन कितना हैं ?

उत्तर 432 घन किमी

प्रश्न 20 भौमजल उपयोग के आधार पर कितनी श्रेणियाँ है व इनमें कौनसे राज्य सम्मिलित है

उत्तर (1) बहुत अधिक उपयोग वाले राज्यपंजाब, हरियाणा, राजस्थान, तमिलनाडु।
(2) मध्यम उपयोग वाले राज्य गुजरात, उ0प्रदेश, बिहार, त्रिपुरा, महाराष्ट्र।
(3) बहुत कम उपयोग वाले राज्य छतीसगढ़, ओडीशा, केरल।

प्रश्न 21 लैगून किसे कहते है?

उत्तर जब किसी सागरीय तट की ओर निकले दो शीर्ष भागों को या खाड़ी के अग्र सिरों को कोई रोधिका इस तरह जोडती है कि तट तथा रोधिका के मध्य सागरीय जल आवागमन लगभग बंद हो जाता है तो ऐसी आकृति को लैगून कहते हैं।

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्रश्न 22 पश्चजल किसे कहते हैं ?

उत्तर जल को उसके मार्ग में बाँध बनाकर अवरूद्ध किया जाना तथा बाँध के पीछे से एकत्रित जल को पश्चजल कहते हैं ?

प्रश्न 23 भारत में लैगून व पश्चजल कहाँ पाए जाते हैं?

उत्तर केरल, उड़ीसा व पश्चिमी बंगाल में मुख्य रूप से लैगून व पश्च जल पाए जाते हैं।

प्रश्न 24 लैगून व पश्चजल के उपयोग लिखिए

उत्तर यद्यपि इनका जल खारा होता है पर इनका उपयोग मछली पालन, चावल की कुछ निश्चित किस्मों एवं नारियल की सिंचाई में किया जाता है।

प्रश्न 25 भारत की प्रमुख बहुउद्देशीय नदी ाटी परियोंजनाओं के नाम लिखों

उत्तर भाखडा नाँगल, हीराकुण्ड ,दामोदर घाटी, नागार्जुन सागर तथा इंदिरा गांधी नहर परियोजना है।

प्रश्न 26 धरातलीय एवं भौम जल का सबसे अधिक उपयोग किस क्षेत्र में होता है।

उत्तर धरातलीय जल का 89 प्रतिशत व भौमजल का 92 प्रतिशत कृषि क्षेत्र में उपयोग होता है।

प्रश्न 27 भारत में औद्योगिक क्षेत्र में धरातलीय एवं भौमजल कितना प्रतिशत उपयोग होता है?

उत्तर औद्योगिक क्षेत्र में धरातलीय जल का 2 प्रतिशत एवं भौम जल का 5 प्रतिशत भाग उपयोग होता है।

प्रश्न 28 भविष्य में विकास के साथ किन क्षेत्रों में जल का उपयोग बढ़ने की संभावना है?

उत्तर औद्योगिक व घरेलू

प्रश्न 29 सिंचाई व्यवस्था का सबसे बडा लाभ क्या है?

उत्तर बहुफसलीकरण

प्रश्न 30 सिंचाई से क्या तात्पर्य है?

उत्तर वर्षा की कमी या अभाव के कारण शुष्क मौसम में खेतों में कृत्रिम ढंग से जल आपूर्ति की क्रिया सिंचाई कहलाती है।

प्रश्न 31 भारत में सिंचाई की आवश्यकता क्यों है ?

उत्तर
(1) देश में वर्षा के स्थानिक व सामयिक परिवर्तिता के कारण।
(2) अधिकांश भाग वर्षा विहीन व सूखा ग्रस्त होने से (इनमें उत्तर पश्चिमी भाग व दक्कन का पठार प्रमुख है।
(3) अधिकाश भागों में शीत व ग्रीष्म मे शुष्कता होने से।
(4) पर्याप्त वर्षा वालें क्षेत्र जैसे पश्चिमी बंगाल, बिहार में भी मानसून में अवर्षा एवं वर्षा की असफलता से सूखा जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है।
(5) चावल, जूट, गन्ना हेतू अत्यधिक जल की आवश्यकता सिंचाई को आवश्यक बना देती है।
(6) बहु फसलीकरण हेतू सिंचाई आवश्यक है।
(7) सिंचित भूमि की कृषि उत्पादकता असिंचित की तुलना में अधिक होना।
(8) अधिक उपज देने वाली फसल किस्मों हेतू सिंचाई आवश्यक होना ।

प्रश्न 32 हरित क्रांति किन राज्यों में अधिक सफल हुई और क्यों?

**उत्तर** पंजाब, हरियाणा एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अधिक सफल हुई क्यों कि इन प्रदेशों का सिंचाई तंत्र अधिक विकसित हैं पंजाब ,हरियाणा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कुल बोए गए क्षेत्र का 85 प्रतिशत भाग सिंचाई के अन्तर्गत आता है। कुल सिंचित क्षेत्र का 76.1 प्रतिशत भाग पंजाब में व 51.3 प्रतिशत भाग हरियाणा में कूओं व नलकूपों द्वारा सिचित है।

प्रश्न 33 भौमजल संसाधनों के अधिक उपयोग से क्या समस्या उत्पन्न हो रही है?

उत्तर
(1) जल स्तर नीचा हो गया है
(2) राजस्थान महाराष्ट्र में भूमिगतजल में फ्लोराइड की मात्रा बढ़ गई है।
(3) पश्चिमी बंगाल व बिहार में आर्सेनिक (संखिया) के संकेद्रण में वृद्धि हुई है।

प्रश्न 34 गहन सिंचाई से क्या हानि है?

उत्तर गहन सिंचाई से पंजाब, हरियाणा व उत्तर प्रदेश मे मृदा की लवणता में वृद्धि हुई है।

प्रश्न 35 संभावित जल समस्या क्या है?

उत्तर जनसंख्या बढते रहने से प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता प्रतिदिन कम होती जा रही है व उपलब्ध जल संसाधन कृषि, औद्योगिक व घरेलू निस्सरणों से प्रदूषित होते जा रहे है इससें उपयोगी जल संसाधनों की मात्रा सीमित होती जा रही है यही जल समस्या है।

प्रश्न 36 देश की दो सबसे अधिक प्रदूषित नदियां कौनसी है?

उत्तर गंगा और यमुना

प्रश्न 37 सी.पी.सी.बी. का पूरा नाम बताइये?

उत्तर सेन्ट्रल पोल्यूशन कन्ट्रोल बोर्ड (केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड)

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्रश्न 38 एस.पी.सी.बी. का पूरा नाम बताइये

उत्तर स्टेट पोल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड)

प्रश्न 39 नदियों के प्रदूषण का मुख्य स्त्रोत क्या है?

उत्तर जैव और जीवाणविक संदुषण

प्रश्न 40 यमुना नदी सबसे अधिक प्रदूषित कहाँ है?

उत्तर दिल्ली से इटावा के बीच

प्रश्न 41 देश के प्रमुख शहरों में स्थित प्रदूषित नदियों के नाम बताइये?

उत्तर
1. अहमदाबाद में साबरमती
2. लखनऊ में गोमती
3. मदुरई में काली, अडयार, कूअम, वैगई
4. हैदराबाद में मूसी
5. कानपूर व वाराणसी में गंगा।

प्रश्न 42 भौमजल प्रदूषण का प्रमुख कारण क्या है ?

उत्तर भारी विषैली धातुएँ, फ्लोराइड व नाइट्रेट

प्रश्न 43 जल प्रदूषण नियत्रंण हेतू भारत में प्रमुख कानून कौनसे है ?

उत्तर
1 जल अधिनियम 1974 प्रदूषण निवारण व नियत्रंण
2 पर्यावरण सुरक्षा अधिनियम 1986
3 जल उपकर अधिनियम 1977

प्रश्न 44 जल प्रदूषण को रोकने हेतू बनाए गए कानून किस प्रकार अपने उद्देश्य में असफल रहे है?

उत्तर जल प्रदूषण से सम्बन्धित कानून 1974,1977 व 1986 के बावजूद 1997 में प्रदूषण फैलाने वाले 251 उद्योग नदियों व झीलों के किनारे स्थापित कर दिए गए।

प्रश्न 45 जल प्रदूषण के प्रभावों को किस प्रकार समिति किया जाना चाहिए?

उत्तर जनजागरूकता द्वारा कृषि, ंरेलू व औद्योगिक विसर्जन से प्राप्त प्रदूषकों को जल में विसर्जित होने से रोककर सिमित किया जा सकता है।

प्रश्न 46 जल का पुनः उपयोग क्या है ?

उत्तर स्नान व बर्तन धोने का पानी व वाहनों को धोने का पानी बागवानी में उपयोग करना, शोधित अपशिष्ट जल का उद्योगों में शीतलन व अग्निशमन में उपयोग करना पुनः उपयोग के उदाहरण है।

प्रश्न 47 जल संभर प्रबधन क्या है ?

उत्तर जल संभर प्रंबधन का तात्पर्य धरातल और भौम जल संसाधनों के दक्ष प्रबन्धन से है इसके अंन्तर्गत बहते जल को रोकना ओर विभिन्न विधियों जैसे अतः स्त्रवण तालाब पुनर्भरण, कुओं के द्वारा भौमजल का संचयन और पुनर्भरण शामिल है।

प्रश्न 48 हरियाली योजना क्या है ?

उत्तर यह केन्द्र सरकार द्वारा प्रवर्तित जल संभर विकास परियोजना है जिसका उद्देश्य ग्रामीण जनसंख्या को पीने ,सिंचाई, मतस्य पालन और वनरोपण के लिए जल सरंक्षण के लिए योग्य बनाना है परियोजना लोगो के सहयोग से ग्राम पंचायतों द्वारा निष्पादित की जा रही है।

प्रश्न 49 नीरू मीरू क्या है ?

उत्तर नीरू मीरू (जल और आप) कार्यक्रम आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा चलाया गया कार्यक्रम है जिसमें भौम जलस्तर को ऊँचा उठाने पर कार्य किया जाता है।

प्रश्न 50 अरवारी पानी संसद क्या है ?

उत्तर अलवर राजस्थान में जनसहयोग से विभिन्न जल संग्रहण संचना, जैसे अतः स्त्रवण तालाब (जोहड़) की खुदाई की गई व रोक बाँध बनाए गए।

प्रश्न 51 तमिलनाडु सरकार ने जल संभर प्रबन्ध हेतू क्या प्रयास किए।

उत्तर किसी भी इमारत का निर्माण बिना जल संभर सरंचना बनाए नही किया जा सकता है ऐसा कानून बनाया गया है।

प्रश्न 52 वर्षाजल संग्रहण क्या है ?

उत्तर विभिन्न उपयोगों के लिए जल को रोकने व एकत्र करने की विधि वर्षा जल संग्रहण कहलाती है इसका उपयोग भूमिगत जलभृतों के पुनर्भरण के लिए किया जाता है जिसके द्वारा पानी की प्रत्येक बूंद को संरक्षित करने के लिए वर्षा जल को कुओं और गढ्ढ़ों में एकत्रित किया जाता है।

प्रश्न 53 वर्षा जल संग्रहण के क्या लाभ है ?

उत्तर
1 पानी की उपलब्धता को बढाता है।
2 भूमिगत जलस्तर को नीचा होने से रोकता है।
3 फ्लोराइड व नाइट्रेट जैसे प्रदूषकों को कम करके अवमिश्रण भूमिगत जल की गुणवत्ता बढ़ाता है।

CBEO BHINDER UDAIPUR

4 मृदा जल की गुणवता बढाता है।

5 यदि इसे जलभृतों के पुनर्भरण के लिए उपयोग किया जाता है तो तटीय क्षेत्रों में लवणीय जल के प्रवेश को रोकता है।

प्रश्न 54 कुण्ड अथवा टाँका क्या है?

उत्तर राजस्थान में वर्षाजल संग्रहण का ढाँचा है जिसमें भूमिगत ढ़की हुई टंकी का निर्माण, घर अथवा गांव में एकत्रित वर्षाजल संग्रहण के लिए किया जाता है।

प्रश्न 55 रालेगन सिद्धि गांव किसके लिए प्रसिद्ध है ?

उत्तर समाजसेवी अन्ना हजारे एवं उनके द्वारा किए गए जल संभर प्रबन्धन के प्रयासों के लिए

प्रश्न 56 भारतीय राष्ट्रीय जलनीति कब बनाई गई व नीति के अनुसार जल आवंटन की प्राथमिकता किस क्रम में रहेगी।

उत्तर राष्ट्रीय जल नीति 2002 में लागु हुई जिमें जल आवंटन की प्राथमिकता निम्नलिखित क्रम में निर्दिष्ट की गई 1. पेयजल 2. सिंचाई 3. जलशक्ति 4. नौकायन 5. उद्योग 6. अन्य उपयोग

प्रश्न 57 राष्ट्रीय जलनीति ने 2002 की मुख्य विशेषताएँ क्या है।

उत्तर

1. बहुउदेशीय परियोजना में पीने का जल घटक में सम्मिलित करना चाहिए।
2. पेयजल संपूर्ण मानवजाति और प्राणियों को उपलब्ध कराना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए।
3. भौमजल के शोषण को सीमित व नियमित करने के उपाय करने चाहिए।
4. स्तह व भौमजल दोनो की गुण्वक्ता के लिए नियमित जांच होनी चाहिए व गुणवक्ता को सुधारने के लिए चरणबद्ध कार्यक्रम शुरू करना चाहिए ।
5. जल के सभी विविध प्रयोगों में कार्यक्षतमा सुधारनी चाहिए।
6. दुलर्भ संसाधनों के रूप में जल के लिए जागरूकता विकसित करनी चाहिए।
7. शिक्षा विनिमय उपक्रमणों, प्रेरकों और अनुक्रमणों द्वारा सरंक्षण चेतना बढ़ानी चाहिए।

प्रश्न 58 जल क्रांति अभियान कब प्रारम्भ किया गया व इसका क्या उद्देश्य है?

उत्तर जल कांति अभियान 201516 में प्रारम्भ हुआ व इसका उद्देश्य प्रतिव्यक्ति जल की उपलब्धता को सुनिशिचित करना है।

प्रश्न 59 जल क्रांति अभियान के अर्न्तगत कौनकौनसी गतिविधियों प्रस्तावित की गई है ?

उत्तर

1. जल ग्राम बनाने के लिए देश के 672 जिलों में से प्रत्येक जिले में एक ग्राम जिसमें जल की कमी है चुनना।
2. भारत के विभिन्न भागों में 1000 हेक्टेयर मॉडल कमांड क्षेत्र की पहचान की गई।
3. प्रदूषण को कम करने के लिए (1.) भूमितल जल सरंक्षण और कृत्रिम पूर्भरण (2.) भूमिगत जल प्रदूषण को कम करना।
4. देश के चयनित क्षेत्र में आर्सेनिक मुक्त कुओं का निर्माण
5. लोगो में जागरूकता फैलाने के लिए जनसंचार माध्यम जैसे रेडियो, टी.वी., प्रिन्ट मीडिया, पोस्टर प्रतिस्पर्धा, निबध प्रतिस्पर्धा माध्यम है।
6. जलसुरक्षा द्वारा खाद्य सुरक्षा और आजीविका प्रदान करना।

CBEO BHINDER UDAIPUR

# पाठ –7 : खनिज तथा ऊर्जा संसाधन

## वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. धात्विक खनिज नहीं हैं?
(अ) लोहा (ब) मैंगनीज
(स) ताँबा (द) कोयला (द)

प्रश्न 2. अधात्विक खनिज नहीं हैं?
(अ) कोयला (ब) लोहा
(स) ग्रेफाइट (द) चूना पत्थर (ब)

प्रश्न 3. कोयला लगभग कितना प्रतिशत भाग दामोदर, सोम, महानदी और गोदावरी नदियों की घाटियों में पाया जाता हैं?
(अ) 97% (ब) 80% (स) 70% (द) 67% (अ)

प्रश्न 4. देश में मेग्नीज का अग्रणी उत्पादक राज्य हैं?
(अ) छत्तीसगढ़ (ब) उड़ीसा
(स) कर्नाटक (द) झारखण्ड (ब)

प्रश्न 5. अधात्विक खनिज हैं?
(अ) अभ्रक (ब) चूना पत्थर
(स) डोलोमाइट (द) उपर्युक्त सभी (द)

प्रश्न 6. बॉक्साइड का प्रयोग किसके विनिर्माण में किया जाता हैं?
(अ) लोहा (ब) सोना
(स) चाँदी (द) एल्युमिनियम (द)

प्रश्न 7. ऊर्जा के पराम्परागत स्त्रोत हैं?
(अ) कोयला (ब) पेट्रोलियम
(स) प्राकृतिक (द) उपर्युक्त सभी (द)

प्रश्न 8. गैस ऑथोरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड की स्थापना कब की गई?
(अ) 1980 (ब) 1984
(स) 1986 (द) 1988 (ब)

प्रश्न 9. परमाणु ऊर्जा आयोग की स्थापना कब की गई?
(अ) 1956 (ब) 1940
(स) 1948 (द) 1960 (स)

प्रश्न 10. भारत में सबसे बड़ा कोयला क्षेत्र कौनसा हैं?
(अ) रानीगंज (ब) झरिया
(स) बोकारो (द) गिरिडीह (ब)

प्रश्न 11.भूतापीय ऊर्जा संयंत्र भारत में मनीकरण नामक स्थान पर अधिकृत किया जा चुका हैं? यह निम्न मेंसे किस राज्य में स्थित हैं।
(अ) जम्मू कश्मीर (ब) हिमाचल प्रदेश
(स) उत्तर प्रदेश (द) राजस्थान (ब)

प्रश्न 12. डिगबोई नहारकटिया तथा मोरान महत्वपूर्ण तेल उत्पादक क्षेत्र कौनसे राज्य में हैं?
(अ) उत्तर प्रदेश (ब) असम
(स) राजस्थान (द) हिमाचल प्रदेश (ब)

प्रश्न 13. अंकलेश्वर, कालोल, मेहसाणा, नवागाम, कोसांबा तथा लुनेज महत्वपूर्ण तेल उत्पादक क्षेत्र कौनसे राज्य में हैं?
(अ) उत्तर प्रदेश (ब) गुजरात
(स) राजस्थान (द) हिमाचल प्रदेश (ब)

प्रश्न 14. .भारत में किस क्षेत्र में ज्वारीय ऊर्जा विकसित करने की व्यापक संभावनाएं हैं?
(अ) प्रायद्वीपीय पठार (ब) मैदान
(स) हिमाचल पर्वतीय प्रदेष (द) तटो के साथ (द)

## अतिलघुतरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1. लौह धात्विक खनिज के उदाहरण लिखिए?
उत्तर– लोहा, मैंगनीज एवं क्रोमाइट

प्रश्न 2. अलौह धात्विक खनिज के कोई दो उदाहरण लिखिए?
उत्तर– ताँबा, बॉक्साइट

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्रश्न 3. रासायनिक भौतिक गुणधर्मों के आधार पर खनिजों को प्रमुखतः कितनी श्रेणियों में बाँटा गया हैं? उनके नाम लिखिए।

उत्तर– दो श्रेणियों में बाँटा गया हैं–
(अ) धात्विक (ब) अधात्विक

प्रश्न 4. भारत में अधिकांश धात्विक खनिज किस क्षेत्र में पाए जाते हैं?

उत्तर– प्रायद्विपीय पठारी क्षेत्र की प्राचीन क्रिष्टलीय शेल

प्रश्न 5. हमारे देश में लौह अयस्क के मुख्यतः कौनसे प्रकार पाये जाते हैं?

उत्तर– हेमेटाइट, मैग्नेटाइट

प्रश्न 6. ताँबा के निक्षेप मुख्यतः पाए जाते हैं?

उत्तर– झारखण्ड के सिंहभूम जिले में मध्यप्रदेष के बालाघाट तथा राजस्थान के झूंझूनु एवं अलवर जिलों में पाए जाते हैं।

प्रश्न 7. ओड़िशा में बॉक्साइट के अग्रणी उत्पादक हैं?

उत्तर– कालीहांडी, संभलपुर

प्रश्न 8. छत्तीसगढ़ में बॉक्साइट के निक्षेप कहा पाए जाते हैं?

उत्तर– अमरकंटक के पठार।

प्रश्न 9. ताँबा का उपयोग किसमें किया जाता हैं। बताइ,?

उत्तर– बिजली के मोटरे, ट्रांसफर्मर तथा जेनेरेटर्स आदि बनाने तथा विद्युत उपयोग के लिए तथा आभूषणों में भी ताँबे का उपयोग किया जाता हैं।

प्रश्न 10 भारत में अभ्रक मुख्यतः कहाँ पाया जाता हैं?

उत्तर– झारखण्ड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना व राजस्थान में पाया जाता हैं।

प्रश्न 11 अभ्रक का उपयोग मुख्यतः कौनसे उद्योगों में किया जाता हैं?

उत्तर– अभ्रक का उपयोग मुख्यतः विद्युत एवं इलेक्ट्रोनिक्स उद्योगों में किया जाता हैं।

प्रश्न 12 भारत के खनिज मुख्यतः किन विस्तृत पट्टियों में सम्मिलित हैं? पट्टियों के नाम लिखो।

उत्तर– 1. उत्तर–पूर्वी पठारी प्रदेश
2. उत्तर–पश्चिमी प्रदेश
3. दक्षिण–पश्चिमी पठारी प्रदेश

प्रश्न 13 अपरम्परागत ऊर्जा स्त्रोतों के नाम लिखिए?

उत्तर– 1. नाभिकीय ऊर्जा
2 सौर ऊर्जा
3. ज्वारीय तथा तरंग ऊर्जा
4. पवन ऊर्जा
5. भूतापीय ऊर्जा
6. जैव ऊर्जा

प्रश्न 14 पवन ऊर्जा के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ वाले कौनसे राज्य हैं, तथा उन राज्यों के नाम लिखिए?

उत्तर– राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र एवं कर्नाटक।

प्रश्न 15 भूमिगत ताप के उपयोग का पहला सफल प्रयास कहाँ हुआ?

उत्तर– बोयजे शहर, इडाहो (USA)

प्रश्न 16 भारत के प्रमुख नाभिकीय ऊर्जा केन्द्र कौन–कौनसे है? नाम लिखिए?

उत्तर– तारापुर (महाराष्ट्र), कोटा के पास रावतभाटा (राजस्थान), कलपक्कम (तमिलनाडू), नरोरा (उत्तर प्रदेश), कैगा (कर्नाटक) तथा काकरापाड़ा (गुजरात)।

प्रश्न 17 कोयले का मुख्य प्रयोग किस लिए किया जाता हैं?

उत्तर– ताप विद्युत उत्पादन तथा लौह अयस्क के प्रगलन के लिए

प्रश्न 18 कोयला मुख्य रूप से किन दो भूगर्भिक कालों की शैलक्रमो में पाया जाता हैं?

उत्तर– गोडवाना और टर्शियरी निक्षेप

प्रश्न 19 भारत में कोयला निक्षेपो का लगभग 80 प्रतिशत भाग किस प्रकार व श्रेणी का पाया जाता हैं?

उत्तर– बिटुमिनियस प्रकार तथा गैर कोककारी श्रेणी।

**<u>लघुतरात्मक प्रश्न</u>**

प्रश्न 1. सौर ऊर्जा किसे कहते हैं। इसको काम में लाने के लिए दो प्रमुख प्रक्रमों के नाम लिखते हुए इसकी भारत में किस क्षेत्र में उत्पादन की अधिकत्तर संभावनाएं हैं?

उत्तर– सौर ऊर्जा– फोटोवोल्टाइक सेलो में विपाशित सूर्य की किरणों को ऊर्जा में परिवर्तित किया जाता है।
काम में लाने के प्रमुख प्रक्रम– 1. फोटोवोल्टाइक 2. सौर–तापीय प्रौद्योगिकी।
भारत की अधिकतर संभावनाएँ– भारत के पश्चिमी भागों गुजरात व राजस्थान।

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्रश्न 2. भूतापीय ऊर्जा किसे कहते हैं?

उत्तर– जब पृथ्वी के गर्भ से मैग्मा निकलता हैं तो अत्यधिक ऊष्मा निर्मुक्त होती है। इस ताप ऊर्जा को सफलतापूर्वक काम में लाया जा सकता है और इसे विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित किया जा सकता हैं। इसके अलावा गीजर, कूपों से निकलते गर्म पानी से ताप ऊर्जा पैदा की जा सकती है। इसे लोकप्रिय रूप में भूतापीय ऊर्जा के नाम से जानते है।

प्रश्न 3. जैव–ऊर्जा किसे कहते हैं?

उत्तर– इसे जैविक उत्पादों से प्राप्त किया जाता है जिसमें कृषि अवशेष, नगरपालिका औद्योगिक तथा अन्य अपशिष्ट शामिल होते है। जैव–ऊर्जा ऊर्जा परिवर्तन का एक संभावित स्त्रोत है। इसे विद्युत ऊर्जा, ताप ऊर्जा अथवा खाना पकाने के लिए गैस में परिवर्तित किया जा सकता है। यह अपशिष्ट एवं कूड़ा–कचरा प्रक्रमित करेगा एवं ऊर्जा भी पैदा करेगा। यह विकासशील देशों के ग्रामीण क्षेत्रों के आर्थिक जीवन को भी बेहतर बना,गा तथा पर्यावरण प्रदूषण घटाएगा।

प्रश्न 4. भारत में कोयले के प्रमुख क्षेत्र का वर्णन कीजिए?

उत्तर– भारत में कोयले के प्रमुख संसाधन पश्चिम बंगाल, झारखण्ड, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और आंध्रप्रदेश में अवस्थित कोयला क्षेत्रों में है। भारत में सर्वाधिक महत्वपूर्ण गोंडवाना कोयला क्षेत्र दामोदर घाटी में स्थित है। ये झारखण्ड–बंगाल कोयला पट्टी में स्थित है और इस प्रदेश के महत्वपूर्ण कोयला क्षेत्र रानीगंज, झरिया, बोकारो, गिरीडीह तथा करनपुरा (झारखण्ड) है। झरिया सबसे बड़ा कोयला क्षेत्र है। जिसके बाद रानीगंज आता है। कोयले से संबंद्ध अन्य नदी ाटियाँ गोदावरी, महानदी तथा सोन है। सर्वाधिक महत्वपूर्ण कोयला खनन केन्द्र मध्यप्रदेश में सिंगरौली है। टर्शियरी कोयला असाम, अरूणाचल प्रदेश, मेघालय तथा नागालैण्ड में पाया जाता है।

प्रश्न 5. नाभिकीय ऊर्जा के उत्पादन में प्रयुक्त होने वाले महत्वपूर्ण खनिज कौनसे है व इन खनिजों के भारत में प्रसिद्ध क्षेत्र कौनसे हैं?

उत्तर– नाभिकीय ऊर्जा के उत्पादन में प्रयुक्त होने वाले महत्वपूर्ण खनिज यूरेनियम और थोरियम है।

प्रसिद्ध क्षेत्र–

1. **यूरेनियम निक्षेप** – यह धारवाड़ शैलों में पाए जाते है। भौगोलिक रूप से यह अयस्क सिंहभूम ताँबा पट्टी के साथ अनेक स्थानों पर मिलते है। यह राजस्थान के उदयपुर, अलवर, झूंझूनूं जिलों, मध्यप्रदेश के दुर्ग जिले, महाराष्ट्र के भंडारा जिले तथा हिमाचल प्रदश के कुल्लू जिले में भी पाया जाता है।
2. **थोरियम** – यह मुख्यतः केरल के तटीय क्षेत्र की पुलिन बीच की बालू में मोनाजाइट एवं इल्मेनाइट से प्राप्त किया जाता है।

CBEO BHINDER UDAIPUR

# पाठ–8 : निर्माण उद्योग

**वस्तुनिष्ठ प्रश्न**

प्र. 1 उद्योगों में प्रयोग किए जाने वाले कच्चे माल के आधार पर उद्योगों को बाँटा गया है –
(क) चार भागों में (ख) पाँच भागों में
(ग) सात भागों में (घ) तीन भागों में (क)

प्र. 2 उद्योगों की स्थिति को प्रभावित करने वाला कारक है –
(क) कच्चा माल (ख) बाजार
(ग) पूँजी (घ) उपर्युक्त सभी (घ)

प्र. 3 कच्चे माल के स्त्रोतों के समीप स्थापित होने वाला उद्योग नही है –
(क) इलेक्ट्रिक उद्योग (ख) चीनी उद्योग
(ग) सूती वस्त्र उद्योग (घ) लोह–इस्पात उद्योग (क)

प्र. 4 लौह–इस्पात उद्योग के सर्वप्रमुख कच्चे माल है –
(क) लोह अयस्क व कोककारी कोयला (ख) लौह अयस्क व डोलोमाइट
(ग) कोककारी कोयला व मैगनीज (घ) लौह अयस्क तथा मैगनीज (क)

प्र. 5 भारतीय लोहा और इस्पात कम्पनी (HSCO) का कारखाना निम्न में से एक स्थान पर नहीं है –
(क) हीरापुर (ख) कुल्टी
(ग) जमशेदपुर (घ) बर्नपुर (ग)

प्र. 6 स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया (SAIL) निम्न में से किस स्थान पर कार्यरत लौह–इस्पात संयंत्र का प्रबंधन नही करता –
(क) राउरकेला (ख) भिलाई
(ग) दुर्गापुर (घ) बोकारो (घ)

प्र. 7 निम्न में से जर्मनी के सहयोग से स्थापित लौह इस्पात कारखाना है –
(क) राउरकेला (ख) भिलाई
(ग) दुर्गापुर (घ) बोकारो (क)

प्र .8 निम्न में से किस शहर में भारत की प्रथम आधुनिक सूती वस्त्र मिल स्थापित की गई –
(क) जयपुर (ख) मुम्बई
(ग) विजय नगर (घ) भिलाई (ख)

प्र. 9 निम्न में से किस राज्य की सूती वस्त्र मिलें कपड़ा न बनाकर सूत का उत्पादन करती है –
(क) राजस्थान (ख) महाराष्ट्र
(ग) पश्चिम बंगाल (घ) तमिलनाडु (घ)

प्र. 10 निम्न में से कृषि आधारित मौसमी उद्योग है –
(क) चीनी उद्योग (ख) सूती वस्त्र उद्योग
(ग) पेट्रो रसायन उद्योग (घ) इनमें से कोई नहीं (क)

प्र. 11 देश का अग्रणी चीनी उत्पादक राज्य है –
(क) तमिलनाडु (ख) बिहार
(ग) महाराष्ट्र (घ) उत्तर प्रदेश (ग)

प्र. 12 सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी का निम्न में से प्रमुख कार्य है –
(क) पेट्रो केमिकल उद्योग में प्रशिक्षण प्रदान करना (ख) वस्त्र निर्माण प्रशिक्षण प्रदान करना
(ग) लौह इस्पात उत्पादन करना (घ) प्लास्टिक सामान का निर्माण करना (क)

प्र. 13 निम्न में से भारत सरकार द्वारा किस वर्ष नई औद्योगिक नीति की ोषणा की गई –
(क) सन् 1981 (ख) सन् 1991
(ग) सन् 2001 (घ) सन् 2012 (ख)

प्र. 14 भारत के घरेलू निवेश तथा विदेशी प्रत्यक्ष निवेश का सर्वाधिक भाग प्राप्त हुआ –
(क) गुजरात को (ख) महाराष्ट्र को
(ग) तमिलनाडु को (घ) आंन्ध्र प्रदेश को (ख)

प्र. 15 मुम्बई–पुणें औद्योगिक प्रदेश के सर्वप्रमुख उद्योग है –
(क) सूती वस्त्र तथा रासायनिक (ख) ऊनी वस्त्र तथा सीमेन्ट
(ग) चीनी उद्योग तथा रेलवे उपकरण (घ) लौह–इस्पात तथा इन्जीनियरिंग (क)

प्र. 16 टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी की स्थापना कब की गई –
(क) 1907 (ख) 1976
(ग) 2012 (घ) 1940 (क)

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र. 17 भारत में सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग का प्रमुख केंद्र है–
(क) मेरठ (ख) कानपुर
(ग) कोलकाता (घ)) बेंगलुरु (घ)

प्र. 18 सूती वस्त्र की राजधानी के नाम से किस नगर को जाना जाता है?
(क) बेंगलुरु (ख) कानपुर
(ग) अहमदाबाद (घ) मुंबई (घ)

प्र. 19 भारत में साइकिल निर्माण का प्रमुख केंद्र है–
(क) अहमदाबाद (ख) नागपुर
(ग) रायपुर (घ) लुधियाना (घ)

प्र. 20 स्वतंत्रता के पश्चात सर्वप्रथम औद्योगिक नीति की घोषणा कब की गई?
(क) अप्रैल 1948 (ख) अगस्त 1952
(ग) मार्च 1950 (घ) दिसंबर 1947 (क)

प्र. 21 सीमेंट उत्पादन की दृष्टि से भारत का विश्व में स्थान है–
(क) तृतीय (ख) प्रथम
(ग) द्वितीय (घ) चतुर्थ (ग)

प्र. 22 राष्ट्रीय योजना आयोग की स्थापना कब की गई?
(क) 1955 (ख) 1950
(ग) 1947 (घ) 1948 (ख)

प्र. 23 भारत का सबसे बड़ा इस्पात कारखाना है–
(क) टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी (ख) भारतीय लोहा और इस्पात कारखाना
(ग) विश्वेश्वरैया आयरन एंड स्टील कंपनी लिमिटेड (घ) राउरकेला इस्पात संयंत्र (क)

प्र. 24 स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया की स्थापना कब हुई?
(क) 1972 (ख) 1973
(ग) 1974 (घ) 1975 (ग)

प्र. 25 बॉक्साइट अयस्क से कौन सा धातु प्राप्त किया जाता है?
(क) लोहा (ख) तांबा
(ग) एलुमिनियम (घ) चांदी (ग)

प्र. 26 एशिया का सबसे बड़ा एल्युमिनियम उत्पादक कारखाना कौन सा है?
(क) INDAL (ख) HINDALCO
(ग) MALCO (घ) NALCO (घ)

प्र. 27 विश्व में सीमेंट का सबसे बड़ा उत्पादक देश कौनसा है?
(क) भारत (ख) ऑस्ट्रेलिया
(ग) चीन (घ) जापान (ग)

प्र. 28 सूती वस्त्र उत्पादन की दृष्टि से भारत में प्रथम स्थान पर कौन सा राज्य है?
(क) महाराष्ट्र (ख) राजस्थान
(ग) तमिलनाडू (घ) पश्चिम बंगाल (क)

प्र. 29 सूती वस्त्र की राजधानी के नाम से किस शहर को जाना जाता है?
(क) सूरत (ख) मुंबई
(ग) कोलकाता (घ) चेन्नई (ख)

प्र. 30 भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (BHEL) की स्थापना कौन से वर्ष में की गई?
(क) 1961 (ख) 1969
(ग) 1964 (घ) 1967 (ग)

प्र. 31 निम्नलिखित उद्योगों में से किस उद्योग को सनराइज क्षेत्र कहा जाता है?
(क) सूती वस्त्र उद्योग (ख) चीनी उद्योग
(ग) सीमेंट उद्योग (घ) ऑटोमोबाइल उद्योग (घ)

प्र. 32 इंटीग्रल कोच फैक्ट्री कहां पर स्थित है?
(क) जमालपुर (ख) वाराणसी
(ग) पटियाला (घ) पेराम्बूर (घ)

CEO BHINDER UDAIPUR

प्र. 33 भारत की सिलिकन वैली के नाम से किस शहर को जाना जाता है?

(क) हैदराबाद (ख) पुणे

(ग) बेंगलुरु (घ) सूरत (ग)

प्र. 34 मेक इन इंडिया कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत कब की गई?

(क) 25 सितंबर 2014 (ख) 26 जनवरी 2019

(ग) 1 मई 2017 (घ) 11 अगस्त 2018 (क)

प्र. 35 सीमेण्ट उत्पादन की दृष्टि से भारत का विश्व में स्थान है।

(क) प्रथम (ख) द्वितीय

(ग) तृतीय (घ) चतुर्थ (ख)

प्र. 36 भारत में सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग का प्रमुख केन्द्र है।

(क) कानपुर (ख) पटना

(ग) बैंगलूरु (घ) कोलकाता (ग)

प्र. 37 जहाजरानी उद्योग की स्थापना निम्नलिखित में से सर्वप्रथम (1941 में कहाँ की गई?

(क) कोलकाता में (ख) विशाखापत्तनम में

(ग) चेन्नई मे (घ) कालीकट में (ख)

प्र. 28 भारत में प्रारम्भ में लोहा से सम्बन्धित कार्य किस जनजाति के लोग करते थे?

(क) भील (ख) नागा

(ग) अगारिया (घ) मुण्डा (ग)

प्र. 39. निम्नलिखित में से कौन–सा इस्पात संयन्त्र पूर्णतः स्वदेशी तकनीक पर आधारित है?

(क) दुर्गापुर (ख) भिलाई

(ग) विजयनगर (घ) बोकारो (ग)

प्र. 40 मध्य प्रदेश के सतना और मैहर निम्नलिखित में से किस उद्योग के लिए प्रसिद्ध हैं?

(क) लौह–इस्पात उद्योग (ख) सीमेण्ट उद्योग

(ग) इन्जीनियरिंग उद्योग (घ) सूती वस्त उद्योग (ख)

**अति लघुरात्मक प्रश्न**

प्र. 1 स्वामित्व के आधार पर उद्योगों के प्रकार बताई,।

उत्तर : स्वामित्व के आधार पर उद्योगों को निम्नलिखित तीन प्रकारों में वर्गीकृत किया जाता है –
(1) सार्वजनिक सेक्टर (2) व्यक्तिगत सेक्टर (3) मिश्रित या सहकारी सेक्टर

प्र. 2 आर्थिक दृष्टि से उद्योगों को किन स्थानों पर स्थापित करना लाभप्रद होता है ?

उत्तर : आर्थिक दृष्टि से उद्योगों को उन स्थानों पर स्थापित करना लाभप्रद होता है जहाँ उत्पादन मूल्य और निर्मित वस्तुओं को उपभोक्ताओं तक वितरित करने का मूल्य न्यूनतम हो।

प्र. 3 भारत में चीनी मिलें गन्ना उत्पादक क्षेत्रों क्यों स्थापित है?

उत्तर : चीनी मिलों में भार ह्रास वाले कच्चे माल (गन्ना) का उपयोग होने के कारण भारत में चीनी मिलें गन्ना उत्पादक क्षेत्रों में ही स्थापित है।

प्र. 4 पेट्रोलियम परिशोधन शालाओं की स्थापना बाजारों के निकट ही क्यों की जाती है ?

उत्तर : क्योंकि अपरिष्कृत खनिज तेल का परिवहन आसान होता है और उनसे प्राप्त कई उत्पादों का उपयोग दूसरे उद्योगों में कच्चे माल के रूप में किया जाता है।

प्र. 5 भारत का सबसे प्राचीन लौह–इस्पात कारखाना कौन–सा है?

उत्तर : टाटा लौह इस्पात कम्पनी (TISCO)

प्र. 6 भिलाई इस्पात संयंत्र किस रेलमार्ग पर अवस्थित है ?

उत्तर : भिलाई इस्पात संयंत्र कोलकाता–मुम्बई रेलमार्ग पर अवस्थित है।

प्र. 7 दुर्गापुर इस्पात संयंत्र किस कोयला पेटी में स्थित है –

उत्तर : दुर्गापुर इस्पात संयंत्र रानीगंज व झरिया कोयला पेटी में स्थित है।

प्र. 8 देश का सर्वप्रमुख कृषि आधारित परम्परागत उद्योग कौन सा है ?

उत्तर : सूती वस्त्र उद्योग

उत्तर : वर्तमान में अहमदाबाद, भिवाडी, शोलापुर, कोल्हापुर, नागपुर, इंदौर व उज्जैन सूती वस्त्र उद्योग के प्रमुख केन्द्र है।

प्र.10 भारत के प्रमुख चीनी उत्पादक राज्य कौन–कौन से है ?

उत्तर : (1) महाराष्ट्र (2) उत्तर प्रदेश (3) तमिलनाडु (4) बिहार
(5) पंजाब (6) हरियाणा (7) मध्यप्रदेश (8) गुजरात

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्र.11 वैश्वीकरण किसे कहते है ?

उत्तर : एक राष्ट्र की अर्थव्यवस्था का विश्व की अर्थव्यवस्था के साथ समन्वय करना वैश्वीकरण कहलाता है।

**अति लघुरात्मक प्रश्न**

प्र. 1 स्वतन्त्र या स्वच्छन्द उद्योग क्या होते है ?

उत्तर : जब किसी उद्योग में अनेक प्रकार के कच्चे माल की आवश्यकता होती है तो ,से उद्योगों के स्थानीयकरण में कच्चे माल का कोई प्रभाव नहीं रह जाता तथा इस प्रकार के उद्योग कच्चे मालों के उपलब्ध स्थलों की अवहेलना करते हु, किसी भी उपयुक्त स्थल पर स्थापित होने के लिए स्वतंत्र होते है। ऐसे उद्योगों को स्वतंत्र या स्वच्छन्द उद्योग कहा जाता है जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग।

प्र. 2 भारत में भारी उद्योगों की स्थिति को शक्ति संसाधन किस प्रकार प्रभावित करते है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : उद्योगों में तीव्र गति से कार्य सम्पन्न करने के लिए विविध प्रकार की मशीनों का प्रयोग किया जाता है। ये मशीनें प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से शक्ति के संसाधनों से ही संचालित होती है। अतः शक्ति के स्त्रोतों की उपलब्धता एवं निकटता उद्योगों को नियंत्रित करने वाला मुख्य कारक है यथा एल्युमीनियम उद्योग को शक्ति के स्त्रोत के निकट स्थापित किया जाता है क्योंकि इसमें अधिक शक्ति का प्रयोग होता है।

प्र. 3 भारत में सूती वस्त्र उद्योग के स्थानीयकरण को प्रभावित करने वाले कारक कौन–कौन से है?

उत्तर : सूती वस्त्र उद्योग भारत के परम्परागत उद्योगों में से एक है। भारत में सूती वस्त्र उद्योग के स्थानीयकरण को प्रभावित करने वाले कारकों में कच्चे माल की स्थानीय उपलब्धता, सस्ते कुशल श्रमिकों की स्थानीय उपलब्धता, बाजार की समीपता, सस्ती जल विद्युत की उपलब्धता, स्थानीय निवेश एवं पत्तन की सुविधा आदि प्रमुख है।

प्र. 4 उद्योगों का वर्गीकरण कीजिए अथवा उद्योगों के प्रकार बताइये।

**उत्तर :** उद्योगों का वर्गीकरण कई प्रकार से किया जा सकता है, जो निम्नलिखित है –

1. आकार, पूँजी निवेश एवं श्रम शक्ति के आधार पर इस आधार पर उद्योगों का चार भागों में बाँटा जा सकता है – (1) कुटीर उद्योग (2) लघु उद्योग (3) मध्यम उद्योग (4) वृहद् उद्योग
2. स्वामित्व के आधार पर स्वामित्व के आधार पर उद्योगों को तीन भागों में बाँटा गया है –
   (1) सार्वजनिक उद्योग (2) व्यक्तिगत उद्योग (3) मिश्रिम या सहकारी उद्योग
3. उद्योगों में प्रयुक्त कच्चे माल के आधार पर – उद्योगों में प्रयोग किये जाने वाले कच्चे माल के आधार पर उद्योगों को चार भागों में बाँटा गया है – (1) कृषि आधारित उद्योग (2) वन आधारित उद्योग (3) खनिज आधारित उद्योग (4) उद्योगों द्वारा निर्मित कच्चे माल पर आधारित उद्योग।
4. उत्पादों के उपयोग के आधार पर उत्पादों के उपयोग के आधार पर उद्योगों को चार वर्गों में बाँटा गया है – (1) मूल पदार्थ उद्योग (2) पूँजीगत पदार्थ उद्योग (3) मध्यवर्ती पदार्थ उद्योग (4) उपभोक्ता पदार्थ उद्योगों।

प्र. 5 SAIL का पूरा नाम लिखिए?

उत्तर स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया

प्र. 6 लोह इस्पात उद्योग को आधारभूत उद्योग क्यों कहते हैं?

उत्तर क्योंकि इस उद्योग के उत्पादन अन्य सभी वस्तुओं के निर्माण में आवश्यक होते हैं, इसी उद्योग से किसी भी देश के औद्योगिक विकास की नीव पड़ती है।

प्र. 7 महाराष्ट्र में सूती वस्त्र उद्योग विकास के कोई दो कारण बताइए।

उत्तर 1 समुद्री नम जलवायु 2 कपास उत्पादन क्षेत्र

प्र. 8 भारत में कृषि आधारित किन्ही दो उद्योगों के नाम लिखिए।

उत्तर 1 सूती वस्त्र उद्योग 2 चीनी उद्योग

प्र. 9 राजस्थान में चीनी मिले कहां स्थित है। कोई दो

उत्तर केशोरायपाटन (बूंदी), श्रीगंगानगर

प्र. 10 मेक इन इंडिया कार्यक्रम क्या है?

उत्तर निवेश को बढ़ावा देकर औद्योगिक विकास की गति को तेज करने तथा देश को मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने के लिए मेक इन इंडिया कार्यक्रम की शुरुआत 25 सितंबर 2014 को की गई।

प्र. 11 भारत में सूती वस्त्र के स्थानीयकरण को प्रभावित करने वाले दो कारको के नाम बताइए।

उत्तर 1 कच्चा पदार्थ 2 आर्द्र एवं नम जलवायु

प्र. 12 हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड की स्थापना कब और कहां की गई?

उत्तर 1964, बेंगलुरु

प्र. 13 भारत के किस शहर में लोह स्तंभ स्थापित है?

उत्तर दिल्ली में कुतुबमीनार के पास

प्र. 14 भारत में इंजीनियरिंग उपयोग की कोई दो समस्याएं बताइए?

उत्तर 1 कच्चे माल का अभाव 2 पूंजी का अभाव

CBSE BINDER UDAIPUR

प्र. 15. भारत में चीनी उद्योग की उन्नति के लिए अपने सुझाव दीजिए?

उत्तर भारत में चीनी उद्योग के विकास के लिए निम्नलिखित सुझाव महत्त्वपूर्ण हो सकते हैं –

1 उचित निरीक्षण की व्यवस्था हो।
2 पुरानी मशीनों के स्थान पर नई मशीनें लगाई जाएँ।
3 मिलों की स्थापना गन्ना उत्पादक क्षेत्रों में ही की जाए।
4 गन्ने की फसलों के सम्बन्ध में अनुसन्धान कार्यों पर विशेष बल दिया जाए।
5 गन्ने की मात्रा के साथ ही रस की मात्रा का ध्यान रखकर कीमत निर्धारित की जाए।
6 गौण उपजों का पूर्ण उपयोग किया जाए।
7 श्रमिकों को वर्ष भर रोजगार देने की व्यवस्था की जाए।
8 कर व्यवस्था में सुधार किया जाए।
9 गन्ना किसानों को विक्रय के समय भुगतान किया जाए, आदि।

प्र. 16 भारत में भारी उद्योगों की स्थिति को शक्ति संसाधन किस प्रकार प्रभावित करते हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर उद्योगों में तीव्र गति से कार्य सम्पन्न करने के लिए विविध प्रकार के मशीनों का प्रयोग किया जाता है। ये मशीनें प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से शक्ति के संसाधनों से ही संचालित होती हैं। अतरू शक्ति के स्रोतों की उपलब्धता एवं निकटता उद्योगों को नियन्त्रित करने वाला मुख्य कारक है यथा एल्युमीनियम उद्योग को शक्ति के स्रोत के निकट स्थापित किया जाता है, क्योंकि इसमें अधिक शक्ति का प्रयोग होता है।

प्र. 17 क्या कारण है कि भारत की अधिकांश चीनी मिलें गन्ना उत्पादक क्षेत्रों के समीप ही स्थापित मिलती हैं?

उत्तर चीनी उद्योग का सर्वप्रमुख व एकमात्र कच्चा माल गन्ना है। गन्ने के कुल भार में चीनी सुक्रोज का भाग 9 से 12 प्रतिशत के मध्य मिलता है। गन्ना भार ह्रास वाली कृषि फसल है। खेत में गन्ने को काटने से लेकर ढुलाई की अवधि तक इसमें सुक्रोज की मात्रा कम होती जाती है। यदि गन्ने को काटने के 24 घण्टे के अन्दर गन्ना मिलों में इसका रस निकाल लिया जाता है तो इससे चीनी की मात्रा अधिक प्राप्त होती है। इसके बाद जैसे–जैसे समय बीतता चला जाता है वैसे–वैसे गन्ने में चीनी का प्रतिशत कम होता चला जाता है। यही कारण है कि भारत की अधिकांश चीनी मिलें गन्ना उत्पादक क्षेत्रों के समीप ही स्थापित मिलती हैं। अतः चीनी उद्योग को कच्चा माल उन्मुख उद्योग माना जाता है।

प्र. 18 भारत में सूती वस्त्र उद्योग के विकास के कारकों को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर भारत में सूती वस्त्र उद्योग के विकास के लिए निम्नलिखित कारक उत्तरदायी रहे हैं।

1 भारत एक उष्णकटिबन्धीय जलवायु वाला देश है। यहाँ की गर्म एवं अर्द्धशुष्क जलवायु में सूती कपड़ा आरामदायक वस्त्र होता है, जिसके कारण देश में सूती कपड़े की पर्याप्त माँग रहती है।
2 सूती वस्त्र उद्योग का सर्वप्रमुख कच्चा माल कपास होता है, जिसका पर्याप्त उत्पादन हमारे देश में होता रहा है।
3 भारत विश्व का दूसरा सर्वाधिक जनसंख्या वाला राष्ट्र है, जिसमें सूती वस्त्र उद्योग के लिए आवश्यक कुशल श्रमिक पर्याप्त संख्या में उपलब्ध मिलते हैं। भारत के कुछ क्षेत्रों में लोग व परिवार सूती वस्त्र तैयार करने का कार्य पीढ़ियों से कर रहे हैं, जिससे वस्त्र निर्माण कुशलता एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में स्थानान्तरित होती रही है।

प्र. 19 कच्चा माल उद्योगों के लिए चुम्बक का कार्य करता है–टिप्पणी लिखिए?

उत्तर उद्योगों को सामान्यतः दो भागों में बाँटा गया है।

1. भार क्लास मूलक उद्योग
2. भार ह्रास न होने वाले उद्योग

इनमें से प्रथम प्रकार का उद्योग जिसमें कच्चा माल अधिक लगता है तथा उनका भार अधिक होता है, उनसे सम्बन्धित उद्योगों की स्थापना कच्चे माल के स्रोतों के पास होती है क्योंकि तैयार माल को बाजार तक पहुँचाने में अपेक्षाकृत कम परिवहन व्यय करना पड़ता है; जैसे–लौह–इस्पात उद्योग, चीनी उद्योग, सीमेण्ट उद्योग आदि के लिए कच्चा माल चुम्बक के रूप में प्रभावी होता है और ये उद्योग कच्चे माल के स्रोतों की ओर आकर्षित होते हैं।

3 सस्ती विद्युत शक्ति
4 पर्याप्त श्रम की उपलब्धता आदि।

प्र. 20 औद्योगिक नीति की घोषणा 1991 के बारे बताइये

उत्तर नई औद्योगिक नीति की घोषणा 1991 में की गई। इस नीति के मुख्य उद्देश्य थे अब तक प्राप्त किए गए लाभ को बढ़ाना, इसमें विकृति अथवा कमियों को दूर करना, उत्पादकता और लाभकारी रोजगार में स्वपोषित वृद्धि को बनाए रखना और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता प्राप्त करना। इस नीति के अंतर्गत किए गए उपाय हैं:

1 औद्योगिक लाइसेंस व्यवस्था का समापन

CBEO BHINDER UDAIPUR

2 विदेशी तकनीकी का निःशुल्क प्रवेश
3 विदेशी निवेश नीति
4 पूँजी बाजार में अभिगम्यता
5 खुला व्यापार
6 प्रावस्थबद्ध निर्माण कार्यक्रम का उन्मूलन
7 औद्योगिक अवस्थिति कार्यक्रम का उदारीकरण।

प्र. 21 वैश्वीकरण का क्या अर्थ है ?

उत्तर वैश्वीकरण का अर्थ देश की अर्थव्यवस्था को संसार की अर्थव्यवस्था के साथ एकीकृत करना है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत सामान और पूँजी सहित सेवाएँ, श्रम और संसाधन एक देश से दूसरे देश को स्वतंत्रातापूर्वक पहुँचाए जा सकते हैं।

प्र. 22 भारत के मुख्य औद्योगिक प्रदेश के नाम बताइये

उत्तर 1 मुंबई–पुणे प्रदेश 2 हुगली प्रदेश 3 बेंगलुरु–तमिलनाडु प्रदेश
4 गुजरात प्रदेश 5 छोटानागपुर प्रदेश 6 विशाखापट्नम– गुंटूर प्रदेश
7 गुरफग्राम–दिल्ली–मेरठ 8 कोलम–थिरुवनंथपुरम प्रदेश।

CBEO BHINDER UDAIPUR

# अध्याय–10 : परिवहन तथा संचार

**बहुविकल्पात्मक प्रश्न–**

प्रश्न 1. निम्नलिखित में से कौन–सा स्थल परिवहन का साधन नहीं है?
(अ) सड़क (ब) राष्ट्रीय
(स) पाइपलाइन (द) रेलवे (ब)

प्रश्न 2. विश्व का दूसरा सबसे बड़ा सड़क जाल किस देश का है ?
(अ) चीन का (ब) अफगानिस्तान का
(स) अमेरिका का (द) भारत का (द)

प्रश्न 3. वे प्रमुख सड़के, जिन्हें केन्द्र सरकार द्वारा निर्मित एवं अनुरक्षित किया जाता हैएकया कहलाती है?
(अ) राष्ट्रीय महामार्ग (ब) राज्य महामार्ग
(स) जिला सड़के (द) ग्रामीण सड़के (अ)

प्रश्न 4. भारतीय राष्ट्रीय महामाग प्राधिकरण का प्रचलन कब हुआ?
(अ) 1997 (ब) 1981
(स) 1991 (द) 1995 (द)

प्रश्न 5. भारतीय रेल की स्थापना कब हुई?
(अ) 1853 में (ब) 1856 में
(स) 1880 में (द) 1881 में (अ)

प्रश्न 6. भारतीय रेल को कितने मंडलो में विभाजित किया गया है?
(अ) 19 (ब) 16
(स) 15 (द) 18 (ब)

प्रश्न 7. भारत में वायु परिवहन की शुरूआत कब हुई?
(अ) 1911 (ब) 1931
(स) 1919 (द) 1933 (अ)

प्रश्न 8 सलाया (गुजरात) से मथुरा ( उ.प्र.) तक बनाई गई पाइपलाइन की लम्बाई कितनी है?
(अ) 7517 कि.मी. (ब) 1157 कि.मी.
(स) 1620 कि.मी. (द) 1256 कि.मी. (द)

प्रश्न 9. इनसैट (INSAT) की स्थापना कब हुई?
(अ) 1985 (ब) 1983
(स) 1984 (द) 1981 (ब)

प्रश्न 10 वेस्टर्न रेलमंडल का मुख्यालय कहाँ है?
(अ) मुंबई (चर्च गेट) (ब) जबलपुर
(स) जयपुर (द) चेन्नई (अ)

**अत्ति लघूत्तरात्मक प्रश्न–**

प्रश्न 1. प्रसिद्ध नेहरू ट्रॉफी नौकादौड़ कहाँ आयोजित की जाती है?
उत्तर केरल के पश्च जल में।

प्रश्न 2. भारत में वायु परिवहन का प्रबंध किसके द्वारा किया जाता है?
उत्तर एयर इंड़िया द्वारा।

प्रश्न 3. PSLV (पोलर सेटेलाइट लॉंच वेहकिल) किस देश द्वारा विकसित किया गया था?
उत्तर भारत।

प्रश्न 4. पवन हंस क्या है?
उत्तर एक हेलीकॉप्टर सेवा।

प्रश्न 5. INSAT का पूरा नाम लिखिए।
उत्तर इंडियन नेशनल सेटेलाइट सिस्टम।

प्रश्न 6. भारत में रेडियों का प्रसारण किसके द्वारा प्रारम्भ किया गया था?
उत्तर रेडियो क्लब ऑफ बॉम्बे।

प्रश्न 7. नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर कहाँ स्थित है?
उत्तर हैदराबाद।

प्रश्न 8. IRS का पूरा नाम लिखिए?
उत्तर इंडियन रिमोट सेंसिंग सेटेलाइट सिस्टम।

प्रश्न 9. विश्व की सबसे लम्बी राजमार्ग सुरंग कौनसी है?
उत्तर अटल टनल।

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्रश्न10. भारतीय रेल जाल की कुल लम्बाई कितनी है?
उत्तर 66030 कि.मी.।

**लघुत्तरात्मक प्रश्न–**

प्रश्न 1. रेलवे पटरी की चौड़ाई के आधार पर भारतीय रेल के कितने वर्ग बनाए गए है?
उत्तर रेलवे पटरी की चौड़ाई के आधार पर भारतीय रेल के तीन वर्ग बनाए गए है–

**बड़ी लाइन–** ब्रॉड गेज में रेल पटरियों के बीच की दूरी 1.616 मीटर होती है। ब्रॉड गेज लाइन की कुल लम्बाई सन् 2016 में 60510 कि.मी. थी।

**मीटर लाइन–** इसमें दो रेल पटरियों के बीच की दूरी 1 मी. होती है। इसकी कुल लम्बाई 2016 में 3880 कि.मी. थी।

**छोटी लाइन–** इसमें दो रेल पटरियों के बीच की दूरी 0.762 मीटर या 0.610 मीटर होती है। इसकी कुल लम्बाई 2016 में 2297 कि.मी. थी। यह प्रायः पर्वतीय क्षेत्रों तक सीमित है।

प्रश्न 2. स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना को समझाइए?
उत्तर इसके अंतर्गत 5846 कि.मी. लम्बी 4/6 लेन वाले उच्च सांनता के यातायात गलियारे शामिल है जो देश के चार विशाल महानगरों– दिल्ली– मुम्बई –चेन्नई–कोलकत्ता को जोड़ते है। स्वर्णिम चतुर्भुज के निर्माण के साथ भारत के इन महानगरों के बीच समय–दूरी तथा यातायात की लागत महत्वपूर्ण रूप से कम होगी।

प्रश्न 3. पवन हंस क्या है? समझाइ,।
उत्तर पवन हंस एक हेलीकॉप्टर सेवा है जो पर्वतीय क्षेत्रों में सेवारत है उत्तर–पूर्व सेक्टर में व्यापक रूप से पर्यटकों द्वारा उपयोग में लाया जाता है। इसके अतिरिक्त पवन हंस लिमिटेड मुख्यतः पेट्रोलियम सेक्टर के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएँ उपलब्ध कराता है।

प्रश्न 4. मेट्रो रेल पर टिप्पणी लिखिए?
उत्तर मेट्रो रेल ने कोलकत्ता और दिल्ली में नगरीय परिवहन व्यवस्था में क्रांति ला दी है। डीजल चालित बसों की जगह सी.एन.जी. चालित वाहनों के साथ–साथ मेट्रो रेल का प्रचलन नगरीय केन्द्रों के वायु प्रदुषण को नियंत्रण करने की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रश्न 5. आरम्भिक समय में संचार के साधनों पर टिप्पणी लिखिए।
उत्तर आरम्भिक समय में ढोल या पेड़ के खोखले तने को बजाकर आग या धुएं के संकेतो द्वारा अथवा तीव्र धावकों की सहायता से संदेश पहुँचा, जाते थे। उस समय घोड़े, ऊँट, कुत्ते पक्षी तथा अन्य पशुओं को भी संदेश पहुँचाने के लिए प्रयोग किया जाता था। आरम्भ में संचार के साध नही परिवहन के साधन होते थे।

प्रश्न 6. टेलिविजन पर संक्षिप्त लेख लिखिए।
उत्तर सूचना के प्रसार और जनसाधारण को शिक्षित करने में टेलीविजन एक महत्वपूर्ण श्रव्य–दृश्य साधन है। भारत में सर्वप्रथम टी.वी. का प्रसारण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 1959 में हुआ था। इसके पश्चात् 1972 के उपरान्त देश में अन्य कई केन्द्र शुरू हो ग,। वर्ष 1976 में टी.वी. को ऑल इंडिया रेड़ियों से अलग कर दूरदर्शन (डी.डी.) के रूप में विकसित किया गया है।

प्रश्न 7. भारतीय रेल के किन्हीं पाँच रेलमंडल और उनके मुख्यालय के नाम लिखिए।
उत्तर

| **रेलमंडल** | **मुख्यालय** |
|---|---|
| सेंट्रल | मुम्बई(सी.,स.टी.) |
| नार्दन | नई दिल्ली |
| सर्दन | चेन्नई |
| नार्थ इस्टर्न | गोरखपुर |
| साउथ वेस्टर्न | हुबली |

प्रश्न 8 **कडल** क्या है? लिखिए।
उत्तर केरल राज्य में स्थित पश्च जल, कडल कहलाता है। कडल का अंतः स्थलीय जलमार्गो में अपना एक विशिष्ट महत्व है। ये परिवहन का सस्ता साधन उपलब्ध कराने के साथ–साथ केरल में भारी संख्या में पर्यटकों को भी आकर्षित करते है। यहाँ की प्रसिद्ध नेहरू ट्रॉफी नौकादौड़ (वल्लामकाली) भी पश्चजल में आयोजित की जाती है।

प्रश्न 9 परिवहन क्या है? समझाइए।
उत्तर लोगों तथा समान को एक स्थान से दूसरे स्थान तक लाने ले जाने का साधन परिवहन कहलाता है। देश के आर्थिक विकास को गतिशीलता प्रदान करने के लिए परिवहन आवश्यक है। परिवहन मुख्यतः सड़क, रेल, जलमार्ग एवं वायुमार्ग द्वारा सम्पन्न होता है।

प्रश्न 10 संचार क्या है? लिखिए।
उत्तर एक स्थान से दूसरे स्थान या व्यक्ति तक विचार दर्शन या सूचनाँ, भेजने का साधन संचार कहलाता है। देश की सामाजिक प्रगति के लिए संचार साधन आवश्यक है। डाक, तार, टेलिफोन, इंटरनेट, टेलिविजन आदि संचार के प्रमुख साधन है।

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्रश्न 11 भारतीय सड़कों के प्रकार बताइये–

उत्तर भारतीय सड़कों के निम्न प्रकार है–

(1 राष्ट्रीय महामार्ग (2 राज्यीय/राज्य राजमार्ग

(3 जिला सड़के (4 ग्रामीण सड़के

(5 सीमावर्ती सड़के

प्रश्न 12 राष्ट्रीय राजमार्ग क्या है?

उत्तर वे सड़के जिनका निर्माण व रख रखाव केन्द्र सरकार के नियंत्रण में है राष्ट्रीय राजमार्ग कहलाते है 1950–51 में इनकी कुल लम्बाई 19700 कि.मी थी जो अब 100475 कि.मी है देश में कुल 292/223 राष्ट्रीय राजमार्ग है राष्ट्रीय राजमार्गो की पूरी लम्बाई पूरे देश की कुल सड़कों की लम्बाई का 1.7% है किन्तु ये यातायात का 40% वहन करते है।

प्रश्न 13 स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना क्या है।

उत्तर यह पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की महत्वकांक्षी योजना है जिससके अन्तर्गत 5846 किमी लम्बी 4 व 6 लेन वाले राष्ट्रीय राजमार्गो का निर्माण किया जायेगा जो चार महानगरों दिल्ली मुम्बई चैन्नई कोलकाता को जोड़ते है इससे महानगरों के बीच समय व यातायात की लागत कम हो जाएगी।

प्रश्न 14 उत्तर दक्षिण व पूर्व पश्चिम गलियारा क्या है?

उत्तर 1) उत्तर दक्षिण गलियारा –जम्मु कश्मीर के श्री नगर से कन्या कुमारी तमिलनाडु तक 4016 कि.मी सड़क

(2 पूर्व पश्चिम गलियारा–असम के सिलचर से गुजरात के पोरबंदर तक 3640 किमी लंबा मार्ग

प्रश्न 15 BOT क्या है?

उत्तर सड़क मार्गो पर भारी दबाव व सड़क के विकास के लिए बजट आवंटन अपर्याप्त होनेके कारण राष्ट्रीय राजमार्गो को निजी में बनाओ चलाओं और हस्तांतरित करो। (buid operate and transfer)(BOT) परियोजना शुरू की गई।

प्रश्न 16 एक्सप्रेस राजमार्ग कौन से है नाम बताइये?

उत्तर एक्सप्रेस राजमार्ग निम्न लिखित है

1. मुबंई–शांताक्रुज 2. मुबंई–थाणे

3. कोलकाता–दमदम 4. पारद्वीप–कोलकाता राजमार्ग

प्रश्न 17 राज्य राजमार्ग क्या है?

उत्तर वे सड़के जिनके निर्माण व रखरखाव का कार्य राज्य सरकार करती है। व जो राजधानी से जिला मुख्यालय को जोड़ती है राज्य राजमार्ग कहलाती है। ये मार्ग राष्ट्रीय महामार्गो से जुड़े होते है 2010–11 में इन सड़कों की कुल लम्बाई का 163.9 हजार कि.मी. थी जो देश की सड़को की कुल लंबाई का 4% है।

प्रश्न 18 जिला सड़कें क्या है?

उत्तर वे सड़के जो जिला मुख्यालय को जिले के अन्य स्थानों से मिलाती है इनकी कुल लम्बाई 4.7 लाख कि. मी है जो देश की कुल सड़क का 14% है।

प्रश्न 19 ग्रामीण सड़कें क्या है?

उत्तर ग्रामीण क्षेत्रो को शहरों, कस्बों एवं ग्रामीण सड़क मार्गो से जोड़ने वाली सड़कें ग्रामीण सड़कें कहलाती है भारत की कुल सड़क का 80% भाग ग्रामीण सड़क के रूप में है।

प्रश्न 20 सीमावर्ती सड़कें क्या है?

उत्तर सीमावर्ती क्षेत्रों में सैन्य आवश्यकताओं की पूर्ति हेतू निर्मित सड़कें सीमावर्ती सड़कें कहलाती है।

प्रश्न 21 BRO सीमा सड़क संगठन (border road organization ) क्या है?

उत्तर 1960 में सीमावर्ती क्षैत्र में सड़क निर्माण को बढ़ावा देने के लिए इस संगठन की स्थापना की गई इसने 1960 से 2005 तक सीमावर्ती क्षेत्र में 40,450 कि.मी सड़कों का निर्माण कार्य पूरा किया तथा 35577 कि.मी सड़कों को पक्का किया है। तथा संसार की सबसें ऊँची सड़क लद्दाख से लेह तक का निर्माण भी किया।

प्रश्न 22 देश का सबसें बड़ा राष्ट्रीय उपक्रम कौनसा है?

उत्तर भारतीय रेलवे।

प्रश्न 23 विश्व की प्रथम रेलगाड़ी कहाँ चलाई गई?

उत्तर इंग्लैण्ड में 1825 में चलाई गई

प्रश्न 24 भारत में प्रथम रेल कब चलाई गई

उत्तर भारत में प्रथम रेल 16 अप्रैल 1853 को मुम्बई से थाणें के मध्य 34 कि.मी में चलाई गई।

CEO BHINDER UDAIPUR

प्रश्न 25 भारतीय रेलवे की विश्व में क्या स्थिति है?

उत्तर भारतीय रेलमार्ग एशिया का सबसे बड़ा व विश्व का दूसरा बड़ा रेलमार्ग है 31 मार्च 2015 तक भारतीय रेलवें के पास 10822 इंजन है इसमें 43 भाप ईजन 5714 डीजल ईजन व 5065 विधुत इंजन है देश में रेलवें स्टेश्नों की संख्या 7112 है व रेलवें में 13.26 लाख श्रमिक कार्यरत है।

प्रश्न 26 गतिमान एक्सप्रेस क्या है?

उत्तर देश की पहली हाई स्पीड ट्रेन है जिसका 5 अप्रैल 2016 को रेलमंत्री ने हजरत निजामुद्दीन स्टेशन से आगरा केंट तक 187 कि.मी की दूरी के लिए रवाना किया जो यह दूरी 100 मिनट में तय करेगी इस रेलगाड़ी में सुरक्षा के साथ परिचायिका भी होगी वाई फाई के साथ आधुनिक तकनीकों से सुसज्जित होगी।

प्रश्न 27 हिमसागर एक्सप्रेस क्या है?

उत्तर जम्मूतवी से कन्याकुमारी तक 3729 कि.मी दूरी तय करने वाली भारत की सबसे लंबी दूरी की ट्रेन है।

प्रश्न 28 मथुरा पलवन रेल की गति क्या है?

उत्तर 180 किमी प्रति घंटा

प्रश्न 29 देश का पहला रेल विश्वविद्यालय कहाँ स्थापित किया जा रहा है?

उत्तर बड़ोदरा (गुजरात) में

प्रश्न 30 विश्व विरासत में किस भारतीय रेल को शामिल किया है?

उत्तर (1 माउन्टेन रेलवें (दार्जिलिंग हिमालय रेलवे 1999)
(2 नीलगिरि पर्वतीय रेलवें–2005 में शामिल
(3 कालका शिमला रेलवें–2008 में शामिल

प्रश्न 31 फ्रंट कोरिडोर परियोजना क्या है?

उत्तर रेल मार्ग द्वारा देश के चारों महानगरों – दिल्ली, मुम्बई, कोलकाता व चेन्नई को जोड़ना

प्रश्न 32 कोंकण रेलवे परियोजना क्या है?

उत्तर देश का समृद्ध पश्चिमी तटीय देश जो कि 26 जनवरी 1998 तक उबड़ खाबड़ धरातल व नदियों के कारण रेल सेवा से वंचित था पर मुंबई के रोहा से मंगलौर तक 760 कि.मी लंबा रेल मार्ग बनाया गया जिसमें 2000 पुल (179 बड़े तथा 91 सुरगें जिसमें से एक सुरग 6.5 कि.मी तक लंबी है शरावती नदी पर पुल 2065.8 मीटर लंबा है।

प्रश्न 33 मेट्रो रेल क्या है?

उत्तर यह अतः नगरीय द्रुतगामी रेल सेवा है जिसका शुभारम्भ 1972 में कोलकाता से हुआ इसके बाद दिल्ली बैगलौर, चैन्नई, हैदराबाद में भी चली।

प्रश्न 34 मोनो रेल क्या है?

उत्तर यह अंतः नगरीय द्रुतगामी रेल सेवा है जो सिंगल ट्रेक,पर चलती है इसका शुभारम्भ 1 फरवरी 2014 को मुंबई में हुआ।

प्रश्न 35 परिवहन का सबसे तीव्रतम व आधुनिक व मंहगा साधन कौनसा है?

उत्तर वायु परिवहन

प्रश्न 36 भारत में वायु परिवहन की शुरूआत कब हुई?

उत्तर 1911 में इलाहाबाद व नैनी के बीच

प्रश्न 37 भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण क्या कार्य करता है?

उत्तर भारत में वायु परिवहन की सुविधाएँ प्रदान करने का कार्य करता है यह 23 अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों सहित 97 घरेलू हवाई अड्डों और 25 नागरिक विमान टर्मिनलों सहित 127 हवाई अड्डो का प्रबन्ध करता है भारत द्वारा 57 देशों के साथ वैमानिक समझौते किए गए है।

प्रश्न 38 भारत में वायु परिवहन की सेवा कौन सी कम्पनियां उपलब्ध करवाती है?

उत्तर 1953 में भारत की वायु परिवहन का राष्ट्रीकरण किया गया और सभी कम्पनियों को दो नवनिर्मित निगमों के अंतर्गत रखा गया जो निम्न है

1. इण्डियन एयर लाइन्स
2. एयर इण्डिया

वायुदुत व पवन हंस को अतंदेर्शीय वायु परिवहन के लिए स्थापित किया गया।

1 मार्च 1994 को इंण्डियन एयर लाइन्स व एयर इण्डिया का विलय कर द नेशनल एविएशन कंपनी ऑफ इंडियाज लिमिटेड बनाई गई किन्तु यह कम्पनी अभी तक अपनी सेवाएं एयर इंडिया नाम से ही उपलब्ध करवाती है।

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्रश्न 39 ग्रीन फील्ड हवाई अड्डा क्या है?

उत्तर ऐसे हवाई अड्डे जहाँ कार्बन उत्सर्जन को कम करने संबधी विधियों का प्रयोग किया जाता है ग्रीन फील्ड हवाई अड्डा कहलाता है हैदराबाद का राजीव गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा एशिया का पहला ग्रीन एयापोर्ट है इसके अलावा जोधपुर एयरपोर्ट, सिक्किम में वेरूंयांग एयरपोर्ट नागालेण्ड में चेतू अरूणाचल प्रदेश का ईटानगर आदि भी ग्रीन एयरपोर्ट के रूप में विकसित किए जा रहे है।

प्रश्न 40 सबसे सस्ता परिवहन कौनसा है

उत्तर जल परिवहन क्यों कि इसमें मार्ग निर्माण व रख रखाव की समस्या नही रहती व भारी भरकम सामानों का सुरक्षित परिवहन होता है।

प्रश्न 41 व्यापारिक जहाजरानी बेड़े की दृष्टि से भारत का विश्व में कौनसा स्थान है।

उत्तर 16 वां

प्रश्न 42 आंतरिक जल परिवहन क्या है?

उत्तर देश के भीतर स्थित नदियों, सागरो आदि के मध्य होने वाले परिवहन को आंतरिक जल परिवहन कहते है। भारत के पास अंतर्देशीय जहाजरानी के लिए 14,500 किमी लंबा जलमार्ग है इसमें से बडी नदियों के 3700 किमी लंबे यंत्रीकृत नौकाओं द्वारा नौगम्य है इसके अलाचा 4300 किमी नौगम्य नहरे भी है। सर्वाधिक आंतरिक जलमार्ग उत्तर प्रदेश, पं0 बंगाल, आन्ध्र प्रदेश, असम, केरल, बिहार, व उड़ीसा में है।

प्रश्न 43 आंतरिक परिवहन के विकास में आने वाली प्रमुख बाधाएँ कौनसी है?

उत्तर नदियों का मौसमी होना, जल स्तर में परिवर्तन, जल प्रपात, अवसाद की अधिकता, सदावाहिनी नदियों से सिंचाई की नहरे निकालने से जल की कमी आना, तटीय क्षेत्र की नदियों का लवणीय होना।

प्रश्न 44 आंतरिक जल परिवहन के लाभ लिखिए?

उत्तर आंतरिक जल परिवहन के लाभ निम्न है

1. सबसें सस्ता परिवहन का साधन
2. . अन्य साधनों की तरह रख रखाव पर खर्च नही
3. उर्जा की बचत
4. भारी सामान के लिए उपयुक्त
5. वर्षा काल में पूर्वोतर में संडक व रेल परिवहन अवरूद्ध होने पर उपयोगी
6. प्रदुषण कम होना

प्रश्न 45 बंदरगाह किसे कहते है?

उत्तर समुद्र अथवा नदी के किनारे पर स्थित वह नगर जिसमें एक पोताश्रय होता है जहाँ से जहाजों में माल उतारने व चढ़ाने की सुविधा होती है बंदरगाह कहलाता है।

प्रश्न 46 पाइप लाइन परिवहन द्वारा किन पदार्थो का परिवहन होता है?

उत्तर पाइप लाइन परिवहन द्वारा जिन पदार्थो का परिवहन होता है वे निम्न है।

1. खनिज तेल
2. पेट्रोलियम
3. प्राकृतिक गैस
4. तरल लौह अयस्क
5. जल
6. दूध आदि

प्रश्न 47 पाईप लाईन परिवहन के क्या लाभ है?

उत्तर

1. सस्ता साधन
2. सुगम परिवहन
3. उबड खाबड मार्ग से परिवहन
4. उर्जा की बचत
5. समुद्री जल में भी पाइन लाईन बिछाई जा सकती है
6. सुनिशिचित आपूर्ति
7. समय की बचत
8 प्रदुषण कम

प्रश्न 48 नाहरकटिया नूनमती बरौनी पाइप लाइन का वर्णन कीजिए –

उत्तर यह भारत की सबसे पहली पाइप लाइन है जो असम के तेल के कुओं से नूनमती तेलशोधन शाला तक 443 कि.मी की दूरी तय कर तेल परिवहन करती है नूनमती से 724 कि.मी दूरी बिहार के बरौनी तक कुल लंबाई 1167 कि.मी है यह पाइन लाईन छोटी बड़ी 80 नदियों को पार करती है इसके मार्ग में 9 पम्पिंग स्टेशन है।

प्रश्न 49 भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड की स्थापना कब की गई व इसका क्या कार्य है?

उत्तर 1984 में की गई यह 14400 कि.मी लंबी पाइप लाइनों के संचालन का कार्य करती है।

CBEO BHINDER UDAIPUR

प्रश्न 50 सलाया कोयली मथुरा पाइप लाइन पर टिप्पणी लिखिए–

उत्तर यह पाइप लाइन कच्छ की खाड़ी के समीप स्थित सलाया से मथुरा तक बिछाई गई 1256 कि.मी लंबी है यह मुंबई हाई से प्राप्त व आयातित तेल को मथूरा शोधन शाला तक पहुँचाती है साफ तेल जालधर तक ले जाया जाता है और इसे कोयली पाइप लाइन से जोड़ दिया गया है।

प्रश्न 51 गुजरात में पाइप लाइन परिवहन के अन्तर्गत आने वाली प्रमुख पाइप लाइनों के नाम बताइये –

उत्तर परिवहन के अन्तर्गत आने वाली प्रमुख पाइप लाइन निम्न है

1. अंकलेश्वर कोयली तेल पाइप लाइन
2. कलोल साबरमती तेल पाइप लाइन
3. नवगाँव कालेल कोयली तेल पाइप लाइन
4. केम्बे धुबरन गैस पाइप लाइन
5. अंकलेश्वर बंडौदा गैस पाइप लाइन
6. कोयली अहमदाबाद पाइप लाइन

प्रश्न 52 मुम्बई हाई मुम्बई अंकलेश्वर कोयली पाइप लाइन परिवहन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए –

उत्तर मुम्बई हाई से मुम्बई तट तक तेल तथा गैस लाने के लिए दो अलग–अलग पाइप लाइने बिछाई गई है जिनकी प्रत्येक की लम्बाई 210 कि.मी है।

प्रश्न 53 HBJ क्या है?

उत्तर हाजीरा–विजयपुरा जगदीश्पुरा(HBJ)विश्व की सबसे लम्बी भूमिगत गैस पाइप लाइन हैजो 1750 कि. मी लम्बी है इससे उतर प्रदेश के 4 मध्यप्रदेश व राजस्थान के एक एक उर्वरक कारखाने तथा ओरैया (उतर प्रदेश) व अन्ता (राजस्थान) कावस (गुजरात) ताप विधुत गृहों को गैस पहुँचाई जाती है।

प्रश्न 54 भारतमाला योजना क्या है ?

उत्तर भारतमाला एक प्रस्तावित वृहद् योजना है जिसमे निम्न कार्य किये जायेगें –

1 तटवर्ती भागों से लगे हुए राज्यों की सड़कों का विकास/सीमावर्ती भागों तथा छोटे बंदरगाहों को जोड़ना।

2 पिछड़े इलाकों, धर्मिक, पर्यटन स्थलों को जोड़ने की योजना।

3 सेतू भारतम परियोजना के अंतर्गत 1500 बड़े पुलों तथा 200 रेल ओवर ब्रिज/रेल अंडर ब्रिज का निर्माण।

4 लगभग 900 कि.मी. के नए घोषित किए गए राष्ट्रीय राजमार्गो के विकास के लिए जिला मख्युालय जोडने की योजना।

यह कार्यव्रफम 2022 तक पूरा किया जाना है।

प्रश्न 55 भारत के राष्ट्रीय जलमार्ग का वर्णन किजिए ?

उत्तर भारत के राष्ट्रीय जलमार्ग निम्नानुसार हे –

**राष्ट्रीय जलमार्ग –1 – इलाहाबाद–हल्दिया विस्तार 1,620 कि.मी.**

यह भारत के सर्वाधिक महत्वपूर्ण जलमार्गों में से एक है जो यंत्रीकृत नौकाओं द्वारा पटना तक साधारण नौकाओं द्वारा हरिद्वार तक नौकायन योग्य है। यह विकासात्मक उद्देश्यों के लिए तीन भागों में विभाजित है 1. हल्दिया–फरक्का 560 कि.मी. 2 फरक्का–पटना 460 कि.मी. 3 पटना–इलाहाबाद ;600 कि.मी.

**राष्ट्रीय जलमार्ग– 2 –सदिया–धुबरी विस्तार ;891 कि.मी.**

ब्रह्मपुत्र नदी स्टीमर द्वारा डिब्रूगढ़ ;1384 कि.मी. तक नौकायान योग्य है जिसका भारत व बांग्लादेश साझेदारी में प्रयोग करते हैं।

**राष्ट्रीय जलमार्ग –3 – कोट्टापुरम–कोलम विस्तार 168 कि.मी.**

इसके अंतर्गत पश्चिमी तट नहर ;168 कि.मी. के साथ चंपाकारा ;14 कि.मी. तथा उद्योग मंडल ;23 कि.मी. नहरें आती हैं।

**राष्ट्रीय जलमार्ग– 4 – काकीनाडा तथा पुदुच्चेरी नहर स्ट्रेच के साथ–साथ गोदावरी और कृष्णा नदी का विशेष विस्तार ,1078 किमी**

**राष्ट्रीय जलमार्ग –5 – मातई नदी, महानदी के डेल्टा चैनल, ब्राहमणी नदी और पूर्वी तटीय नहर के साथ ब्राहमणी नदी का विशेष विस्तार , 588 किमी**

CREDBHNDER UDAIPUR